{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 09 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष कृष्ण 04 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 17, अंक 47
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स	~	83,216.28
निफ्टी	~	25,492.30
सोना	~	1,22,020
चांदी	~	1,52,500
डॉलर	~	88.64

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

17 लाख की इनामी हार्डकोर नक्सली कमला ने डाले हथियार, सरेंडर के बाद खैरागढ़ में खोले कई राज

12 घंटे तक बालाघाट के जंगल से पैदल चलकर कमला ने बकरकट्टा में हथियार डाला!!

छत्तीसगढ़ में नक्सल उन्मूलन अभियान के दौरान सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। 17 लाख की इनामी हार्डकोर महिला नक्सली ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। नक्सली ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला लिया है। वह बालाघाट के जंगलों से 12 घंटे तक लगातार पैदल चलकर सरेंडर करने पहुंची।वह भी नक्सली रामदेर की टीम की सदस्य बताई जा रही है. इससे पहले उस टीम की सुनीता ने बालाघाट पुलिस के सामने हथियार डाला था।

पदमेश विशेष
खैरागढ़ / बालाघाट

छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान बड़ी सफलता मिली है। राज्य के खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (केसीजी) जिले में 17 लाख रुपये की इनामी हार्डकोर महिला नक्सली ने एसपी लक्ष्य शर्मा के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। नक्सली कमला सोड़ी ने मुख्यधारा में लौटने का फैसला लिया। पुलिस अधिकारियों ने सरेंडर के बारे में जानकारी दी है। नक्सली सरेंडर राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025 सकारात्मक परिणाम दे रही है।

अधिकारियों ने बताया कि जिले में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के माड़ डिवीजन, बस्तर एमएमसी (मध्य प्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ जोन) से संबंधित नक्सली कमला सोड़ी उर्फ उंगी उर्फ तरूणा (30) ने केसीजी जिले के एसपी के सामने आत्मसमर्पण किया। उसके बताए अनुसार वह 12 घंटों तक लगातार पैदल चलकर छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की सरहद पर स्थित बकर कट्टा थाना पहुंचकर अपने हथियार डाले.

राज्य सरकार की नीतियों से हुई प्रभावित

अधिकारियों ने बताया कि जिले में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के माड़ डिवीजन, बस्तर एमएमसी (मध्य प्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ जोन) से संबंधित नक्सली कमला सोड़ी उर्फ उंगी

उर्फ तरूणा (30) ने केसीजी जिले के एसपी के सामने आत्मसमर्पण किया।

राज्य सरकार की नीतियों से हुई प्रभावित

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सोड़ी ने छत्तीसगढ़ सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति-2025 से प्रभावित होकर सरेंडर करने का फैसला किया। महिला नक्सली 12 घंटे तक पैदल चलकर बालाघाट के जंगलोंसे होते हुए सीमावर्ती छत्तीसगढ़ के बकरकट्टा थाना पहुंचकर सरेंडर किया। महिला नक्सली नक्सल संगठन से जुड़कर मिलिट्री हार्डकोर सदस्य के रूप में काम करते हुए नक्सलियों की भर्ती, प्रचार और पुलिस बलों के हमले की योजना में लिप्त थी।

एमएमसी जोन में 14 साल तक सक्रिय सदस्य

अधिकारियों ने बताया कि सोड़ी सुकमा जिले के अरलमपल्ली गांव की निवासी है। वह 2011 से माओवादी संगठन से जुड़ी थी। करीब 14 सालों तक छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र (गोंदिया जिला) और मध्य प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय रूप से नक्सली गतिविधियों में शामिल रही। वह माओवादी के माड़ डिवीजन, बस्तर एमएमसी जोन (एमपी-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़) में सक्रिय सदस्य रही है।

महिला नक्सली पर था 17 लाख का इनाम

अधिकारियों ने कहा कि कमला संगठन की सक्रिय सदस्य होने के साथ-साथ एमएमसी जोन प्रभारी रामदर की टीम की प्रमुख सदस्य के रूप में कार्यरत थी। इससे पूर्व रामदर की टीम की एक अन्य महिला नक्सली सुनीता ने कुछ दिनों पूर्व बालाघाट पुलिस के सामने आत्म समर्पण किया है.महिला नक्सली और मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ पुलिस ने उस पर कुल 17 लाख का इनाम घोषित कर रखा था।

मुख्यधारा में लौटने पर मिली ये सुविधाएं

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सोड़ी को छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सलवाद उन्मूलन नीति के अंतर्गत 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि तत्काल प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, सरकार की पुनर्वास नीति-2025 के तहत अन्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान राजनांदगांव आईजी अभिषेक शांडिल्य ने बताया कि कमला ने लगभग 12 घंटे की पैदल यात्रा कर बालाघाट के सघन वनों से आगे बढ़कर खैरागढ़ के जंगलो में पहुंचकर आत्मसमर्पण किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को कई अहम नक्सली जानकारी भी मिला है। इसका सुरक्षा कारणों से पुलिस ने अभी खुलासा नहीं किया है।

संसद के शीतकालीन सत्र में होंगी 15 बैठकें...कांग्रेस ने उठा दिए सवाल

1 दिसंबर से शुरु होकर 19 दिसंबर को खत्म होगा

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र इस बार 1 दिसंबर 2025 से शुरू होगा। इसकी घोषणा शनिवार संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने की। इस बार संसद के शीतकालीन सत्र पर सभी की नजरें रहेगी। बिहार चुनाव नतीजों के कुछ ही दिनों बाद शीतकालीन सत्र की शुरुआत होगी। हालांकि सत्र की शुरुआत की घोषणा के साथ ही इसके हंगामेदार होने की आहट मिलने लगी है। संसद का शीतकालीन सत्र 1 से शुरू होकर 19 दिसंबर को समाप्त होगा, जिससे यह हाल के दिनों में केवल 15 बैठकों के साथ सबसे छोटे सत्रों में से एक बन जाएगा। अब कांग्रेस ने इस मानसून सत्र को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

कांग्रेस ने शीतकालीन सत्र को छोटा रखने पर सवाल उठाया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि शीतकालीन सत्र को असामान्य तौर पर छोटा रखा गया और देरी से भी है। इससे क्या संदेश दिया जा रहा है। सत्र सिर्फ 15 कामकाजी दिनों का होगा। उन्होंने कहा कि इससे साफ जाहिर होता है कि मोदी सरकार के पास न कोई काम है और न ही कोई विधेयक पास करने के लिए है। इतना ही नहीं बहस की भी अनुमति नहीं है।

यह सत्र 14 नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा के ठीक दो हफ्ते बाद शुरू होगा और इसके हंगामेदार रहने की उम्मीद है। कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष कई राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में कथित वोट चोरी जैसे कई मुद्दे उठा सकता है। सत्र किस तरीके से आगे बढ़ेगा यह बहुत कुछ बिहार चुनाव नतीजों पर भी निर्भर करेगा। जिसके पक्ष भी नतीजे जाएंगे सदन में उसका मनोबल बढ़ा दिखाई पड़ेगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने संसद का शीतकालीन सत्र 1 से 19 दिसंबर, 2025 तक (संसदीय कार्य की अनिवार्यताओं के अधीन) आयोजित करने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा, मैं एक रचनात्मक और सार्थक सत्र की आशा करता हूं जो हमारे लोकतंत्र को मजबूत करेगा और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा।

संसद का पिछला मॉनसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चला था। इसमें 32 दिनों में 21 बैठकें हुईं, जिसके दौरान संसद के दोनों सदनों द्वारा 15 विधेयक पारित किए गए।

राहुल गांधी ने मिड-डे मील को लेकर कहा-

देश के भविष्य को इज्जत की थाली तक नसीब नहीं

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के एक सरकारी स्कूल में मिड-डे मील को अखबार पर परोसे जाने से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा प्रहार किया।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, जब से यह ख़बर देखी है कि मध्य प्रदेश में बच्चों को मिड-डे मील अख़बार पर परोसा जा रहा है, दिल टूट गया है। ये वही मासूम बच्चे हैं जिनके सपनों पर देश का भविष्य टिका है, और उन्हें इज़्ज़त की थाली तक नसीब नहीं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने

सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, कि राज्य में बीजेपी की सरकार को 20 साल से अधिक हो गए हैं, लेकिन अब बच्चों की थाली तक छीन ली गई है। उन्होंने कहा, इनका विकास बस छलावा है। सरकार में आने का असली राज़ 'व्यवस्था' है, जिसमें गरीबों और बच्चों का हक़ मारा जा रहा है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव दोनों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, शर्म आनी चाहिए ऐसे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को, जो देश के बच्चों भारत के भविष्य का इस तरह की दुर्दशा से पालन-पोषण कर रहे हैं।

वायरल वीडियो मध्य प्रदेश के श्योपुर ज़िले के एक सरकारी स्कूल का बताया जा रहा है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि बच्चों को अख़बार के टुकड़ों में खाना परोसा गया है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद से मिड-डे मील योजना की निगरानी और स्कूलों की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

दिल्ली की हवा फिर हुई जहरीली, कई इलाकों में AQI 400 के पार; 'रेड जोन' में पहुंची राजधानी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की वायु गुणवत्ता लगातार बिगड़ती जा रही है। शनिवार को शहर के कई हिस्सों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 400 के पार पहुंच गया, जिससे हवा 'गंभीर' श्रेणी में आ गई है। जहरीली धुंध के चलते दिल्ली अब 'रेड जोन' में शामिल हो गई है और देश के सबसे प्रदूषित शहरों में एक बन गई है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को शाम 4 बजे तक 24 घंटे का औसत एक्यूआई 361 दर्ज किया गया, जबकि शुक्रवार को यह 322 था। कई इलाकों में स्थिति और भी वजीरपुर में 420, बुराड़ी में 418, विवेक विहार में 411, नेहरू नगर में 406, अलीपुर में 404 और आईटीपीओ में 402 दर्ज किया गया।

दिल्ली-एनसीआर के अन्य शहरों की स्थिति भी चिंताजनक है। नोएडा में एक्यूआई 354, ग्रेटर नोएडा में 336 और गाजियाबाद में 339 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आते हैं। हवा में पीएम2.5 और पीएम10 कणों की मात्रा सबसे अधिक पाई गई।

वायु गुणवत्ता के आकलन के लिए बनाए गए डिसीजन सपोर्ट सिस्टम के अनुसार, पराली जलाने की घटनाओं से दिल्ली के प्रदूषण स्तर में करीब 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि शुक्रवार को पंजाब में 100, हरियाणा में 18 और उत्तर प्रदेश में 164 स्थानों पर पराली जलाई गई।

बिहार का बच्चा अब इंजीनियर और डॉक्टर बनेगा, रंगदार नहीं...

सीतामढ़ी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीतामढ़ी की चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, पहले चरण के मतदान में बिहार की जनता ने कमाल कर दिया, पहले चरण में जंगलराज वालों को 65 बोल्ट का झटका लगा है। चारों तरफ अब चर्चा है कि बिहार के नौजवानों ने विकास, एनडीए को चुना है। उन्होंने कहा, बिहार का बच्चा अब इंजीनियर बनेगा, डॉक्टर बनेगा, वकील बनेगा, जज बनेगा, लेकिन रंगदार नहीं बन सकता, हमारा बच्चा। पीएम मोदी ने आगे कहा, जंगलराज का मतलब ही है कट्टा, क्रूरता, कटुता, कुसंस्कार और भ्रष्टाचार। ये तो कुसंस्कारों से भरे लोग हैं, ये कुशासन चाहते हैं। दरअसल बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को सीतामढ़ी में रैली को संबोधित कर रहे थे, इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और विपक्षी गठबंधन पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान में जनता ने 'जंगलराज वालों' को 65 वोल्ट का झटका दे दिया है, और अब पूरे बिहार में बदलाव की लहर है। पीएम मोदी ने यहां कहा, कि बिहार की जनता ने साफ संदेश दे दिया है कि उसे विकास चाहिए, विनाश नहीं। युवाओं ने एनडीए को चुना है, और बेटियों ने भी एनडीए की जीत पक्की कर दी है। उन्होंने कहा कि बिहार अब ऐसी सरकार नहीं चाहता जो 'कट्टा और दोनाली' की राजनीति करे। प्रधानमंत्री मोदी ने आरजेडी पर निशाना साधते हुए कहा, ये लोग अपने बच्चों को मुख्यमंत्री और विधायक बनाने में लगे हैं, जबकि बिहार के युवाओं को रंगदार बनाना चाहते हैं।

सरकारी स्कूल में 14 साल की लड़की से गैंगरेप

मऊगंज। मऊगंज जिले में 14 साल की एक नाबालिग छात्रा के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। घटना तब हुई जब वह घर से पानी भरने के लिए हैंडपंप पर गई थी। गांव के ही तीन युवकों ने उसे जबरन पास के सरकारी स्कूल में ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी उसे छोड़कर भाग गए। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है।

डीएफओ अधर गुप्ता 'अधर' में !!

अनुभा मुंजारे को बहुत बड़ी राहत, बोलीं- झूठ का मुंह हो गया काला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उत्तर सामान्य वनमंडल की डीएफओ (उत्तर) नेहा श्रीवास्तव द्वारा बालाघाट सीट से कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे पर दो-तीन पेटी रकम की व्यवस्था करने का आरोप लगाकर जिले व प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी थी। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में विधायक अनुभा को क्लीन चिट मिल गई है। हालांकि, इसे लेकर विभाग के अधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे हैं। पद्मेश न्यूज से चर्चा में विधायक ने कहा कि जांच रिपोर्ट में किसी ने भी मेरे द्वारा पैसे मांगने की बात की पुष्टि नहीं की है। ये भाजपा के इशारे पर किया गया कृत्य था। जांच रिपोर्ट में मुझ पर लगे आरोप झूठे साबित हुए हैं। मुझे विश्वास था कि सच सामने आएगा। झूठ का मुंह काला हो गया।

18 अगस्त को डीएफओ नेहा श्रीवास्तव की लिखित शिकायत पर वन विभाग ने दो सदस्यीय टीम गठित की थी। सूत्रों की मानें तो टीम ने जांच उपरांत अपनी रिपोर्ट प्रदेश सरकार को सौंप दी है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि डीएफओ नेहा की फारेस्ट रेस्टहाउस में विधायक द्वारा दो-तीन पेटी रकम मांगने की शिकायत की किसी भी गवाह ने पुष्टि नहीं की है। इसमें उन लोगों के बयान लिए गए थे, जो रेस्टहाउस में तब मौजूद थे। क्लीन चिट मिलने के बाद एक बार फिर जिले में सियासी पारा चढ़ गया है।

'मेरी राजनीतिक छवि खराब की गई'

अनुभा ने कहा- 'रेस्टहाउस में डीएफओ नेहा श्रीवास्तव से दो-तीन पेटी मांगने की शिकायत एक तरह से भाजपा के इशारे पर किया गया कृत्य था। इसके सूत्रधार पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन और उनकी पुत्री मौसम हरिनखेड़े थीं। उन्होंने मेरी राजनीतिक छवि खराब करने की कोशिश की, लेकिन सच्चाई सबके सामने है। इससे साबित हो गया कि डीएफओ कितनी झूठी और फरेबी है।

अनुभा मुंजारे, विधायक

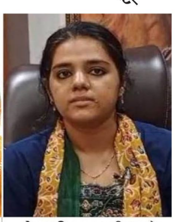

नेहा श्रीवास्तव, डीएफओ

गौरीशंकर बिसेन ने पर्दे के पीछे से इसमें राजनीति की है। क्योंकि वह अपनी बेटी को राजनीति में स्थापित करना चाहते हैं। मौसम हरिनखेड़े जरूर राजनीति करें, लेकिन वह किसी की लकीर मिटाकर अपनी लकीर बड़ी नहीं कर सकतीं। इस मामले से भाजपा ने आंबेडकर चौक पर मंच से मुझे और मेरे परिवार को कलंकित किया। व्यक्तिगत हमले किए गए। डीएफओ का आरोप मेरे परिवार को कलंकित करने वाला आरोप था। एक पल के लिए मैं भी विचलित हुई थी। मैंने अपने 30 साल की राजनीति में ऐसा घटनाक्रम पहले कभी नहीं देखा। क्लीन चिट मिलने से साजिशकर्ताओं के चेहरे पर करारा तमाचा है।

डीएफओ अधर गुप्ता पर आरोप तय, पत्नी नेहा को भी नोटिस

बालाघाट के उत्तर व दक्षिण वनमंडल में पदस्थ डीएफओ पति-पत्नी अधर गुप्ता और नेहा श्रीवास्तव की मुश्लिकें बढ़ गई है। एक तरफ नेहा के आरोपों पर विधायक को क्लीन चिट मिल गई है, तो दूसरी तरफ नेहा से शासन ने एक मामले में सात दिन के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। मामला वन सुरक्षा समिति लामता में एक टेंडर विवाद से जुड़ा है। इसकी शिकायत सुरक्षा समिति लामता के अध्यक्ष शत्रुघ्न असाटी ने की थी। डीएफओ नेहा ने शिकायतकर्ता को समिति के अध्यक्ष पद से हटाने का नोटिस जारी कर दिया। शासन ने इसे दुर्भावना से प्रेरित कार्रवाई माना।

वहीं, नेहा के पति डीएफओ अधर गुप्ता पर बाघ की रहस्यमय मौत और बगैर प्रोटोकाल शव जलाने के मामले में आरोप तय हो गया है। सूत्रों के अनुसार, प्रशासनिक कार्यों, वन्य जीव संरक्षण और वित्तीय अनुशासन में लापरवाही बरतने पर शासन ने 170 से अधिक पत्रों आरोप पत्र जारी किया है। अधर पर लगे मुख्य आरोपों में लालबर्रा क्षेत्र में एक बाघ की संदिग्ध मौत व अवैध दाह संस्कार, प्रकरण के आरोपित वनपाल टीकाराम हनोते व वनरक्षक हिमांशु घोरमारे के फरार होने का मामला शामिल है।

खास खबर

अब ऑटोमैटिक होगा ईपीएफ ट्रांसफर

नई दिल्ली। नौकरी बदलने पर अब ईपीएफ ट्रांसफर के लिए फॉर्म भरने या इंतजार करने की जरूरत नहीं होगी। ईपीएफओ ने अब ऑटोमैटिक ट्रांसफर सिस्टम शुरू कर दिया है, जो 2025 से पूरी तरह लागू हो जाएगा। इससे करोड़ों कर्मचारियों का पीएफ बैलेंस अपने आप नए एम्प्लॉयर के अकाउंट में ट्रांसफर हो जाएगा। पहले नौकरी बदलते ही कर्मचारियों को फॉर्म-13 भरना पड़ता था। फिर पुराने और नए एम्प्लॉयर से वैरिफिकेशन करवाना होता था। इसमें 1-2 महीने लग जाते थे। कई बार क्लेम रिजेक्ट हो जाता या इंटरेस्ट का नुकसान होता था। ईपीएफओ के डेटा के मुताबिक, हर साल लाखों क्लेम पेंडिंग भी रहते थे। अब नए नियमों से ये सब दिक्कतें खत्म हो जाएंगी।

स्कॉर्पियो ने तीन छात्रों को रौंदा, दो मौत

इंदौर। इंदौर में एक स्कॉर्पियो ने बाइक सवार तीन इंजीनियरिंग छात्र को रौंद दिया। दो छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई। एक की हालत गंभीर है। तीनों खंडवा के रहने वाले हैं। हादसे के बाद स्कॉर्पियो सवार 4 युवक गाड़ी छोडक़र भाग निकले। पुलिस ने स्कॉर्पियो को जब्त कर लिया है। हादसा शुक्रवार देर रात करीब 2 बजे लाइफ केयर हॉस्पिटल के सामने हुआ। कृष्ण पाल सिंह तंवर (20) और आयुष राठौर (20) की मौके पर ही मौत हो गई थी। श्रेयांश राठौर की हालत गंभीर है। तीनों इंदौर के प्रेस्टीज कॉलेज में बीटेक सेकेंड ईयर के छात्र हैं। कृष्ण पाल के परिवार को बेटे की मौत की जानकारी नहीं दी गई है।

कुपवाड़ा में दो आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में शनिवार को सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। भारतीय सेना को नियंत्रण रेखा के पार से शुक्रवार को घुसपैठ की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद आतंकियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चलाया था। भारतीय सेना की यूनिट चिनार कॉर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों की जवाबी फायरिंग में दो आतंकी मारे गए। ऑपरेशन अभी जारी है। सेना ने इसे ऑपरेशन पिंपल नाम दिया है। मारे गए आतंकियों की पहचान या उनके संगठन की जानकारी अभी नहीं मिली है। इससे पहले 5 नवंबर को किश्तवाड़ जिले के छत्रू इलाके में मुठभेड़ हुई थी। आतंकियों की फायरिंग से एक जवान घायल हो गया था। कुपवाड़ा में मुठभेड़ के बीच जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने शनिवार को घाटी की कई जेलों में छापा मारा।

कुछ ना कहना

9 महीनों से आशा कार्यकर्ताओं को नहीं मिल रहा पूर्ण भुगतान

मार्च माह से अटके पूर्ण भुगतान की मांग को लेकर आशा कार्यकर्ताओं ने बनाई हड़ताल की रणनीति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

स्वास्थ्य क्षेत्र में 53 प्रकार की सेवाएं देने वाली आशा कार्यकर्ता सहायिकाओ को पिछले 09 महीनो से मानदेय का पूर्ण भुगतान नहीं किया गया है। जिसके चलते उन्हें आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और जब आशा कार्यकर्ताए अपने इसी लंबित भुगतान के लिए अधिकारियों से शिकायत करती है तो उन्हें नौकरी से निकालने की धमकियां दी जाती है।ऐसा आरोप लगाते हुए आशा कार्यकर्ताओ ने,आशा एंव आशा सहयोगिनी प्रकोष्ठ के बैनर तले कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव कर, एक ज्ञापन सौपा है।जिसमें उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं व सहयोगिनियो को मार्च से नवंबर माह तक का पूर्ण मानदेय अब तक नहीं मिलने की जानकारी दी।पदाधिकारियों ने बताया कि हर माह किए जा रहे कार्यो का मानदेय व भत्ते की पूर्ण राशि उनके खातों में जमा नही की जाती है, जबकि बची हुई राशि का कोई हिसाब भी नहीं दिया जा रहा है।आशा कार्यकर्ताओं व सहयोगिनीयो द्वारा इस बचत राशि की पारदर्शिता पर भी सवाल उठाए गए हैं। जिन्होंने स्वास्थ्य विभाग के 53 प्रकार के कार्यो करने का हवाला देते हुए काम का पूरा दम दिए जाने की गुहार लगाई, तो वहीं उन्होने अपनी इस मांग को पूरा करने के लिए जिला प्रशासन को 10 से 15 दिनो का अल्टीमेटम दिया है। जिसमें उन्होंने समय सीमा के भीतर मांग पूरी ना होने पर काम बंद कर सामूहिक रूप से हड़ताल किए जाने की चेतावनी दी है

मानदेय का पूछो तो काम से निकालने की मिलती है धमकियां

वर्षों से लंबित अपनी विभिन मांगे पूरी न होने से जिले की आशा कार्यकर्ताएं खासा नाराज हैं जिन्होंने शासन प्रशासन पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जहां समय पर पूर्ण भुगतान ना होने, विभाग द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने, और विभिन्न कार्यो के मनादेय का भुगतान न होने सहित वर्षों से लंबित विभिन्न मांगे पूरी न होने पर अपना आक्रोश जताते हुए कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौपा है। पदाधिकारियो ने बताया कि जब भी मानदेय मांगने के लिए अधिकारियों के पास जाओ तो उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ति किया जाता है वही काम से निकलने की धमकियां दी जाती है जिससे वह काफी परेशान है।जिन्होंने मांग पूरी करने के लिए 10-15 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए समय सीमा पर मांग पूरी न होने पर काम बंद सामूहिक हड़ताल किए जाने की बात कही है।

9 माह से नहीं मिला पूर्ण मानदेय, घर कैसे चलाएं

ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि आशा कार्यकर्ताओं को मार्च से नवंबर माह तक का पूर्ण मानदेय अब तक नहीं मिला है। हर माह किए जा रहे कार्यों की आंशिक राशि ही उनके खातों में जमा की जाती है, जबकि बची हुई राशि का कोई हिसाब नहीं दिया जा रहा है। पूर्ण भुगतान न होने के चलते उन्हें जहां एक ओर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, तो वहीं दूसरी ओर वे मानसिक रूप से भी परेशान हो रही है, वही विभाग द्वारा कार्य का लगातार दबाव बनाया जा रहा है, उधर राशि की मांग करो तो काम से निकालने की धमकी दी जाती है, पूर्ण मानदेय न मिलने के चलते घर चलना भी मुश्किल हो गया है वही जेब खर्च के लिए भी हमें परेशान होना पड़ रहा है। मानदेय ना मिलने के चलते दीपावली पर्व में एक दीपक जलाने के लिए भी हमें मोहताज होना पड़ा है हम चाहते हैं कि हमें प्रत्येक माह समय पर पूर्ण भुगतान किया जाए।

वर्ष 2025 की शुरुवात से आज दिनांक तक नहीं मिला पूर्ण भुगतान- हेमलता चौधरी

बैहर ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती हेमलता चौधरी ने बताया कि 7 दिन पूर्व बीएमओ को ज्ञापन देने के लिए गए थे उन्होंने मानदेय भुगतान के लिए 5 दिनों का समय मांगा था, लेकिन हमारे खाते में राशि नहीं आई इसीलिए हम कलेक्ट्रेट आए हैं। स्वास्थ्य विभाग में हम 53 प्रकार के काम करते हैं।मानदेय ना मिलने के चलते हमें आर्थिक व मानसिक रूप से परेशान होना पड़ रहा है, जेब खर्च के लिए भी पैसे हमारे पास में नहीं रहते हैं, जब भी मानदेय की मांग करो तो अधिकारी लोग कहते हैं कि पोर्टल खराब है, वर्ष 2025 की शुरुवात से लेकर आज तक हमें पूर्ण राशि का भुगतान नहीं किया गया है इसीलिए हम आशा बहने आक्रोशित है। जब अधिकारियों को मालूम चला कि आज हम ज्ञापन देने कलेक्ट्रेट जाने वाले हैं तो उन्होंने किसी बहनो के खाते में 5000 तो किसी के खाते में 4000 रु की राशि डाली है। जब पोर्टल खराब था तो यह राशि उनके खाते में कैसे आई यह समझ नहीं आ रहा है।हमारी मांग है की प्रति महा हमें समय पर मानदेय व भत्ते का पूर्ण भुगतान किया जाए।

तो काम बंद कर, सामुहिक हड़ताल की जाएगी- शुशीला वट्टी

जिला अध्यक्ष श्रीमती शुशीला वट्टी ने बताया कि हमारी कई मांगे वर्षों से लंबित है, विगत कई माह से प्रोत्साहन राशि व पूर्ण मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। वर्तमान समय में सब मिलाकर हमारा 6,232 रु मानदेय बनता है,लेकिन हमारे खाते में कभी 4000, तो कभी 5000रु दिए जाते हैं, बाकी राशि कहा गई इसका हमें कोई हिसाब नहीं मिल रहा है। इतनी कम मानदेय में परिवार का गुजर बसर नहीं होता, हमारी मांग है कि समय पर पूर्ण भुगतान किया जाए लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।जब भी मानदेय की मांग को लेकर जाओ तो अधिकारी लोग सॉफ्टवेयर और पोर्टल खराब होने की बात करते हैं, कभी कहते हैं कि थंब नहीं लगा है, कभी कुछ तो कभी कुछ बहाना बनाते हैं हर महीने पोर्टल और सॉफ्टवेयर सिर्फ आशा बहनों के लिए ही खराब क्यों हो जाता है, यह हमारे समझ में नहीं आता। हमें काम के बदले दाम चाहिए, अधिकारियो से मानदेय मांगो तो धमकी देते हैं कि काम से बाहर कर देंगे।मार्च माह से आज तक हमें पूर्ण मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है यहां तक की दीपावली पर्व जो साल में एक बार आता है उसमें दीपक जलाने के लिए भी हमें परेशान होना पड़ा।अभी तीन माह से हमें मानदेय की राशि भी नहीं मिल पाई है इसीलिए आज हमने ज्ञापन के माध्यम से 10 15 दोनों का अल्टीमेटम दिया है।यदि इस समय सीमा पर हमारी मांग पूरी नहीं होती, तो एक बैठक का आयोजन कर सामुहिक हड़ताल की रणनीति बनाई जाएगी,काम बंद कर आंदोलन किया जाएगा।

01 दिसंबर से 20 जनवरी 2026 तक समर्थन मूल्य पर होगी धान की खरीदी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाने तथा उन्हें दलालों व बिचौलियों के शोषण से बचाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। बालाघाट जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा 185 खरीदी केन्द्रों का निर्धारण कर दिया गया है। इनमें से 68 केन्द्र गोदाम स्तर पर और 117 केंद्र समिति स्तर पर खोले जाएंगे। समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 2369 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 01 दिसंबर 2025 से प्रारंभ होगी और 20 जनवरी 2026 तक चलेगी।

जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आर के ठाकुर ने बताया कि कटंगी तहसील के अंतर्गत बनेगा, कटेरा का केंद्र चिकमारा कैंप, जराहमोहगांव व जाम का केंद्र नंदलेसरा गोदाम, कटंगी का केंद्र कृषि उपज मंडी कटंगी, कटंगी-2, मानेगांव, मानेगांव -2, खैरलांजी, का केंद्र चिकमारा कैंप, अतरी-सावंगी व आगरवाड़ा का केंद्र नंदलेसरा गोदाम, कटंगी-बिसापुर का केंद्र मार्केटिंग गोदाम कटंगी, किरनापुर तहसील में रजेगांव का केंद्र श्री हरि एग्रो गोदाम रजेगांव, खारा का केंद्र साईं कृपा वेयर हाउस नेवरगांव, बिनोरा, बड़गांव, मोरवाही, किरनापुर, वारा, किन्हीं, बोरगांव का केंद्र वाला कैप, खैरलांजी तहसील में खैरलांजी का केंद्र किन्हीं मंडी, बेनी, भेंडारा, भेंडारा -2 का केंद्र भेंडारा कैप, आरंभा, आरंभा-2, अतरी, नवेगांव -3 का केंद्र मोहाड़ी कैप, परसवाड़ा तहसील में परसवाड़ा-1, परसवाड़ा -2, भोरवाही, बघोली, परसवाड़ा -3 का केंद्र डोंगरिया कैप, बालाघाट तहसील में लिंगा का केंद्र पूजा वेयर हाउस, कुम्हारी का केंद्र कुम्हारी गोदाम, गोंगलई का केंद्र कृषि मंडी, खुरसोड़ी-1 का केंद्र कृषि साख सहकारी समिति खुरसोड़ी गोदाम, मानेगांव का केंद्र सपना वेयर हाउस मानेगांव, खुरसोड़ी-2 का केंद्र सांई बाबा वेयर हाउस खुरसोड़ी, लांजी तहसील में कुम्हारीकला, दहेगांव, पालडोंगरी, कुम्हारीखुर्द, साडरा के केंद्र पालडोंगरी कैप, बैहर तहसील में बैहर का केंद्र प्रयास वेयर हाउस बैहर, लालबर्रा तहसील में चिल्लौद, निलजी, मोहगांव-धपेरा, लेंडेझरी का केंद्र बिरसोला कैप, बड़गांव का केंद्र रुखमणि वेयर हाउस बड़गांव, ददिया का केंद्र रामजी वेयर हाउस लालबर्रा, कनकी का केंद्र कृषि मंडी कनकी, लालबर्रा, मिरेगांव का केंद्र कृषि मंडी बकोड़ा, मानपुर का केंद्र मार्केटिंग गोदाम लालबर्रा, नेवरगांव-1, नेवरगांव-2 का केंद्र हर्षित गोदाम वारासिवनी तथा वारासिवनी तहसील में मेंढकी का केंद्र भेंडारा कैप, खापा का केंद्र खापा कैप, वारासिवनी-1 का केंद्र जाहान्वी वेयर हाउस तुमाड़ी, वारासिवनी-2 का केंद्र धार्मिक वेयर हाउस तुमाड़ी, कोचेवाही, का केंद्र बालाघाट फार्मर प्रो. कोचेवाही, लड़सड़ा, डोंगरमाली का केंद्र भेंडारा कैप एवं जागपुर, कायदी-1,कायदी-2 का केंद्र सिद्धार्थ वेयर हाउस डोंगरिया में बनाया गया है।

समिति स्तर पर कटंगी तहसील में समतपुरी, सिरपुर, भजियापार, टेकाड़ी-नंदोरा, किरनापुर तहसील में चिल्ला, पिपरझरी, माटे, सिवनी, दिगोधा, मोहगांव खुर्द, कान्द्रीकला, सेवती, पिंपलगांव, खैरलांजी तहसील में खरखड़ी, भौरगढ़, फूलचुर, मोवाड़, सावरी, गजपुर, पांजरा, सालेटेका, सालेबर्डी, मोहगांव घाट, टेकाड़ीघाट, भजियादंड, कटोरी, ऐनागोंदी, पिंडकेपार, तिरोड़ी तहसील में नांदी, कटेदरा, धनकोषा, बोथवा, महकेपार, कुड़वा, बम्हनी, हरदोली, परसवाड़ाघाट, परसवाड़ा तहसील में उकवा, चिखलाझोड़ी, कुमादेही, बोदा, मझगांव, डोरा, बालाघाट तहसील में अमेड़ा, भरवेली, जरेरा, लामता, चांगोटोला, समनापुर, मगरदर्रा, चरेगांव, टाकाबर्रा, घुनाड़ी, गुडरू, मोहगांव (गुडरू), हट्टा, नाहरवानी, बिरसा तहसील में मानेगांव, बीजाटोला, दमोह, रेलवाही, पल्हेरा, मंडई, बिरसा, मोहगांव, जानपुर, सालेटेकरी, लोरमी, सोनगुड्डा, बैहर तहसील में बैहर, दलदला, आमगांव, भंडेरी, परसामऊ, गढ़ी, बिठली, लांजी तहसील में लांजी, कारंजा, बहेला, घोटी, देवरबेली, बिरनपुर, कलपाथरी, मनेरी, बड़गांव, मिरिया, चिचोली, भानेगांव, बोलेगांव, मोहझरी, लालबर्रा तहसील में घोटी, सिहोरा, पाथरसाही, नेवरगांव-ला, बहेगांव, डोकरबंदी, खमरिया, टेंगनीकला, बल्लारपुर, पलाकामथी, गारापुरी, साल्हे, कंजई, जाम, छिंदलई एवं वारासिवनी तहसील में गर्रा, थानेगांव, सावंगी, सिंगोड़ी, झालीवाड़ा, अंसेरा, दीनी, रमरमा, कोस्ते, बुदबुदा व रामपायली में धान खरीदी केंद्र बनाया गया है।

10 नवंबर को सारन-अहमदाबाद के लिए रवाना होंगे जिले के 120 युवा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला प्रशासन द्वारा जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन में देश की प्रतिष्ठित कंपनियों से समन्वय कर रोजगार मेलों का आयोजन किया गया है और इनके माध्यम से जाब के लिए युवाओं का चयन किया गया है। इस अभियान में अब तक बालाघाट जिले के लगभग 04 हजार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है। 06 नवंबर को 150 बालिकाओं को टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में जाब के लिए बैंगलोर रवाना किया गया है। इसी कड़ी में 120 युवकों को 10 नवंबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट से प्रात: 09.30 बजे सारन-अहमदाबाद के लिए रवाना किया जाएगा। इन युवाओं का टाटा मोटर्स कंपनी में जाब के लिए प्लेसमेंट होने जा रहा है। इनमें से पात्रता रखने वाले युवाओं को कंपनी द्वारा जाब के साथ पालीटेक्निक का डिप्लोमा एवं बीटेक करने का अवसर भी दिया जाएगा। देश की प्रतिष्ठित कंपनी टाटा मोटर्स द्वारा चयनित इन युवाओं को लगभग 15 से 20 हजार रुपए का वेतन दिया जाएगा। कंपनी द्वारा युवाओं का पीएफ जमा करने के साथ ही भोजन एवं रहने की व्यवस्था भी की जाएगी।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री धुर्वे ने तिरोड़ी क्षेत्र में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण किया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जी एस धुर्वे ने 08 नवंबर को तिरोड़ी तहसील के अंतर्गत ग्राम कोसुंबा, कन्हड़गांव, अम्बेझरी, कुड़वा, गोरेघाट, बड़पानी, महकेपार का भ्रमण कर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एस आई आर)कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ द्वारा किए जा रहे गणना पत्रक वितरण कार्य को भी देखा और मतदाताओं के घर जाकर गणना पत्रक भरने के संबंध में चर्चा की और कहा कि गणना पत्रक सही जानकारी के साथ भरकर बीएलओ को देना है। यह काम 04 दिसंबर 2025 तक अनिवार्य रूप से करना है। गणना पत्रक में जानकारी भरने में किसी भी तरह की समस्या आने पर बीएलओ की मदद लें। अपर कलेक्टर श्री धुर्वे ने इन ग्रामों के बीएलओ को भी निर्देशित किया कि सभी मतदाताओं को गणना पत्रक का अनिवार्य रूप से वितरण करें । इस दौरान कटंगी एसडीएम श्री के सी ठाकुर भी मौजूद थे।

सूर्य बनकर अंधेरों पर जलते क्यूं नहीं

जराहमोहगांव कवि सम्मेलन में बांधा समां

पद्मेश न्यूज। कटंगी। जनपद की ग्राम पंचायत जराहमोहगाव में वर्षों से चले आ चले श्री राधा कृष्ण मंदिर मेला समिति के तत्वावधान में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम होते आ रहे हैं। इस वर्ष भी पांच दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न कार्यक्रम श्रोताओं के मनोरंजन के लिए आयोजित किए गए हैं। जहां सात नवम्बर को कवि सम्मेलन का आयोजन समिति के पदाधिकारी शारदा डहरवाल और सरपंच प्रतिनिधि योगेश डोंगरवार के द्वारा आयोजित किया गया जहां देश-प्रदेश के नामचीन कवियों ने हिस्सा लेकर अपनी कविताओं से कार्यक्रम शानदार कर दिया।इस कार्यक्रम में युवा और क्रांतिकारी कवि संजय अश्क के संयोजन और राष्ट्रीय कवि दिनेश देहाती के संचालन में शुरू हुए कवि सम्मेलन में सर्वप्रथम मां सरस्वती की वंदना की गई। तत्पश्चात बालाघाट के युवा कवि किशोर सागर की कविता अभी ईमान है जिंदा बड़े हम ठांठ वाले हैं, मोहब्बत भी सीखा देंगे हम बालाघाट वाले हैं।पर खूब तालियां बजीं। उसके बाद शैलेश इनायत के हास्य-व्यंग्य पर श्रोताओं ने खूब ठहाके लगाएं। मंडला के कवि राजेश ठाकुर की कविताओं ने खूब तालियां बटोरी। जबलपुर की कवयित्री प्रतिभा पटेल की श्रृंगार की कविताओं ने सबको दीवाना कर दिया। सिवनी के कवि मुकेश मनमौजी के हास्य पर श्रोताओं की खूब हंसी निकली। नागपुर के कवि रामवृक्ष गुप्ता के हास्य और कविताओं पर श्रोताओं ने अपार प्रेम दिया। गोंदिया की कवयित्री प्रियंका सजल की दिलकश कविताएं सबको बहुत भाई।जिले के युवा क्रांतिकारी कवि संजय अश्क के मुक्तक ईमान धर्म पर लोग चलते क्यों नहीं, सूर्य बनकर अंधेरों पर जलते क्यों नहीं। हेलमेट पर बोलते एसपी कलेक्टर, रेत घाट दारू ठेके पर बोलते क्यों नहीं।पर खूब वाहवाही और जमकर तालियां श्रोताओं के द्वारा प्रेम स्वरूप मिली।तन्हा नागपुरी की नागपुर की कविता दाल में रहा हूं न आटे में रहा हूं खूब सराही गई। कार्यक्रम का बेहतरीन संचालन करते दिनेश देहाती ने श्रोताओं को नोक-झोंक और कविताओं से खूब हंसाया और सामाजिक संदेश दिया।देर रात तक चले इस कार्यक्रम में क्षेत्र के विधायक गौरव सिंह पारधी,पुर्व सैनिक व जिप सदस्य शंकरलाल तांडेकर अवलेश पारधी, शारदा डहरवाल, योगेश डोंगरवार,भूमि दाता व समिति के सभी कार्यकारी सदस्य ग्रामवासी और आसपास के लोग मौजूद रहे।देर रात 3 बजे तक चले कवि सम्मेलन का श्रोताओं ने जमकर लुत्फ उठाया।अंत में सभी कवियों का आभार शारदा डहरवाल ने व्यक्त किया।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार म.प्र.ग्रामीण बैंक शाखा खैरलांजी की ओर से अधिकृत होकर और उनके निर्देशानुसार आप आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार बैंक से श्री सुरेश कुमार पिता दशाराम देव्हारे जाति तेली निवासी वार्ड नं.७ वारासिवनी तह: वारासिवनी जिला बालाघाट मध्य प्रदेश के द्वारा राशि ९००००० लाख रूपये का ऋण प्राप्त किया जा रहा है और लिये जा रहे ऋण में अपने एकमेव स्वामित्व व आधिपत्य की मौजा ग्राम सिवनी, प.ह.नं. २६/२/२८ रा.नि.मं.व तह: वारासिवनी जिला बालाघाट में स्थित खसरा नं. १०२/१/१३/३ रकबा ०.००६ हे. परिवर्तित भूमि जिसकी चतुर्सीमा पूर्व में नगर पालिका का रोड, पश्चिम में रामचंदानी की भूमि, उत्तर में सिद्धात देव्हारे का मकान व दक्षिण में ईश्वरी की दुकान स्थित है। को मेरी पक्षकार बैंक में साधारण बंधक द्वारा बंधक किया जा रहा है। अत: इस संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था या कार्यालय को आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सात दिनों के अंदर प्रस्तुत करें अन्यथा बाद में प्रस्तुत आपत्ति अमान्य होगी।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है

वारासिवनी-दिनांक ७/११/२०२५

मुकेश अग्रवाल
अधिवक्ता वारासिवनी

पीजी कॉलेज बालाघाट में अमृत काल के पंच प्रण विषय पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बालाघाट में 8 नवंबर को मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं 6 मप्र एन एन सी बटालियन बालाघाट के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल वी के गुप्ता के मार्गदर्शन में एन.सी.सी केडेट्स द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी प्रो पारस राम ठाकरे, प्रो आनंद सिंग पारधी मौजूद रहे । इस अवसर पर प्रो ठाकरे द्वारा बताया गया कि विकसित भारत के लिए हमें ऐसे प्रण लेने होंगे जिससे कि हम व्यक्तित्व विकास, पारिवारिक विकास के साथ राष्ट्र के विकास की नींव रख सके और अपने परिवार, संस्थान और राष्ट्र का गौरव बढ़ाकर कर विकसित राष्ट्र की संकल्पना को मजबूत कर सकेंगे। प्रो पारधी द्वारा पंच प्रण को राष्ट्रीय अभियान की संज्ञा दी और देश के उन वीरों और वीरांगनाओं को सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए हमें अमृत काल को साकार करने की आवश्यकता पर जोर देने की बात कहीं गई है। इस अभियान के तहत 2047 तक भारत के विकसित होने के लिए आवश्यक कर्तव्य के बारे में जानकारी दी। तथा देश के प्रति सजग रहने का सुझाव दिया । वंदे मातरम के 150 वी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एनसीसी कैडेट्स के द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया । जिसमें उत्कृष्ट पोस्टर बनाने के लिए जानवी बोहाने को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ । अंत में सभी कैडेट्स के द्वारा राष्ट्र गीत वंदे मातरम् की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन एनसीसी प्रभारी अधिकारी डॉ गजानन कटरे के द्वारा किया गया। सेमिनार में उपस्थित समस्त छात्र-छात्राएं अधिकारी कर्मचारियों का एनसीसी सीनियर अंडर अफसर शिवम नेवारे के द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

ऑटो पलटने से एक दर्जन से ज्यादा स्कूली बच्चे घायल

सीएम राईज स्कूल के 11 बच्चों का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार, 2 बच्चों को लगे टाँके, दो बच्चों को आई मामूली चोटे ,तीन-चार बच्चे स्वस्थ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शनिवार की सुबह नगर के उत्कृष्ट विद्यालय के सामने उस वक्त हड़कंप मच गया, जब स्कूली बच्चों को लेकर जा रही एक तेज रफ्तार ऑटो विद्यालय के सामने अचानक से पलट गई ।जहां ऑटो पलटने से ऑटो में सवार एक दर्जन से अधिक बच्चे घायल हो गए ,तो वही 2 से 3 बच्चों को मामूली चोटे आई हैं। जबकि उसी ऑटो में सवार 4 बच्चे स्वस्थ बताए गए है।उधर हादसे के तुरंत बाद अंबेडकर चौक में ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों ने मामले की सूचना तत्काल कोतवाली पुलिस को दी,सूचना मिलते ही मौके पर पहुची कोतवाली पुलिस ने इस हादसे में घायल सभी बच्चों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां 11 बच्चों का उपचार चल रहा है, तो वही 4 से 5 बच्चों को मामूली चोट आने पर उन्हें स्कूल पहुंचा दिया है। उधर हादसे के बाद बच्चों के परिजनों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

पुलिस ने ऑटो को किया जप्त, चालक से की जा रही पूछताछ, घटना के वक्त ऑटो में सवार थे 15 से अधिक बच्चे

घायल बच्चो में इनका शमावेश

ऑटो पलटने से ऑटो में सवार ग्राम कोसमी निवासी 5 वर्षीय मन्नत पिता अमन टांडेकर, कोसमी निवासी गीतेश पिता सूरज लिल्हारे(कक्षा दूसरी),सरेखा निवासी अकांशा पिता नरेश कावरे(कक्षा 5वी), वार्ड नं 19 सिंधी मोहल्ला निवासी महक पिता मुकेश यादव (कक्षा तीसरी), कोसमी निवासी गीतांश पिता रामचरण लिल्हारे,(केजी 2), कोसमी निवासी सार्थक पिता राकेश खोब्रागडे(केजी 1), सरेखा निवासी अनन्या पिता अरविंद भौतेकर(केजी 1),सरेखा निवासी चारु पिता चैतराम पंचेश्वर (कक्षा दूसरी), सरेखा निवासी आदर्श पिता चैतराम पंचेश्वर(केजी 1), सरेखा निवासी प्राची मरठे(कक्षा दूसरी), सरेखा वार्ड नं 5 निवासी अलीशा पिता प्रकाश बिसेन,(केजी 1), के नाम का शमावेश है।जबकि इसी सड़क हादसे में सरेखा वार्ड नं 5 निवासी फलक पिता राकेश बिसेन(केजी 1), और अर्चित पिता शक्ति प्रसाद मरठे(केजी 1) को मामूली चोट खरोच आई है।जबकि इसी सड़क हादसे में 3 से 4 बच्चे पूरी तरह स्वस्थ बताए गए है।

सीएम राईज स्कूल के है सभी बच्चे

इस सड़क हादसे में घायल सभी बच्चे सीएम राइस स्कूल के बताए गए हैं ,सभी बच्चे सरेखा कोसमी निवासी हैं जिनका जिला अस्पताल में उपचार जारी है उधर हादसे की सूचना मिलने पर सीएसपी वैशाली सिंह ने जिला अस्पताल पहुंचकर हालातो का जायजा लिया।फिलहाल सभी बच्चे खतरे से बाहर बताएं गए हैं। उधर पुलिस ने ऑटो को जप्त कर ग्राम नेतरा निवासी ऑटो चालक 50 वर्षीय रमेश पिता शंकर नगपुर को अभिरक्षा में लेकर, हादसे के संदर्भ में पूछताछ शुरू कर दी है।

नियम विरुद्ध अधिक सवारी, रफ्तार बताई जा रही हादसे की वजह

हालांकि यह हादसा क्यों और कैसे हुआ फिलहाल इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है, लेकिन इस हादसे की वजह नियम विरुद्ध अधिक सवारी भरना और तेज रफ्तार में ऑटो चलाना बताई जा रही है उधर इस हादसे पर गौर किया जाए तो यह बात स्पष्ट रूप से सामने आ रही है कि ऑटो चालक नियम अनुसार ऑटो का संचालन नहीं कर रहे हैं,जहां नियम विरुद्ध सीट से अधिक सवारियां भरी जा रही है,तो वहीं ऑटो में अधिक संख्या में स्कूली बच्चे बैठ जा रहे हैं, वही तेज रफ्ता ऑटो चलाने से यह हादसा होने की बात कही जा रही है।

ऑटो में 14 से 15 बच्चे थे सवार थे- प्रकाश

सरेखा निवासी अभिभावक प्रकाश बिसेन ने बताया कि हम घर पर थे,किसी का फोन आया कि बच्चों को स्कूल ले जा रहा ऑटो पलट गया है, उसमें आपके बच्चे घायल हो गए हैं, जिन्हें देखने के लिए हम जिला अस्पताल आए हैं। यहां करीब 12 बच्चों का उपचार किया जा रहा है, हादसे में 4 से 5 बच्चे पूरी तरह से स्वस्थ है, उन्होंने बताया कि सरेखा कोसमी को मिलकर उनके क्षेत्र से करीब 14 से 15 बच्चे ऑटो में रोजाना स्कूल आते जाते है। हादसे के वक्त भी इतने ही बच्चो ऑटो में सवार थे।

मामले में की जाएगी वैधानिक कार्यवाही, ओवरलोडेड ऑटो पर भी कसेंगे शिकंजा- वैशाली

नगर पुलिस निरीक्षक वैशाली सिंह ने बताया कि आज सुबह अंबेडकर चौक समीप बच्चों को स्कूल ले जा रहा एक ऑटो पलट गया, वहां हमारे पुलिसकर्मी ड्यूटी पर थे, जिन्होंने मामले की सूचना देते हुए स्वस्थ बच्चों को स्कूल पहुंचा दिया, वही बाकी बच्चों को उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर आए हैं। करीब दो बच्चों को टांके लगाए गए हैं, ऑटो को जप्त कर ऑटो चालक को थाने में बैठाया गया है, जिससे मामले को लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले में वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। ओवरलोडेड ऑटो को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ऑटो चालक तेज रफ्तार से ऑटो चलते हैं, खराब हालत में ऑटो चलते हैं या ओवरलोडेड ऑटो का संचालन होता है तो ऐसे ऑटो चालकों पर भी कार्रवाई की जाएगी, उन्होंने बताया कि पैसे बचाने के चक्कर में कई अभिभावक ओवरलोडेड ऑटो में बच्चों को आने जाने देते हैं, उन्हें भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए। फिलहाल नगर में जितने भी ऑटो का संचालन हो रहा है उन सभी की जांच की जाएगी, अनिमियता व नियम विरुद्ध ऑटो का संचालन होने पर उनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

गांव के पड़त बर्रा में गाय बैल चराने गई महिला से एक व्यक्ति ने की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बांधाटोला मुण्डघुसरी में पडत बर्रा में गाय बैल चराने के लिए गई एक महिला को एक व्यक्ति ने लकड़ी से मारपीट कर घायल कर दिया और पुन: गाय बैल चराने आने पर उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। बिरसा पुलिस ने भगवंतीन चौधरी पति हमी लाल चौधरी 55 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर देवलाल पिता फूल सिंह यादव के विरुद्ध इस महिला को मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भगवंतीन चौधरी अपने परिवार के साथ खेती किसानी का काम करती है। 8 नवंबर को दोपहर 2:00 बजे भगवतीन चौधरी अपने गाय बैल चराने के लिए गांव के डीमन धुर्वे के पढ़त बर्रा में ले गई थी और अपने गाय बैल चला रही थी। वहीं पास में देवलाल यादव का घर है। शाम 4:00 बजे करीब देवलाल यादव ने भगवंतीन चौधरी को बर्रा में गाय बैल चलते हुए देखा और भगवंतीन चौधरी के पास आकर बोला यहां बर्रा में गाय बैल क्यों चराती है और देवलाल यादव ने उसे गाय बैल बर्रा से ले जाने के लिए बोला और वह भगवंतीन चौधरी को अश्लील गालियां देने लगा। भगवंतीन चौधरी ने उसे गाली देने से मना करते हुए बोली की मैं तेरी जगह में गाय बैल नहीं चरा रही हूं। तभी देवलाल यादव ने भगवंतीन चौधरी को ज्यादा बोलती है कहकर पास में पड़ी लकड़ी उठाकर मारपीट करने लगा था। भगवंतीन चौधरी घबराकर अपने गाय बैल बर्रा में ही छोड़कर घर वापस जा रही थी तभी बस्ती में पहुंची थी कि देवलाल यादव पीछे से आया और भगवंतीन चौधरी को गालियां देते हुए उसे लकड़ी और हाथ बुक्के से मारपीट कर उसे धकेल कर जमीन में गिरा दिया। भगवंतीन चौधरी के चिल्लाने पर गांव मोहल्ले के लोग दौड़े और बीच बचाव किये। इसके बाद देवलाल यादव ने जाते-जाते भगवंतीन चौधरी को बर्रा में गाय बैल चराने लाने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। मारपीट में घायल भगवंतीन चौधरी अपने बेटे और गांव वालों के साथ रिपोर्ट करने के लिए बिरसा थाना पहुंची। बिरसा पुलिस ने मारपीट में घायल भगवंतीन चौधरी का इलाज बिरसा के अस्पताल में करवाये और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर देवलाल पिता फूलसिंह यादव बांधा टोला मुण्डघुसूरी निवासी के विरुद्ध भगवंतीन चौधरी को मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

जनपद सदस्य प्रतिनिधि ने उठाए किसानों और ग्रामीणों के मुद्दे

धान का समर्थन मूल्य और मुआवजा दिये जाने की सरकार से रखी मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मुकेश माहुले ने स्थानीय सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता आयोजित कर अपने क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को उठाया। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र में अवैध रेत खनन लगातार जारी है, जिससे ग्रामीणों को रेत उचित दामों पर नहीं मिल रही है। शासन से मकान स्वीकृत हितग्राहियों को भी रेत ऊंचे दामों पर खरीदनी पड़ रही है। माहुले ने बताया कि बीते दिनों हुई भारी बारिश के कारण किसानों की धान की फसल को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन अब तक उन्हें मुआवजा नहीं मिला। उन्होंने धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये प्रति क्विंटल तय करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि यदि किसानों की प्रमुख मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया, तो वे अपने क्षेत्र के किसानों के साथ जिला मुख्यालय पहुंचकर उग्र आंदोलन करेंगे।

8 नवंबर को स्थानीय सर्किट हाउस में जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मुकेश माहुले ने क्षेत्र से जुड़ी कई गंभीर समस्याओं को मिडिया के सामने रखा । इस दौरान उन्होंने किसानों, हितग्राहियों और ग्रामीणों से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रशासन और सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। माहुले ने कहा कि उनके क्षेत्र में अवैध रेत खनन खुलेआम जारी है। इसके चलते ग्रामीणों को निर्माण कार्य के लिए रेत उचित दामों पर नहीं मिल पा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बड़ी संख्या में हितग्राहियों के मकान स्वीकृत हुए हैं, लेकिन रेत महंगी होने के कारण वे निर्माण कार्य पूरा नहीं कर पा रहे हैं। कुछ लोगों को मजबूरन ऊंचे दामों पर रेत खरीदनी पड़ रही है, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से नुकसान झेलना पड़ रहा है। उन्होंने इस मामले में प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। जनपद सदस्य प्रतिनिधि ने किसानों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बीते दिनों हुई भारी वर्षा से क्षेत्र में सैकड़ों किसानों की धान की फसल पूरी तरह खराब हो गई है। इसके बावजूद अब तक उन्हें कोई मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने संबंधित विभाग से शीघ्र सर्वे कर किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की। माहुले ने सरकार के वादों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय भाजपा सरकार ने किसानों से वादा किया था कि उन्हें धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये प्रति क्विंटल दिया जाएगा, लेकिन आज तक वह वादा पूरा नहीं हुआ। किसान अपनी मेहनत की उपज को बहुत कम दामों पर बेचने को मजबूर हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और कमजोर होती जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि इस बार सरकार ने धान खरीदी का जिम्मा एफसीआई को सौंपा है। एफसीआई केवल मानक गुणवत्ता की धान ही खरीदेगा, जबकि अधिकांश किसानों के पास छोटी-मोटी त्रुटियों वाली धान है। यदि यह व्यवस्था रही, तो हजारों किसान अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए, ताकि किसानों को नुकसान से बचाया जा सके। माहुले ने प्रशासन और सरकार से मांग की कि किसानों के हित में ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि किसानों की प्रमुख मांगों मुआवजा वितरण, समर्थन मूल्य निर्धारण और रेत की उचित दरों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो वे अपने क्षेत्र के किसानों के साथ जिला मुख्यालय पहुंचकर उग्र आंदोलन करेंगे।

शहरों में बनाए जाएंगे आवारा श्वानों के लिए सेंटर

श्वानों को पकड़कर सुरक्षित रखेगी नपा. भोजन और इलाज की भी सेंटर में रहेंगी व्यवस्था

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर में घूमने वाले आवारा श्वानों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने प्रदेश सहित सभी जिलों में इस आदेश को तत्काल लागू किए जाने के निर्देश दिए हैं। अब नगर पालिका नगरीय क्षेत्र में आवारा श्वानों के लिए एक विशेष सेंटर का निर्माण करेगी। इस सेंटर में उन श्वानों को पकड़कर सुरक्षित रखा जाएगा जो सड़कों पर घूमते हैं और आमजन को परेशान करते हैं। इसके लिए बाकायदा अलग से बजट भी जारी किया जाएगा। सेंटर में श्वानों की पूरी सुरक्षा, भोजन और देखरेख की व्यवस्था रहेगी। नगर पालिका के संबंधित शाखा के अधिकारी ने बताया कि आदेश प्राप्त होने के बाद नगर पालिका अब इस दिशा में कार्य योजना बनाने में जुट गई है ताकि जल्द ही इस व्यवस्था को शहर में लागू किया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने आवारा श्वानों से हो रही मौतों और बढ़ते मामलों को देखते हुए एक अच्छा फैसला सुनाया है। अदालत ने प्रदेश सहित देश के सभी जिलों की नगरीय निकायों को आदेश दिया है कि वे अपने-अपने नगरीय क्षेत्रों में श्वान सेंटर का निर्माण करें। इन सेंटर्स में शहरों की सड़कों, सार्वजनिक स्थलों, स्कूलों, कॉलेजों और बस स्टैंडों पर घूमने वाले आवारा श्वानों को पकड़कर सुरक्षित रखा जाएगा। इन सेंटर्स के संचालन, भोजन, सुरक्षा और देखरेख के लिए नगरीय प्रशासन द्वारा अलग से बजट जारी किया जाएगा। आदेश के तहत किसी भी आवारा श्वान के साथ अमानवीय व्यवहार नहीं किया जाएगा, बल्कि उन्हें उचित भोजन, इलाज और देखभाल के साथ रखा जाएगा ताकि शहरों में पशु के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हो सके। इस फैसले के बाद शहर में कई लोगों ने कोर्ट के निर्णय का स्वागत किया है। नागरिकों का कहना है कि यह फैसला न केवल आमजन के लिए राहत देने वाला है बल्कि पशु कल्याण की दृष्टि से भी सराहनीय है। इधर, नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष योगराज लिल्हारे ने भी कोर्ट के इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से नगर पालिका क्षेत्र में आवारा श्वानों का आतंक लगातार बढ़ रहा था, जिससे लोगों में भय और असुरक्षा की भावना थी। उन्होंने बताया कि बीते दिनों नगर पालिका द्वारा आवारा श्वानों के लिए अस्थायी व्यवस्था की गई थी, लेकिन वह ज्यादा दिनों तक प्रभावी नहीं रह सकी और स्थिति फिर से पहले जैसी हो गई। योगराज लिल्हारे ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश नगरवासियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नगर पालिका अब इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी और आवारा श्वानों की देखभाल के लिए स्थायीय सेंटर का निर्माण करेगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस व्यवस्था में श्वान प्रेमियों की भावनाओं का भी पूरा ध्यान रखा गया है , सेंटर में उनके अनुरूप देखभाल और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस फैसले से एक ओर जहां आम जनता को सड़कों पर घूमने वाले आवारा श्वानों से राहत मिलेगी, वहीं दूसरी ओर पशु संरक्षण के क्षेत्र में यह कदम एक मानवीय पहल के रूप में देखा जा रहा है।

मुख्य बिंदु

- निर्देश आदेश का तत्काल पालन किया जाए
- हर नगर पालिका में बनेगा श्वान सेंटर
- आवारा श्वानों को पकड़कर रखी जाएगी सुरक्षा व्यवस्था
- सेंटर संचालन के लिए जारी होगा अलग बजट
- नगर पालिका ने योजना बनाना शुरू किया

टीम गठित कर ली गई है - अजेन्द्र

जब हमारे द्वारा इस पूरे विषय को लेकर नगर पालिका बालाघाट के स्वच्छता प्रभारी अजेन्द्र सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि बीते दिनों आवारा श्वानों को पकड़कर रेबीज के इंजेक्शन लगाकर, जहां से लाया गया था वहीं छोड़ दिया गया था। अब एक बार फिर नगरीय प्रशासन से उन्हें निर्देश प्राप्त हुए हैं। इन निर्देशों पर काम करने हेतु टीम गठित कर ली गई है और जल्द ही शहर में आवारा श्वानों के लिए मिले निर्देशों के अनुसार व्यवस्था बनाई जाएगी।

राष्ट्रीय व्हॉलीबॉल प्रतियोगिता में लांजी की क्रिस्टी कोठारे का चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लांजी क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हर वर्ग या हर क्षेत्र में लांजी के छात्र-छात्राओं के द्वारा अपना लोहा मनवाया गया है। बीते कुछ समय की बात की जाये तो लांजी क्षेत्र से यूपीएससी, एमपी पीएससी, एमबीबीएस, नेट, आई आई टी, न्यायाधीश सहित अनेको क्षेत्रो में आपको लांजी के होनहार छात्र- छात्राआएें नजर आयेंगे। इसी कडी में लांजी के छात्र-छात्राओं ने खेल में भी अपना परचम लहराया है तथा स्टेट से लेकर अन्तराष्ट्रीय स्तर तक भी आपको लांजी के छात्र छात्राऐें नजर आयेंगे।

इसी कडी में लांजी की एक बेटी ने व्हॉलीबॉल खेल में अपना लोहा मनवाते हुये राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होकर लांजी सहित जिले का नाम रोशन किया है। बतादे कि लांजी के शासकीय उत्कृष्ट में कक्षा बारहवीं की साईस ग्रुप की छात्रा कु क्रिष्टी कोठारे पिता युवराज कोठारे निवासी लांजी जिसका चयन राष्टीय स्तर पर व्हॉलीबाल प्रतियोगिता आयु वर्ग 19 में हुआ है। जो कि 13 से 17 नवंबर के मध्य नरसिंहपुर जिले के गाडरवाड़ा तहसील में आयोजित होगा। जहां सभी राष्ट्रीय स्तर की टीमें प्रतिभागिता करेगी। क्रिष्टी कोठारे जो कि एक होनहार छात्रा तथा उत्कृष्ट व्हालीबॉल खिलाडी है जो कि शहीद भगत सिंह स्पोटर्स एकेडमी के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। तथा इसी स्पोटर्स क्लब के मार्गदर्शन में सर्वप्रथम आपने जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता लालबर्रा में चयनित हुई, इसके पश्चात संभाग स्तर पर नरसिंहपुर में प्रथम स्थान प्राप्त तथा राज्य स्तर पर गाडरवाडा में आयोजित प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर राष्टीय स्तर पर चयनित हुई है।

आगामी 13 से 17 नवंबर को राष्टीय स्तर पर गाडरवाडा में आयोजित प्रतियोगिता में क्रिष्टी कोठारे प्रतिभागिता करेगी। आपके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन में विद्यालय के प्राचार्य दुर्गेश फुल्लारे, शाला परिवार, परिजनों, शहीद भगत सिंह स्पोटर्स एकेडमी के प्रशिक्षक प्रज्ञात वासनिक सहित समस्त एकेडमी के सदस्यों ने क्रिष्टी कोठारे को बधाई प्रेषित करते हुये कहां कि आप इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करे ताकि आपका चयन अन्तर्राष्टीय स्तर पर हो और आप लांजी क्षेत्र एवं जिले का नाम पूरे भारत देश में रोशन करे।

कांम्पलेक्स आवंटन में देरी से दुकानदारों में आक्रोश

बेरोजगार युवाओं और दुकानदारों ने जल्द शापिंग काम्पलेक्स के कमरों की नीलामी करने की शासन-प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग पर करीब 3 वर्ष पूर्व प्रशासन के द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई थी और इस अतिक्रमण कार्यवाही के चलते एक दर्जन से अधिक दुकानदारों की दुकानों को भी जमींदोज कर दिया गया था। जिससे सभी दुकानदार बेरोजगार हो गये थे और प्रशासन से अन्य स्थान पर कमरें बनाकर देने की मांग की गई थी। वहीं करीब दो माह तक इस अतिक्रमण कार्यवाही के खिलाफ में व्यापारी एवं दुकानदारों के द्वारा धरना प्रदर्शन भी किया था। जिसके बाद प्रशासन के द्वारा जिन लोगों की दुकानें तोड़ी गई थी उन्हे आश्वास्त किया था कि शॉपिंग काम्पलेक्स बनाकर कमरे दिये जायेगें। शासन के द्वारा लाखों रूपयों की लागत से आरईएस विभाग के माध्यम से हाई स्कूल मार्ग विश्राम गृह के समीप शॉपिंग काम्पलेक्स का निर्माण कर 15 कमरे बनाये गये है। जो करीब डेढ़ वर्ष पूर्व बनकर तैयार हो चुका है लेकिन अब तक कमरों की नीलामी (आवंटन) नही की गई है। जिसके कारण यह काम्पलेक्स सिर्फ नगर की शोभा बढ़ा रही है। इस तरह से काम्पलेक्स बनकर तैयार होने के बाद भी दुकानदार फुटपाट पर है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कमरों को आवंटित करवाने हेतु कोई पहल नही किया जा रहा है। जिससे कमरों की देख-रेख भी नही हो पा रही है, ऐसी स्थिति में लाखों रूपयों की लागत से बने काम्पलेक्स के कमरे जल्द खराब हो सकते है। स्थानीय दुकानदार एवं बेरोजगार युवाओं ने शासन-प्रशासन से हाई स्कूल मार्ग पर बने काम्पलेक्स के कमरों की जल्द आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर कमरे दिये जाने की मांग की है।

कमरे आवंटित होने पर बेरोजगारों को मिलेगा रोजगार

आपकों बता दें कि नगर मुख्यालय के व्यस्तम हाई स्कूल मार्ग से करीब 3 वर्ष पूर्व प्रशासन के द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई थी। जिसमें दुकानदारों ने भी सहयोग किया था और दुकानदारों से कहा गया था कि टू वे सीसी सड़क नाली का निर्माण करने के बाद शेष स्थान पर शॉपिंग काम्पलेक्स का निर्माण किया जायेगा। जिसके बाद आरईएस विभाग के द्वारा सीसी सड़क, नाली के साथ ही काम्पलेक्स का भी निर्माण किया गया है जो डेढ़ वर्ष पूर्व बनकर तैयार हो चुका है। लेकिन अब तक प्रशासन के द्वारा शॉपिंग कॉम्पलेक्स में बने कमरों की नीलामी नहीं की गई है। वहीं जिन लोगों की अतिक्रमण कार्यवाही के चलते दुकानें तोड़ी गई थी उन्हे पूर्व में शॉपिंग काम्पलेक्स बनने पर कमरे दिये जाने के आश्वासन दिये गये थे परन्तु अब तक व्यापार करने एवं दुकान लगाने के लिए कमरे नही मिलने से उन दुकानदारों को भी खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और कुछ लोग रोड़ किनारे बॉस, बल्ली एवं पॉलीथिन लगाकर अपना व्यवसाय कर रहे है परन्तु व्यापार ठीक नही चलने पर उन्हे जीविकापार्जन करने में खासा परेशानी हो रही है। साथ ही लंबे समय से स्थानीय दुकानदारों एवं बेरोजगार युवाओं के द्वारा शासन-प्रशासन ने हाई स्कूल मार्ग, विश्राम गृह के समीप बने शॉपिंग काम्पलेक्स की नीलामी प्रक्रिया शुरू कर कमरे आबंटित किये जाने की मांग की जा रही है परन्तु प्रशासन के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे शासन-प्रशासन के प्रति सभी में आक्रोश व्याप्त है।

जर्जर हो रहे है कमरे - शहिद

शहीद मोह. अंसारी ने बताया कि हाई स्कूल मार्ग और मंडी में बने कॉम्पलेक्स लंबे समय से खाली पड़े हैं, सिर्फ नगर की शोभा बढ़ा रहे है, जिनकी शटरें जंग खा रही है एवं देख-रेख के अभाव में कमरे जर्जर होने लगी है। जबकि प्रशासन को काम्पलेक्स में बने कमरों को जल्द आवंटित कर देना चाहिए नही तो लाखों रूपयों की लागत से बने काम्पलेक्स जल्द खराब हो जायेगें।

सड़क किनारे बिना सुविधा के लगा रहे है दुकान - संदीप

संदीप पशीने ने बताया कि करीब 3 वर्ष पूर्व जनपद पंचायत द्वारा आवंटित 40 वर्ष पुरानी दुकानों को अतिक्रमण बताकर तोड़ दी गई थी। जिसके बाद प्रशासन के द्वारा लगभग 15 कमरों का एक काम्पलेक्स का निर्माण किया गया है जो करीब डेढ़ वर्ष पूर्व बनाकर तैयार हो चुका है लेकिन अब तक नीलामी की प्रक्रिया नही की गई है। साथ ही पुराने दुकानदार नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए हमें किराये पर दुकानें आवंटित की जाये। वर्तमान में हम लोग सड़क किनारे बिना सुविधा के दुकान लगाकर अपना व्यापार कर जीविकापार्जन कर रहे है।

अधिकारियों की मनमानी और विधायक की निष्क्रियता से अधुरी पड़ी है आवंटन की प्रक्रिया - प्रसन्न

भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने बताया कि नगर मुख्यालय में काम्पलेक्स का निर्माण किया गया है, लेकिन अब तक आवंटन नही हो पाया है। ऐसी स्थिति में दुकानदारों को विवश होकर फुटपाथ पर दुकाने लगानी पड़ रही है। साथ ही यह भी बताया कि अधिकारियों की मनमानी और क्षेत्रीय विधायक की निष्क्रियता के चलते मंडी काम्पलेक्स एवं हाई स्कूल मार्ग में बने काम्पलेक्स का आवंटन की प्रक्रिया अधुरी पड़ी हुई है। श्री अवधिया ने बताया कि काम्पलेक्स का निर्माण पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन के सहयोग से पूरा हुआ है, लेकिन विधायक बदलने के बाद से क्षेत्र में कोई विकास कार्य नही हो पा रहे है एवं दुकानों का आवंटन भी नही हो पा रहा है। वर्तमान विधायक को इस विषय को गंभीरता से लेते हुए काम्पलेक्स में बने कमरों को नियमानुसार आवंटित करवाने की दिशा में पहल करनी चाहिए।

दुकानदारों को जल्द आवंटित की जाये दुकानें - रवि

व्यापारी रवि अग्रवाल ने बताया कि करीब 3 वर्ष पहले पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन जी के द्वारा दुकानदारों को आश्वासन देकर लालबर्रा में विकास की बात को लेकर हाई स्कूल रोड़ में स्थित दुकानों को अतिक्रमण कार्यवाही कर हटाया गया था और कहा गया था कि काम्पलेक्स का निर्माण कर कमरे दिये जायेगें। उसके बाद काम्पलेक्स का निर्माण भी किया गया है जहां करीब 15 से अधिक कमरे बनकर तैयार है एवं मंड़ी काम्पलेक्स भी में 100 से अधिक कमरे बने हुए है। लेकिन अब तक दुकानदारों को आवंटित नही की गई है। श्री अग्रवाल ने बताया कि आरईएस विभाग के द्वारा जो काम्पलेक्स का निर्माण किया गया है यह जनपद व पंचायत के अंदर है इसकी जानकारी नही है। लेकिन प्रशासन से मांग है कि मंडी काम्पलेक्स एवं हाई स्कूल मार्ग पर बने काम्पलेक्स में बने कमरों को जल्द आवंटित कर दुकानदारों को दिया जाये जिससे नगर का व्यापार भी बढेगा और सुन्दरता भी बढ़ेगी।

धान खरीदी को लेकर भ्रम फैलाने वालों पर कार्यवाही करें प्रशासन - अवधिया

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में बताया कि किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलवाने एवं उन्हें दलालों व बिचौलियों के शोषण से बचाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के व्यापक इंतजाम किये गये है। बालाघाट जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए कलेक्टर द्वारा 185 खरीदी केन्द्रों का निर्धारण कर दिया गया है। जिनमें से 68 केन्द्र गोदाम स्तर पर और 117 केंद्र समिति स्तर पर खोले जायेगें एवं समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 2369 रूपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी जायेगी। श्री अवधिया ने बताया कि समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 1 दिसंबर से शुरू होगी एवं 20 जनवरी 2026 तक खरीदी जायेगी और लालबर्रा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के अंतर्गत आने वाली सेवा सहकारी समिति घोटी, सिहोरा, पाथरसाही, नेवरगांव-ला, बहेगांव, डोकरबंदी, खमरिया, टेंगनीकला, बल्हारपुर, पलाकामथी, गारापुरी, साल्हे, कंजई, जाम, छिंदलई में धान खरीदी का केन्द्र बनाया गया है। साथ ही यह भी बताया कि धान खरीदी को लेकर भ्रम फैलाने वालों पर प्रशासन कार्यवाही करें क्योंकि कुछ लोग समर्थन मूल्य में सरकार धान नही खरीदेगी बोलकर क्षेत्र में किसानों के बीच में भ्रम फैलाने का कार्य रहे है। ऐसे लोगों से किसान सावधान रहे, भाजपा सरकार किसानों की हर समस्या में उनके साथ खडी है और उनकी उपज को समर्थन मूल्य में खरीदी करेगी। श्री अवधिया ने किसानों से अपील की है कि 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य में धान खरीदी प्रारंभ होने वाली है और 40 किलो 700 से 800 ग्राम तक ही धान देना है एवं किसानों को हमाली न करने की अपील की है।

मिरेगांव सेवा सह. स. के सहायक प्रबंधक शेषकुमार बिसेन को मातृशोक, अंत्येष्टि आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर ग्राम पंचायत मिरेगांव स्थित सेवा सहकारी समिति में पदस्थ सहायक प्रबंधक शेषकुमार बिसेन की माताश्री 80 वर्षीय श्रीमती नीलनबाई बिसेन का 8 नवंबर को दोपहर में हद्‌यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 9 नवंबर को प्रात: 11 बजे स्थानीय मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया जायेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार मिरेगांव सेवा सहकारी समिति के सहायक प्रबंधक शेषकुमार बिसेन की माताश्री नीलनबाई बिसेन कुछ दिनों से अस्वस्थ थी, जिनका शनिवार को अचानक तबियत खराब होने एवं हद्‌यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। निधन की खबर लगते ही चित-परिचितों एवं परिजनों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। स्व. नीलनबाई बिसेन सरल, स्वभाव एवं मृदुभाषी के धनी थी, अपने पीछे पति चुन्नीलाल बिसेन, तीन पुत्र नारायण बिसेन, कृष्णकुमार बिसेन, शेषकुमार बिसेन, पुत्रवधु, एक पुत्री सहित भरापूरा परिवार छोड़कर चले गई है। जिनका अंतिम संस्कार रविवार को प्रात: 11 बजे मिरेगांव स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया जायेगा।

प्रसुता महिला के लिए देवदूत साबित हुए समाजसेवी कैलाश अग्रवाल

श्री अग्रवाल ने 35 वीं बार किया रक्तदान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। रक्त की एक-एक बूंद अनमोल है, इसका अहसास तब होता है जब आपात स्थिति में इसकी आवश्यकता होती है। इसलिए जब भी मौका मिले, तो रक्तदान अवश्य करें- उक्त पंक्तियो को चरितार्थ किया है लालबर्रा नगर के अग्रवाल मिष्ठान भंडार के संचालक, माँ सरस्वती महोत्सव संरक्षक एवं युवाओं के प्रेरणास्त्रोत समाजसेवी कैलाश अग्रवाल ने जहां उन्होंने शनिवार को जिला मुख्यालय में स्थित ब्लड बैंक में एक प्रसुता महिला की मदद के लिए रक्तदान किया है। आपकों बता दे कि प्रसव के दौरान डॉक्टरों ने एक गर्भवती महिला के पति को 3 यूनिट रक्त की आवश्यकता के संबंध में अवगत करवाया। जिसके बाद 2 यूनिट ब्लड की व्यवस्था हो जाने के पश्चात तीसरी यूनिट के संबंध में एक निजि समारोह में समाजसेवी कैलाश अग्रवाल की पत्रकार मतीन रजा की शिष्टाचार भेंट हुई। जिस पर उन्होने उन्हे ब्लड की आवश्यकता के संबंध में अवगत करवाया और श्री अग्रवाल रक्तदान करने के लिए तैयार हो गये। जिसके बाद एक बार फिर उन्होने इंसानियत की मिसाल पेश की और उक्त महिला के लिए देवदूत साबित हुए। ब्लड डोनेट करने के बाद समाजसेवी, माँ सरस्वती महोत्सव समिति लालबर्रा के संरक्षक कैलाश अग्रवान ने बताया कि मैंने इस बार 35 वीं बार रक्तदान किया है और युवा जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए आगे कर रक्तदान करें। रक्तदान करने से शरीर में किसी भी तरीके से कोई कमजोरी नही आती है। रक्तदान एक महादान है जिससे दुसरे की जान बचाई जा सकती है।

पोटियापाट धाम वैनगंगा तट पर 15 दिवसीय मेला जारी

श्रध्दालुजन पहुंचकर पोटियापाट बाबा की पूजा अर्चना कर प्राप्त कर रहे आशीर्वाद

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बम्हनी के आगे समनापुर मार्ग स्थित वैनगंगा नदी के तट पर पोटियापाट बाबा का कार्तिक पुर्णिमा से 15 दिवसीय मेला प्रारंभ हो चुका है और क्षेत्रीय श्रध्दालुजन पहुंचकर वैनगंगा नदी में स्नान, विभिन्न पकवान बनाकर पोटियापाट बाबा की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। चर्चा में फागुराम तुमसरे ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के दुसरे दिन से पोटियापाट धाम वैनगंगा तट पर 15 दिवसीय मेला शुरू हो चुका है और यह मेला दिन में लगता है जहां क्षेत्रीयजन पहुंचकर वैनगंगा नदी में स्नान कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। श्री तुमसरे ने बताया कि ग्रामीण अंचल के पूर्वज नागरिकों के द्वारा ज्ञात हुआ है कि ग्राम ददिया के श्री तिड़के परिवार के सदस्य को रात्रिकालीन समय में स्वप्न आया था कि वैनगंगा नदी में जो पत्थरनुमा पिंडी की आकृति बनी है उसकी आप पूजा अर्चना कर 15 दिन का मेला लगाईयें मैं आपकी हर मनोकामना पूर्ण करूंगा। जिसके बाद ग्राम के नागरिकगणों के साथ मिलकर उस पत्थरनुमी पिंडी की पूजा अर्चना कर 15 दिनों का मेला लगाने का संकल्प लिया गया। जब से प्रतिवर्ष कार्तिक पुर्णिमा के दुसरे दिन से पोटियापाट वैनगंगा तट पर 15 दिनों का मेला लग रहा है। श्री तुमसरे ने बताया कि इस 15 दिवसीय मेले में दूर-दूर से धर्मप्रेमी बैलगाड़ी, मोटरसाइकिल, चौपहिया वाहन एवं अन्य साधन से आ रहे है और वैनगंगा मैय्या की पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। साथ ही मन्नत की कढ़ाई भी लेकर आते है जिनके द्वारा विभिन्न पकवान बनाने के बाद पोटियापाट बाबा की पूजा अर्चना कर बनाये गये पकवान का परिवार एवं रिस्तेदारों के साथ सेवन कर वापस होते है और यह वैनगंगा तट पोटियापाट बाबा का स्थान एक धार्मिक स्थल बन चुका है। साथ ही यह भी बताया कि पोटियापाट बाबा के निकट वैनगंगा तट पर विशाल शिव मंदिर स्थापित है जो आस्था का केन्द्र बना हुआ है एवं दुसरी ओर छायादार उपवन है जिसकी हरियाली का सौंदर्य लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। श्री तुमसरे ने बताया कि ग्राम पंचायत बम्हनी एवं ददिया मेला समिति व ग्रामीणजनों के द्वारा 15 दिवसीय मेला आयोजित किया गया है जो निरंतर जारी है और क्षेत्रीयजन पहुंचकर वैनगंगा नदी स्थित पोटियापाट बाबा की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे है।

खोगाटोला मोहगांव ध. में दुय्यम महिला शायरी आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी दूर ग्राम पंचायत मोहगांव ध. के अंतर्गत आने वाले ग्राम खोगाटोला में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 9 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में मेला उत्सव समिति के पदाधिकारीहीरालाल नगपुरे ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के पंचमी पर 9 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। जिसमें ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से दुय्यम महिला शायरी का आयोजन किया गया है। जिसमें महिला शायर श्रीमती गीता उपवंशी खोगाटोला (मोहगांव ध) एवं श्रीमती श्यामा सोनी ग्राम सालेटेका के द्वारा अपने साथी कलाकारों के साथ मिलकर सुमधुर स्वरों में शायरी की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील मेला उत्सव समिति खोगाटोला (मोहगांव ध) के पदाधिकारी, सदस्यगण एवं ग्रामीणजनों ने की है।

मांसाहारी और शाकाहारी वन्यजीवों की गिनती की तैयारियां शुरू

चार साल में एक बार होने वाली बाघों की गणना में पहली बार चीते भी शामिल

भोपाल ।एजेंसी। हर चार साल में होने वाली बाघ गणना में इस बार चीते भी गिनती में शामिल किए गए हैं। बाघ गणना के दौरान मांसाहारी और शाकाहारी दोनों प्रकार के वन्यजीवों की गणना होगी। यह गणना 3 चरणों में होगी, जो इस साल नवम्बर से शुरू होकर अगले साल अप्रैल तक सारे देश में जारी रहेगी। वन अधिकारियों के अनुसार मध्यप्रदेश में वर्तमान में कुल 27 चीते हैं, जिनमें कूनो राष्ट्रीय उद्यान में 25 और गांधी सागर अभयारण्य में 2 चीते शामिल हैं। इन 27 चीतों में भारत में जन्मे शावक भी शामिल हैं। यह संख्या नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों और उनके बाद कूनो में चीतों की आबादी लगातार बढ़ रही है.।

अगले साल भी जारी रहेगी वन्यजीवों की गणना

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार हर जिले में वन्यजीवों की गणना में सात दिन चलेगी। तीन दिन मांसाहारी और तीन दिन शाकाहारी वन्यजीवों की गणना होगी। एक सप्ताह चलने वाली गणना में एक दिन छुट्टी रहेगी। 3 चरणों में होने वाली गणना के दौरान अलग -अलग चरण में अलग-अलग तरीके से उनकी मौजूदगी के प्रमाण जुटाए जाएंगे। एक चरण में वन्यजीवों के पगमार्क (पदचिह्न), पेड़ों पर उनके पंजों के नाखूनों की खरोंच, वन्यजीव द्वारा किए गए शिकारों के अवशेष, जिसे वन विभाग की भाषा में गारा बोलते हैं, वन्यजीवों की विष्ठा, जिसे मल या पोट्टी कहते हैं, के अलावा उनके बाल यह सारे प्रमाण संकलित किए जाएंगे। इसके अलावा दूसरे चरण में प्रत्यक्ष देखने संबंधित प्रमाण और तीसरे चरण में कैमरे लगाकर तस्वीरे संकलित कर उनके साक्ष्यों के मिलान किए जाएंगे। यह गणना के चरण अलग-अलग जिलों में पहले या बाद में किए जा सकते हैं। जैसे 15 नवंबर खंडवा जिले में हर 2 वर्ग किलोमीटर पर 2 कैमरे 100 वर्ग किलोमीटर लगाए जाएंगे।

पंचायतों में 85 दिन बाद भी उपयंत्रियों की हड़ताल जारी

पंचायतो के निर्माण कार्य हुए अवरुद्ध आम जनजीवन हो रहा प्रभावित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायतों में मनरेगा उपयांत्रियों के हड़ताल पर जाने से सारा विकास कार्य अवरुद्ध पड़ा हुआ है। पंचायत में निवासरत ग्रामीणों को इस हड़ताल के कारण कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि मनरेगा उपन्यत्री अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। इन उपयांत्रियों को हड़ताल पर गए ८५ दिन बीत चुके हैं परंतु आज भी हड़ताल निरंतर जारी है,जिसका प्रभाव पंचायतों में आसानी से देखा जा रहा है। यही कारण है कि ग्राम में कोई नया कार्य स्वीकृत नहीं हो पा रहा है तो वहीं पूर्व के किए गए कार्यों का मूल्यांकन ना होने से वह कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं ऐसे में सभी कार्य अवरुद्ध पड़े हुए हैं।

१६ अगस्त से हड़ताल पर है उपयंत्री

विदित हो की मनरेगा उपयंत्री संघ अपनी संविदा की समय सीमा बढ़ाने वहीं दिए जा रहे वेतन को पे स्केल में लाने जैसी विभिन्न मांगों को लेकर १६ अगस्त से हड़ताल पर चले गए थे। जिसमें उनके द्वारा प्रथम चरण में १० दिवसीय सामूहिक अवकाश लिया गया था इसके बाद उनके द्वारा २६ अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की घोषणा कर दी गई। ऐसे में वर्तमान तक सभी मनरेगा उपयंत्री हड़ताल पर चल रहे हैं ,जिससे पंचायत में बीते दिनों हुई मूसलाधार बारिश के कारण मनरेगा के विभिन्न कार्य जैसे सड़क कट जाना नाली सफ ाई नई नाली निर्माण पानी निकासी की व्यवस्था जैसे विभिन्न कार्य ढप पड़े हुए हैं। क्योंकि उक्त कार्य का एस्टीमेट एवं प्रकरण उपयात्रियों के द्वारा तैयार किया जाना है जिसके बाद स्वीकृति प्राप्त होगी। परंतु हड़ताल पर उपयंत्री होने से वह कार्य का स्टीमेट या प्रकरण तैयार नहीं कर पा रहे हैं। तो वहीं ग्राम स्तर पूर्व में स्वीकृत कार्य भी अधूरे पड़े हुए हैं या पूर्ण होने पर भी उनकी राशि नहीं निकल पाई है क्योंकि कार्यों का मूल्यांकन नहीं हो पाया है। इससे पंचायत के साथ ग्राम के मजदूर और किसान सभी के साथ समस्याएं बनी हुई है हर कोई ग्रामीण प्रभावित हो रहा है। इस परिस्थिति में हर किसी के द्वारा शासन प्रशासन से युक्त हड़ताल को समाप्त करवाने या इसमें वैकल्पिक व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जा रही है।

उपयंत्री के हड़ताल से सरपंच सहित आम जनता परेशान है-जितेंद्र

सरपंच प्रतिनिधि जितेंद्र नगरगड़े ने बताया कि ग्राम पंचायत में उपयंत्री एक अहम कड़ी होता है। उसके हड़ताल पर चले जाने से लग रहा है पूरी पंचायत शिथिल पड़ गई है। कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है और ना ही कोई कार्य योजना पर काम हो रहा है। पूर्व के जो कार्य है वह भी लटके हुए हैं क्योंकि उपन्यत्री नहीं है। ग्राम पंचायत में काम अवरुद्ध पड़े हुए हैं इसमें शासन प्रशासन को उपयांत्रियों का समर्थन कर कोई हल निकालना चाहिए। क्योंकि सरपंच सहित आम जनता परेशान है पंचायत की जो काम की गति थी वह धीमी पड़ चुकी है। यदि उपन्यत्री लौटते हैं तो फि र से ग्राम विकास को गति मिलेगी रोड़ नाली जैसे मूलभूत कार्य भी करायें जा सकेंगे।

क्षेत्र की सभी पंचायतों में कोई भी काम नहीं हो रहा है-सुनील

सरपंच प्रतिनिधि सुनील झिल्पे ने बताया कि पंचायत की बहुत बुरी स्थिति है तीन माह होते आ गया है उपयंत्री हड़ताल पर है। पंचायत में कोई भी काम नहीं हो रहा है यहां तक की मनरेगा और १५ वित्त के कार्य भी बंद पड़े हुए हैं। क्योंकि कार्यों का एस्टीमेट नहीं बना है जो उपन्यत्री के द्वारा बनाया जाना है। अभी हमारे यहां पूर्व में बीडीसी ने बाउंड्रीवॉल ६३ मीटर की दिया था उसका कार्य पूरा हो गया है किंतु मूल्यांकन ना होने के कारण उसकी राशि नहीं निकल पाई है। यह मूल्यांकन उपयंत्री के द्वारा किया जाना है वह वर्तमान में हड़ताल पर है। ग्राम के मजदूरों को भुगतान नहीं हो पाया है जो परेशान हो रहे। अभी हमारे यहां पंचायत में बहुत कार्य बाकी है क्योंकि बरसात बीती है।

पूर्व के काम का भुगतान बकाया होने से व्यापारी आ रहे सरपंचों के घर-कन्हैया

सरपंच कन्हैया खैरवार ने बताया कि उपयंत्री हड़ताल पर है काफी परेशानी हो रही है नए काम नहीं हो रहा है क्योंकि एस्टीमेट नहीं बना है। पुराने काम का मूल्यांकन नहीं हो पा रहा है क्योंकि हम काम नहीं ले पा रहे हैं और पूर्व के काम का भुगतान भी बकाया है। जिसमें हमने टाइल्स ईट रेत गिट्टी जैसे सामग्री खरीदी की थी अब वह व्यापारी सरपंच के घर आ रहे हैं क्योंकि उन्हें भुगतान करना है। परेशानी बहुत है सरकार या प्रशासन को यह हड़ताल समाप्त करवाना चाहिए या वैकल्पिक व्यवस्था बनाना चाहिए। एक वैकल्पिक व्यवस्था आरईएस के उपयंत्री की बनाई गई है किंतु वह वारासिवनी लालबर्रा दोनों जगह पदस्थ है। और अकेले होने से वह उपलब्ध नहीं हो पाते हैं।

इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि जनपद पंचायत के जो उपन्यत्री है वह बीते समय से हड़ताल पर है। अभी हमसे कोई चर्चा नहीं हो पाई है वरिष्ठ अधिकारी चर्चा करने का काम कर रहे हैं। ऐसे में पंचायत के कार्य जो है वह बंद है अति आवश्यक कार्यों के लिए आरईएस के एक उपयंत्री है उन्हें प्रभार दिया गया है।

दीक्षा जैन
मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत वारासिवनी

खैरलांजी में कांग्रेस शिक्षक संघ ने विधायक पटेल का किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी में कांग्रेस शिक्षक संघ ने विधायक विवेक पटेल का सम्मान किया गया। जिसके पश्चात मां सरस्वती के छायाचित्र पर सभी अतिथियों के द्वारा पूजा अर्चना की गई। वहीं शिक्षक संघ ने विधायक विवेक पटेल का शाल श्रीफ ल से सम्मान किया। इस दौरान खैरलांजी जनपद उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद लिल्हारे,जिला पंचायत सदस्य सुनीता बहेटवार,शिक्षक जयनारायण बिसेन,नरेंद्र दरवडे, चन्दकिशोर मेश्राम,अजय मर्सकोले, रमेश विजयवार, दिलीप नगपुरे,अनिल गौतम,भरत लिल्हारे, प्रमोद गौतम,चेतेश्वर बिसेन, संजय मेश्राम, शैलेश मेश्राम, बसंत चौधरी, विकास टेंभरे, श्रीमती देवीरूपा देशमुख, विभूति सहारे, माया आमडारे, सीमा भगत, रामेश्वरी उईके, कांता दमाहे,गीता उइके,ममता मेश्राम सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाऐं मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं शिक्षकों के साथ बैठा हुं। विधायक बनने में शिक्षकों का सबसे ज्यादा योगदान रहा है,शिक्षको का स्थान समाज में श्रेष्ठ होता है । शिक्षक समाज का आईना होते है शिक्षक हमें ज्ञान और अनुशासन सीखाता है। मेरे दादा जी भी शिक्षक थे मेरे पिता जी कृषि विभाग में अधिकारी थे। आज उन्हीं के आशीर्वाद से मैं राजनीति में आया हुं। मेरे जीवन का भविष्य संवारने में शिक्षक का आशीर्वाद है ,शिक्षकों को कोई भी समस्या होती है मैं उन्हें दूर करने का प्रयास करता हुं। शिक्षक वो पद है जो शिक्षा के दौरान भी और रिटायर्ट होने के बाद भी सम्मान पाता है, शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को मेरे द्वारा विधानसभा में भी उठाया गया है। मैं जब नगर पालिका अध्यक्ष था उस समय भी मेरे द्वारा शिक्षकों की समस्याओं को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का प्रयास किया था और आगे कोई भी समस्या शिक्षकों को आयेगी मैं हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा। चुनाव के पूर्व हमने कहा था हमारी सरकार बनते ही वोल्ड पेंशन लागू करेंगे मगर दुर्भाग्य रहा कि कांग्रेस की सरकार नहीं। बनी अगली बार जरूर प्रदेश और केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनेगी और सबसे पहले वोल्ड पेंशन लागू करेंगे। मेरे द्वारा क्षेत्र के कुछ स्कूल के उन्नयन को लेकर विधानसभा प्रश्न लगाया है और मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को पत्र लिखा है।

मेहंदीवाड़ा में आवारा श्वानो का आतंक

एक श्वान ने ३ वर्षीय बच्चे को किया लहू लूहान

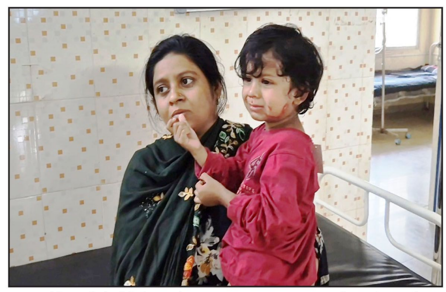

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मेहंदीवाडा में बीते कुछ दिनों से आवारा श्वान का आतंक देखने को मिल रहा है। जहां यह आवारा श्वान लोगों को काटने के लिए दौड़ रहे हैं। ऐसे ही ८ नवंबर को आवारा श्वान के द्वारा घर के सामने खेल रहे नुरेन अली उम्र ३ वर्ष को गर्दन के पास गाल में काटकर लहूलुहान कर दिया। वहीं इसके पहले भी ग्राम के एक से दो बालक सहित अन्य पशुओं पर भी हमला कर चुका है। इससे ग्राम के लोगों में काफी दहशत व्याप्त है और उनके द्वारा शासन प्रशासन से आवारा श्वान को बाहर ले जाकर जंगल में छोड़ने की मांग की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नुरेन पिता इम्तियाज अली ३ वर्ष रामपायली निवासी अपनी मां के साथ मेहंदीवाडा में वार्ड नंबर १२ निवासी अपनी नानी के घर में आया हुआ था। जहां पर आवारा श्वान के आतंक के कारण सभी बच्चों को घर में सुरक्षित रखा हुआ था। परंतु ८ नवंबर की दोपहर को यह ३ वर्षीय बालक अचानक घर के सामने सराय में निकाल कर खेल रहा था। तभी सड़क से गुजर रहे एक आवारा श्वान ने हमला कर दिया और उसे काटने लगा। जिससे बच्चे चिल्लाने की आवाज सुनकर परिवार के लोग आए और आवारा श्वान को भगाकर बालक को उठाया। जिसके गाल पर एक गहरा घाव और श्वान के नाखून के निशान चेहरे पर आ गए थे। जहां से बहुत ज्यादा खून बहने लगा जिसे तत्काल सिविल अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया। जहां पर डॉक्टर के द्वारा बालक को एंटी रेबीज इंजेक्शन लगा दिया गया परंतु एक दूसरा इंजेक्शन उपलब्ध नही होने पर बालाघाट जाने की बात कहते हुए जिला अस्पताल भेज दिया गया। गांव में यह पहला मामला नहीं है आवारा श्वान के द्वारा ७ नवंबर को भी इसी तरह ग्राम में अपने घर के सामने खेल रहे अंश पिता शैलेश लांजेवार उम्र ११ वर्ष वार्ड न.७ महेंदीवाड़ा निवासी को भी गंभीर रूप से काटकर घायल कर दिया था। जिसमें उसके शरीर में चार स्थानों पर गंभीर चोटे आई थी इसका उपचार भी सिविल अस्पताल में किया गया। तो वहीं ग्राम के अन्य एक युवक को भी अज्ञात श्वान के द्वारा काटने की बात कही जा रही है । ऐसे ही ग्राम में निवासरत पशुपालकों की बकरियां और मुर्गियों पर भी आवारा श्वान के द्वारा हमला किया गया है। यह अकेला श्वान नहीं है ग्राम में करीब चार से पांच आवारा श्वान है जो लगातार लोगों के पीछे दौड़कर उन्हें काटने का कार्य कर रहे हैं। इस दौरान बड़े व्यक्ति उक्त श्वान को डरा कर भगा दे रहे हैं किंतु ग्राम के बच्चे इनका शिकार होते जा रहे हैं। ऐसे में ग्राम के अंदर काफी दहशत का माहौल बना हुआ है लोग सुबह शाम हर समय घर के दरवाजे बंद कर रहने लगे हैं। तो वहीं बच्चों को भी बाहर खेलने नहीं दे रहे हैं । ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा पंचायत एवं प्रशासन से उक्त आवारा श्वान को पड़कर अंयन्त्र स्थान पर छोड़ने की मांग की जा रही है।

ग्राम के छोटे बच्चों के देखकर आवारा श्वान कर रहे हमला-मोइन

ग्रामीण मोइन अंसारी ने बताया कि ३ वर्ष का बच्चा है अपनी मां के साथ नानी के घर में आया हुआ था जहां वह घर में खेल रहा था। तभी आवारा श्वान ने उसे लपक लिया और गाल में काट दिया है कल एक ११ वर्ष के बच्चे को भी इसी तरह घायल किया था। उसका गला अपने जबड़े में कुत्ता दबा रहा था वह वार्ड नंबर ७ का था। यह आवारा श्वान का काफी आतंक हो गया है ३ आवारा श्वान है जो मेहंदीवाडा में घूमते हैं वार्ड नंबर ७ और १२ आमने.सामने है इस मोहल्ले में बहुत ज्यादा दिक्कत है। गोंडी टोला में भी किसी बच्चों को काटा है और वहां पर भी बहुत आतंक मचाया। ग्रामीणों ने इसे पकड़ने का प्रयास किया परंतु सफ लता नहीं मिल पाई कमजोर जाल रहा होगा जिसे वह फाड़ कर भाग गया।

आवारा श्वान के आंतक से ग्रामीणजन दहशत में है-सद्दाम

मोहम्मद सद्दाम कुरैशी ने बताया कि हमारे यहां आवारा श्वान पागल हो गए हैं छोटे बच्चे बड़े आदमी सहित पशुओं पर भी हमला कर रहे हैं। आदमी उन्हें भगा देते हैं परंतु बच्चों पर यह हमला कर उन्हें घायल कर रहे हैं। पूरे ग्राम में दहशत का माहौल बना हुआ है लोगो घरों के दरवाजे बंद कर निवास कर रहे हैं। यह दो से चार आवारा श्वान है जो घर के बाहर या दरवाजा खुला होने पर घर के अंदर जाकर लोगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। बच्चे घर से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं पंचायत और शासन प्रशासन से मांग है कि वह इस विषय पर कोई कार्यवाही करें या नगर पालिका से गाड़ी बुलाकर इन्हें पकड़ कर जंगल में छोड़कर आये।

इनका कहना हैं

ग्राम में आवारा श्वान का बहुत ज्यादा आतंक हो गया है। अभी दो.तीन बच्चों को गंभीर घायल भी कर दिया गया है ऐसे में ग्रामीणों के साथ इन आवारा श्वान को ढूंढा गया परंतु नहीं मिल पायें। हमारे द्वारा नगर पालिका और वन विभाग से चर्चा की जा रही है व्यवस्था बनाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं।

किशोर तामेश्वर
सरपंच प्रतिनिधि ग्राम मेहंदीवाड़ा

मतदाता सूची का पुन: निर्माण प्रत्येक कार्यकर्ता की जवाबदारी है-प्रदीप

भाजपा कार्यालय में मतदाता सुची के लिये पुनरीक्षण की कार्यशाला संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भाजपा कार्यालय में बुदबुदा एवं नगर मंडल के तत्वावधान में कार्यशाला संपन्न हुयी। जिसमे फर्जी मतदाताओं के नाम काटने एवं वर्तमान मतदाताओं का पुनरीक्षण किया जाकर वास्तविक मतदाता सूची संधारित करने के विषय में प्रशिक्षण दिया गया। जिसमे वारासिवनी खैरलांजी के प्रभारी प्रदीप जायसवाल, विधानसभा के मंडल प्रभारी जीतेन्द्र मोहारे, नगर मंडल के प्रभारी अभय कोचर, बुदबुदा मंडल के प्रभारी सुनील जैन, जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले, जिला मंत्री श्रीमती रेखा गोखले, शैलेन्द्र आहूजा, नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, बुदबुदा मंडल अध्यक्ष वेदप्रकाश पटेल,बीएलए १ प्रबल जायसवाल, नपा पूर्व अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। वारासिवनी खैरलांजी के प्रभारी प्रदीप जायसवाल ने कहा की २०२७ से लेकर २०२९ तक होने वाले विभिन्न चुनावों के लिये पुन:मतदाता सुची में सबको सहयोग करके पात्र मतदाताओं के नाम आवश्यक रूप से शामिल हो सके। इसके लिये विभिन्न चरणों में जिस प्रकार गाईड लाईन निर्वाचन आयोग के द्वारा तैयार की गयी है। वह हमारे लिये शिरोधार्य कर शत प्रतिशत सूची तैयार हो, इसके लिये संगठन को महती जिम्मेदारी प्रदान की जा रही है यही हमारी मेहनत का परिणाम भी होंगा। और भविष्य में जो प्रत्याशी बनना चाहते है उनके लिये मतदाताओं से संपर्क का सबसे बढ़िया अवसर भी साबित होगा। जिसमें अभय कोचर, जीतेन्द्र मोहारे, सुनील जैन, प्रबल जायसवाल, किशोर अमूले ने निर्वाचन आयोग के द्वारा दी गयी गाईड लाइन पर गहन प्रशिक्षण देकर बीएलए २ के लिये कार्य करने के लिये आसान बनाने सुझाव देकर ४ नवंबर से प्रारंभ इस कार्य को ४ दिसंबर तक शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने का गूरू मंत्र भी दिया गया।

केशव इंग्लिश स्कूल में मनाया गया वंदे मातरम् कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। केशव इंग्लिश उ. मा. वि. में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के १५० वर्ष पूर्ण होने पर समारोह के रूप में मनाया गया। जिसमें प्रधानमंत्री के संदेश को लाइव विद्यार्थियों को दिखाया गया। इसके बाद बच्चों द्वारा पूरे वंदे मातरम राष्ट्रगीत को गाने का अभ्यास किया गया। इस अवसर पर अधीक्षक जितेन्द्र टेंभरे के द्वारा महापुरूषों को याद किया गया। प्राचार्य प्रदीप शर्मा ने वंदे मातरम् के ऐतिहासिक महत्व और आजादी मिलने तक में वंदे मातरम् कि भूमिका बताई। इस समारोह को सफल बनाने में रविशंकर पटले, ऋतु अटराहे, निकिता पटले, भुवनेश्वरी राहंगडाले व अन्य सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा।

बालाघाट जिले की वारासिवनी कस्बे से निकलकर मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के पुरोधा बने

पत्रकारिता के शाश्वत मूल्यों के लिए समर्पित थे बबन प्रसाद मिश्र

पुण्यतिथि पर विशेष

'मैं और मेरी पत्रकारिता' किताब के जरिए अपनी बात कहने वाले स्वर्गीय श्री बबन प्रसाद मिश्र, जिनकी आवाज आज भी गूंजती है, उनका निधन 7 नवंबर को रायपुर के वृंदावन हॉल में एक कार्यक्रम के दौरान बोलते-बोलते हार्ट फेल से हो गया था। आज उनके उस दुखद पल को पूरे दस साल बीत चुके हैं, मानो समय की धारा में एक युग बीत गया हो। बबन प्रसाद मिश्र पत्रकारिता के वो अटल आधार स्तंभ थे, जिन्होंने मूल्यों की पत्रकारिता को न सिर्फ जिया, बल्कि उसे एक जीवंत मशाल की तरह थामे रखा। एक ऐसा शख्स, जिसने पूरे जीवन में पत्रकारिता के उन व्यापक मापदंडों को न केवल बनाए रखा, बल्कि उसे दुनिया की सबसे बड़ी ताकत और जिम्मेदारी का दर्जा दिया। अपनी कलम और अपने जीवन में उन मूल्यों को इतनी मजबूती से बचाए रखा कि आज भी वो चमकते हैं। यही कारण है कि बबन प्रसाद मिश्र अपनी किताब में जो कुछ लिखते हैं, वो उन पत्रकारों के लिए समर्पित है जो पत्रकारिता के शाश्वत मूल्यों के प्रति आज भी समर्पित हैं और अपनी अस्मिता के प्रति पूरी तरह जागरूक हैं। आज का दौर तो देखिए, संपादक का स्थान मैनेजर ने ले लिया है, लोग स्वतंत्र रूप से लिखने-पढ़ने की सोच को छोड़कर चरण वंदन में डूबे हुए हैं और विज्ञापनों की ऐसी होड़ मची है कि अखबार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसके पहले पेज पर क्या छप रहा है खबर हो या विज्ञापन, बस कमाई चाहिए।

ऐसे विकट समय में बबन प्रसाद मिश्र जी जैसे पत्रकार, जो किसी अखबार के सबसे प्रमुख पद पर थे, संपादक का पद इसलिए छोड़ देते हैं क्योंकि उनके बिना जानकारी के प्रथम पृष्ठ पर विज्ञापन कैसे छप गया।

पत्रकारिता में ऐसे ऊंचे मानक स्थापित करने वाले चयन प्रसाद मिश्र को हम आज श्रद्धा से याद करते हैं। उनकी किताब 'मैं और मेरी पत्रकारिता' में जो उन्होंने पत्रकारिता के उन अमर मूल्यों का इतनी जीवंतता से वर्णन किया है, उसमें से कुछ चुनिंदा अंश आज हम अपने पाठकों के साथ साझा करते हैं, क्योंकि बबन जी तो आज की जनधारा के भी प्रधान संपादक रह चुके थे, उनकी कलम में वो आग थी जो सच्चाई को जलाए रखती थी।

राजभक्ति की हो?

देशभक्ति के लिए निकले समाचार पत्र का स्वरूप शनैः शनैः राजभक्ति के अखबार का हो गया था। भारतीय प्रजातंत्र का यह अभिशाप रहा है कि उसके सर्वाधिक प्रभावी अंग राजनीति में देशभक्ति की बजाय राजभक्ति ज्यादा घर कर गई है। स्वाभाविक था कि समाचार पत्र जगत उससे अछूता न रहता। आज तो अखबारों में राजभक्ति की जैसे होड़ सी मची हुई है। अंग्रेजों के जमाने में जब भारत गुलाम था तब जिस तरह कुछ लोग अंग्रेजों को भगवान जैसा मानने लगे थे, लगभग उसी तरह की दास्तां मनोवृत्ति के शिकार अनेक राजनेता और अनेक अखबार आज सहज दिखलाई देते हैं। पत्रकारों की मजबूरी यह है कि वे वहां पत्रकार न रहकर नौकरी करने वाले नुमाइन्दे मात्र रह गए हैं। संपादक नामक संस्था अब गौण है, अब मालिक और प्रबंधन के तेवर के अनुसार संपादक को और उसकी टीम को चलना पड़ता है। कुछ आदर्शों को छोड़कर साथ ही मूल्यों से हटकर समाचार पत्र अब व्यावसायिकता की ओर ज्यादा मुड़ गए हैं। अखबारों के नाम पर विज्ञापन लेना, कोटा परमिट लेना, साबुन और तेल की तरह अखबारों को नामी कूपन से या इनाम देकर बेचना आज के समाचार पत्र जगत की नियति हो गई। पहले कोई भ्रष्ट नेता या भ्रष्ट अधिकारी समाचार पत्र की देहरी पर चढ़ने में डरता था, आज वह मालिकों और उसके प्रबंधन सूत्रों को घर पर बुलाता है, प्रतीक्षा कराता है और मनचाही स्वार्थो भरी खबर छपवाता है। यह किसी आवेश में व्यक्त बात नहीं है, बल्कि एक कठोर सत्य का साक्षात्कार है, जो दिल को चीरता है। - **स्वर्गीय श्री बबन प्रसाद मिश्र**

यह उनकी पुस्तक से लिया हुआ एक हृदयस्पर्शी अंश है, जिसमें समय की धारा के साथ पत्रकारिता का चरित्र कैसे विकृत हुआ, इसे इतनी गहराई से उकेरा गया है कि पढ़ते हुए पाठक उस दौर की पत्रकारिता में खो जाता है। खैर, आपको बता दूं कि बबन प्रसाद मिश्र ने अपनी पत्रकारिता की शुरुआत 1962 से की, जहां वो दैनिक युगधर्म जबलपुर के सह संपादक के पद पर दस साल तक संपादक की तरह चमके, उसके बाद तदंतर युगधर्म रायपुर में 1 अगस्त 1986 तक संपादक के पद पर अपनी छाप छोड़ी। बबन जी अगस्त 1986 से जुलाई 1987 तक हिंदी दैनिक स्वदेश भोपाल के लिए अपनी सेवाएं देते रहे, जैसे सूरज की किरणें बिखेरते हुए। इसके बाद वे जुलाई 1987 से 30 अक्टूबर 2001 तक हिंदी दैनिक नवभारत रायपुर में प्रबंधक तथा संपादक के रूप में कार्य करते रहे, सच्चाई की मशाल जलाए रखी। 26 नवंबर 2001 से अद्यतन दैनिक भास्कर में सलाहकार के पद पर उन्होंने पत्रकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए, जो आज भी प्रेरणा देते हैं।

> अंग्रेजों के जमाने में जब भारत गुलाम था तब जिस तरह कुछ लोग अंग्रेजों को भगवान जैसा मानने लगे थे, लगभग उसी तरह की दास्तां मनोवृत्ति के शिकार अनेक राजनेता और अनेक अखबार आज सहज दिखलाई देते हैं। पत्रकारों की मजबूरी यह है कि वे वहां पत्रकार न रहकर नौकरी करने वाले नुमाइन्दे मात्र रह गए हैं। संपादक नामक संस्था अब गौण है, अब मालिक और प्रबंधन के तेवर के अनुसार संपादक को और उसकी टीम को चलना पड़ता है। कुछ आदर्शों को छोड़कर साथ ही मूल्यों से हटकर समाचार पत्र अब व्यावसायिकता की ओर ज्यादा मुड़ गए हैं।

देश के नागरिकों को यह सोचना चाहिए कि बैंकों में सही समय पर काम हो, ट्रेनें समय पर आएं, शासकीय कर्मचारी समय पर काम करें इस हेतु क्या आपातकाल आवश्यक है? यदि केवल इस हेतु आपातकाल लगाया जा रहा है तो इसे कोई कैसे स्वीकृति देगा। जो जिस काम का वेतन लेता है उसे

ईमानदारी की अवधारणा

ईमानदारी से अपना कार्य पूरा करना चाहिए, यह धारणा मेरे जीवन में सदैव बनी रही, जैसे एक पवित्र संकल्प। मानवीय प्रताड़ना और मानवीय समस्या का अपातकाल का यह दौर इतना क्रूर और निरंकुश था कि मानवीय समस्याओं का हनन शुरु कर दिया गया था, दिल दहला देने वाला अंधेरा। - स्वर्गीय श्री बबन प्रसाद मिश्र

समाचार वह लेखन है जिसे अपने महत्त्व के आधार पर ही जनता तक पहुंचाना चाहिए, वह मनोरंजक भी होता है और जानवर्धक भी, जैसे एक मीठी धारा जो प्यास बुझाती है। पाठक वर्ग में ऐसे समाचार पढ़ने की जिज्ञासा बढ़ती है, दिल में उतरती है। कई बार व्यथापूर्ण खबर होने के बावजूद वह एक सूचना है जो पाठकों तक पहुँचती है, सच्चाई की तरह अटल। पत्रकार के लिए यह आवश्यक भी नहीं कि सभी जगह वह अपनी उपस्थिति दर्ज कराए। उसके पास विकसित सूचना स्रोत अवश्य होने चाहिए, जैसे जड़ें मजबूत पेड़ को थामती है। - स्वर्गीय श्री बबन प्रसाद मिश्र

स्वर्गीय बबन प्रसाद मिश्र आज भी हमें सच्ची पत्रकारिता की याद दिलाते हैं, जो सिर्फ पैसों या विज्ञापनों के लिए नहीं, बल्कि सत्य और देश के लिए लिखी जाती है। उनकी किताब %मैं और मेरी पत्रकारिता% बताती है कि पहले अखबार देशभक्ति से चलते थे, लेकिन अब कई जगह राजभक्ति और व्यापार हावी हो गया है। बबन जी ने अपना पूरा जीवन ईमानदारी से लिखने और सच्चाई बचाने में लगाया, और आज 10 साल बाद भी उनकी बातें हमें सिखाती हैं कि पत्रकार बनना मतलब सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी निभाना है।

- सुभाष मिश्र

'आधुनिक युग की गीता है परिक्रमा कृपा सार'

विगत 21 अक्टूबर 2025 को मुझे भारत स्काउट गाईड संघ के जिला अध्यक्ष एवं समाज सेवक श्री छगन हनवत जी के माध्यम से निर्विकार पथ के प्रणेता संस्कारधानी जबलपुर में माँ नर्मदा जी के सिद्धघाट स्थित आश्रम में वर्षों से साधनारत रहे श्री श्री बाबा श्री जी के आराधक निर्विकार पथिक श्री प्रहलादसिंह जी पटेल द्वारा लिखित पुस्तक परिक्रमा कृपा सार अध्ययन हेतु प्राप्त हुई। पहले दिन से ही पढ़ने का क्रम प्रारंभ हुआ, दीपावली महापर्व के पंच दिवसीय विश्राम के साथ ही देव उठनी ग्यारस के साथ ही अध्ययन निरंतर चलता रहा। हमारे मध्यप्रदेश के अमरकंटक के एक कुण्ड से छोटी जल धार के रूप में उद्गमित होकर गुजरात में खंबात की खाड़ी में समाहित होने वाली माँ नर्मदा जी एक सरिता ही नही है, अपितु हमारी सत्य सनातन वैदिक संस्कृति और सभ्यता की प्रतीक है, जिनके दर्शन मात्र से मानव के जन्म जन्मान्तर के जाने अनजाने हुये पाप कर्मों के बंधन से मुक्ति का द्वार खुल जाता है। प्रमाणित मान्यता के अनुसार माँ नर्मदा जी की उत्पत्ति भगवान शिव के स्वेद अर्थात पसीने से मानी गई है। इसी कारण इन्हें गंगा जी से भी अधिक महत्वपूर्ण माना गया है। अधिकांश रूप में यह प्रचलित है कि भारत की सभी नदियां उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर प्रवाहित होती हैं किन्तु एकमात्र मां नर्मदा का प्रवाह दक्षिण से उत्तर की ओर है। %परिक्रमा कृपासार के पृष्ठ 15 में स्कंद पुराण 12/3/21/6 एवं पद्मपुराण 3/13/7 के श्लोक का उल्लेख करते हुये लिखा गया है 'सरस्वती का जल 3 दिन में, यमुना का जल 7 दिन में या सात बार स्नान करने से, श्री गंगा का जल एक बार स्नान करने से आत्मा को निर्मल पवित्र कर देता है किन्तु श्री नर्मदाजी का जल दर्शन मात्र से ही सारे पाप दोषों से शुद्धता प्रदान करता है। यह भी उल्लेखनीय बिन्दु है कि मां नर्मदाजी के अतिरिक्त किसी भी नदी पर पुराण नहीं रचा गया केवल नर्मदाजी के गुणों पर 'नर्मदा पुराण' लिखा गया है। पुण्य सलिला मां नर्मदा में स्नान करने से ब्रम्हहत्या रूपी पाप का निवारण हो जाता है ऐसी मान्यता का उल्लेख पुस्तक में किया गया है। पौराणिक महत्व की पावन पवित्र सलिला की परिक्रमा नंगे पांव करना वास्तव में किसी योगी और दृढ़ विश्वासी, कर्तव्य परायण, कर्तव्यनिष्ठ, ध्येयनिष्ठ और सत्थ सनातन वैदिक धर्म संस्कृति के प्रति समर्पित युगपुरूष के साहस और आत्म विश्वास की बात है जो निश्चित रूप से निर्विकार पथिक प्रहलादसिंह पटेल की नर्मदा परिक्रमा से परिलक्षित होती है। कुशल राजनेता के साथ ही एक सच्चे राष्ट्रभक्त समाज सेवक, स्वयंसेवक एवं मानवतावादी विचारों के पोषक, निर्विकार पथिक श्री प्रहलादसिंह पटेल स्वयं लिखते हैं %यह मां नर्मदाजी की परिक्रमा का सार है. यह बुद्धिकौशल के प्रभाव से प्राप्य नहीं है। यह तो ज्ञान के सत्यांश से प्राप्त अनुभूति का ऐसा दिव्य प्रकाश है जिससे अंतर्जात्मा जागृत हो उती है। जीवन को सही मार्गदर्शन मिला है। यह मेरे आराध्य श्री श्री बाबाश्री के ज्योतिपुंज की अनुकंपा-कृपा और उनके द्वारा की गई रक्षापूर्ण दया और सानिध्य की स्मृतियां हैं।' आगे श्री प्रहलादजी लिखते है पैदल चलने, पदयात्राओं के लिए प्रेरित करने या होने का प्रयास एवं सुझाव मुझे बाल्यकाल से ही अपने बड़े बुजुर्गों एवं संत महात्माओं से मिलते रहा है। वे आगे लिखते है मेरी प्रथम पदयात्रा अर्थात नर्मदा परिक्रमा 1986 ई. में प्रारंभ हुई जिसका कारण तो राजनीतिज्ञ था, पर सौगंध / संकल्प लिया था चुनाव में धनबल के विरूद्ध दृढ़ता से खड़ा होने का, लड़ने का।

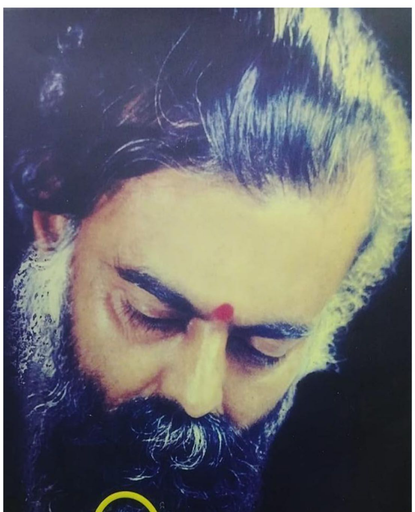

> वे कहते है परिक्रमा कर्म है, क्या देगी? ये पूर्णता, परिपूर्णता और संपूर्णता देगी युग परिवर्तन उस दिशा में सत्कर्म से होगा, युग स्वयं परिवर्तित हो जायेगा। हम सुधरेंगे, युग सुधरेगा अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी की मान्यता है। इसके आगे भी लाईन है कि हम सुधरेंगे और युग को सुधारेंगे अर्थात व्यक्ति के आत्मसुधार से युग सुधार संभव है।

इस एक महीने की यात्रा ने जो मुझे शिक्षा दी, संस्कार दिये, साथी दिये, साथियों को विश्वास में बांधने के अवसर दिये उसके लिए भविष्य में मुझे पुस्तक लिखनी पड़ेगी तब यह विचार नही था। वास्तव में यही तो पदयात्रा की सामर्थ्य है, यहीं तो पदयात्राओं का मूल है। प्रहलादजी के अनुसार नर्मदा परिक्रमा का उद्देश्य केवल जल की गंदगी दूर करना भर नहीं है बल्कि यह तो समग्र संसार, आत्मा विचारों के शुद्धिकरण की प्रक्रिया है. शुरुआत है। मनुष्य का कर्म, धर्म और मर्म है। यह सामजिक और प्रकृति तथा जीवजगत के प्रति उत्तरदायित्व भी है। पुस्तक में श्री श्री बाबाश्री के विचारों का उल्लेख करते हुये लिखा गया है अतीत की ओर दृष्टि को स्थिर कर लेना ही मानव चेतना की निशानी है।

वे कहते है परिक्रमा कर्म है, क्या देगी? ये पूर्णता, परिपूर्णता और संपूर्णता देगी युग परिवर्तन उस दिशा में सत्कर्म से होगा, युग स्वयं परिवर्तित हो जायेगा। हम सुधरेंगे, युग सुधरेगा अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी की मान्यता है। इसके आगे भी लाईन है कि हम सुधरेंगे और युग को सुधारेंगे अर्थात व्यक्ति के आत्मसुधार से युग सुधार संभव है। मेरे मतानुसार पूज्य श्री श्री बाबाश्री महाराज के आराधक निर्विकार पथिक प्रहलादसिंह पटेल जी की नर्मदा परिक्रमा का मूल उद्देश्य भी यही प्रतीत होता है। साथ ही परिक्रमा कथासार लिखने की मूल भावना भी यही है। संपूर्ण पुस्तक का अध्ययन कर हम कह सकते है कि परिक्रमा कथासार आधुनिक युग की गीता है। पूज्य श्री श्री बाबाश्री स्वयं योगीराज श्रीकृष्ण की भूमिका में अपने पार्थ प्रहलादजी को मानवजीवन की परिक्रमा का सार समझा रहे है साथ ही विश्व को मार्गदर्शित भी कर रहे है। श्री श्री बाबाश्री जी कहते है जिन्हे अपनी ईमानदारी पर दंभ है, वे न्यायी नही हो सकते वे तो केवल निजनितियों का गुणानुवाद करने में माहिर होते है। इन्हे यह ज्ञात नहीं है कि उसकी स्मृति से दूर कोई सत्य उसकी ईमानदारी से उम्मीद लगाकर न्याय की अपेक्षा कर रहा है या उसकी परीक्षा ले रहा है। वह अपनी ईमानदारी की परीक्षा में सफला होगा या नही यह उसके ही विवेक पर निर्भर है। श्री श्री बाबाश्री की वाणी के अनुसार

जब तक न बिका था 'मुकुंद' कोई पूछता न था।
'तुझे' रेवा ने खरीदकर अनमोल कर दिया।

लेखक के अनुसार मुकुंद का अर्थ है कीमती पत्थर। पुराणों के मुताबिक एक तरह की निधि है। भगवान विष्णु का नाम भी है। मुकुंद का आशय मुक्ति देने वाला भी है। श्री श्री बाबाश्री जी ने मुकुंद का उदाहरण देकर जीवन की सार्थकता निर्माण से निर्वाण तक की विधि बयां की है। पवित्र मां नर्मदा का कण-कण अमूल्य हो जाता है, मां रेवा के पवित्र जल में डुबकी लगाकर निर्जीव पत्थर भी निर्विकार होकर अमूल्य बन जाता है। निर्विकारता एक विधि है। शांतिपथ पर कर्मविधि के साथ प्रकृति के संचालित यंत्र की भांति चलने का प्रारंभ है। शायद यही मानवकल्याण की सोच निर्विकार पथिक प्रहलादजी की परिक्रमा सार का तत्व है। यह मानवजीवन भी तो एक परिक्रमा ही है, आत्मा से परमात्मा के मिलन की इस मानवजीवन के प्रत्येक आयामों पर अपनी पुस्तक परिकमा कृपासार के माध्यम से ज्ञान का प्रकाशपुंज पहुंचाते हुये मानव को महामानव बनाने की दिशा में प्रहलादसिंह पटेल ने सार्थक प्रयास किया है, इसी प्रयास के कम में प्रहलादजी श्री श्री बाबाश्री की वाणी के माध्यम से कहते है कि प्रारंभ से अंत तक की यात्रा का कम अत्यंत ही लंबा है किन्तु प्राप्त करने के लिए यह प्राप्ति अहंकार रूपी, अहंकार मिश्रित कामना न हो, प्राप्ति अर्थात पूर्णता कोई परिपूर्णता नही बल्कि प्राप्ति का अर्थ प्रकृति के साथ लय है। उस स्थिति या लक्ष्य को प्राप्त करने में उतनी ही अधिक, उतनी ही लंबी अवधि की आवश्यकता है ऐसा कदापि नही। हे मानव, तू विधि के ज्ञान, विधि को जान, उसकी प्राप्ति का प्रयास कर।

यदि भ्रांति को दूर कर दे तो शांति तुझे मिल ही जाएगी अर्थात शांति चाहिये तो भ्रांति को मिटाओं। परिकमा कृपासार में श्री श्री बाबाश्री कहते हैं सनातन कर्म पर आधारित है. कर्म किया पर आधारित है, संस्कारविहीन होने पर मानव परंपरा को भी अंधा कर देता है। दया अथवा कृपा को चमत्कार मानने वाले, समझने वाले निश्चय ही अधोगति को प्राप्त होते है या होंगे। श्री श्री बाबाश्री की सत्यवाणी से गुंजित पुस्तक को पढ़कर लगा कि प्रहलाद जी ने इसके प्रकाशन में कुछ विलंब कर दिया। आज से लगभग 30 वर्ष पूर्व जो संदेश पूज्य श्री श्री बाबाश्री के मुखारबिंदु से उद्गमित हुये जिसे हम आधुनिक युग की गीता कहे तो अतिशयोक्ति नही होगी। पूज्य श्री श्री बाबाश्री कहते है %पूर्ण प्रकाशित किरणें ही शांति का बिंब बन जाती हैं। चिंतन अधिक करों, वाणी से कम बोलो तो सारगर्भित है। मुझे लगता है लेखक प्रहलादसिंह पटेल जी ने अधिकांश समय चिंतन किया है, सभी ऐसी अमूल्य कृति का सृजन मानवकल्याण हेतु कर सके। क्योकि मानवजीवन के प्रत्येक बिन्दु पर आत्म अवलोकन के सिंधु में डुबकी लगाते हुये एक बार ही नही अपितु अनेक बार पुण्यसलीला मां रेवाजी की परिक्रमा करते हुये पीड़ित मानवता के प्रति सकारात्मक सोच एवं मानवसेवा को ही माधवसेवा समझने वाले विद्यावान, गुणी अतिसंवेदनशील हृदय के धनी, देश की स्वच्छ, संस्कारित, सभ्य राजनीति के ध्रुव तारे प्रहलादसिंह पटेलजी ने साहित्य की ज्ञान परंपरा में निर्विकार पंथ के आराध्य पूज्य श्री श्री बाबाश्री के सन् 1995 में प्रकट किये गये अमूल्य विचारों को आत्मसात कर, संग्रहित कर भारतीय दर्शन एवं इतिहास को मूल्यवान धरोहर सौंपी है जिसका नाम है परिकमा कृपासार जैसा कि श्री श्री बाबाश्री कहते है किसी भी चीज, घटना की समीक्षा पूर्ण कर देने पर आकांक्षा पूर्ण नहीं होती, कियान्वयन तो करना ही पढ़ेगा। इसलिए मेरा सभी कलमकारों, पत्रकारों, साहित्यकारों एवं भारतीय ज्ञान एवं दर्शन की परंपरा से संबद्ध विचारकों से यह आकांक्षापूर्ण निवेदन है कि एकबार अवश्य ही निर्विकार पथिक प्रहलादसिंह पटेल द्वारा लिखित %परिकमा कृपासार कृति का अध्ययन कीजिएगा क्योकि श्री श्री बाबाश्री कहते है ज्ञान का कर्म सत्य प्रकट करना, सत्य का कर्म धर्म को प्रकट करना, धर्म का कर्म मर्यादा प्रकट करना, मर्यादा का कर्म आचरण प्रकट करना, आचरण का कर्म संस्कार प्रकट करना, संस्कार का कर्म ध्यान प्रकट करना, ध्यान का कर्म शुभचिंतन प्रकट करना। उपर्युक्त स्थितियों में जिनका यही कर्म है और इनका सभी का यही मर्म है। अंत में विश्व की इस आधुनिक गीता के उपदेशक श्री श्री बाबाश्री को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुये परम तपस्वी दादागुरूजी को प्रणाम करते हुये पुण्य सलीला मां नर्मदा जी की वंदना के साथ ही परिकमा कृपासार के कृतिकार निर्विकार पथिक प्रहलादसिंह जी पटेल के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ क्योकि उन्होनें स्वयं लिखा है -

'दिव्य अलौकिक प्राणों की प्रहरी, दीपशिखा सी सुंदर लहरी,
मुझे जगा दे हे मां मेरी'

!!! नर्मदे हर !!!

प्रणय श्रीवास्तव 'अश्क'
समीक्षक एवं लेखक
प्रांताध्यक्ष, हिन्दी साहित्य भारती महाकौशल प्रांत
वार्ड नं. 5 गांधी बाल उद्यान के पीछे
वारासिवनी, जिला बालाघाट म.प्र.

भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए निवेश दर बढ़ाना जरूरी- नीति आयोग सीईओ

मुंबई (एजेंसी। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता महीने के अंत तक सफल हो सकती है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में बताया कि वार्ता सही दिशा में आगे बढ़ रही है और उम्मीद है कि जल्द ही इसमें ठोस परिणाम सामने आएंगे। सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत को 8-9 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखने के लिए अपनी निवेश दर को जीडीपी के 35-36 प्रतिशत तक बढ़ाना होगा, जो वर्तमान में लगभग 30-31 प्रतिशत है। निवेश दर बढ़ाने से देश की आर्थिक वृद्धि में स्थिरता आएगी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलेगी। उन्होंने नेशनल मैन्युफैक्चरिंग मिशन का जिक्र करते हुए कहा कि यह नवंबर तक चालू होगा। मिशन के तहत 15 प्रमुख सेक्टर्स पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा और 75 स्थानों पर सेक्टोरल क्लस्टर बनाकर भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धी मैन्युफैक्चरिंग हब बनाया जाएगा। सुब्रह्मण्यम ने मानव पूंजी को आर्थिक विकास का आधार बताया। यदि केवल 1 रुपया निवेश करना हो तो उसे कौशल विकास और शिक्षा पर लगाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में छात्र औसतन 6-7 साल की स्कूली शिक्षा प्राप्त करते हैं, जबकि दक्षिण कोरिया में यह अवधि 13-14 साल है। सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर खुली अर्थव्यवस्था बनाए रखना चाहिए। विदेशी निवेशक भारत के बाजार और लागत प्रतिस्पर्धात्मकता की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। इसके लिए नौकरशाही को कम करना और न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन के सिद्धांत पर ध्यान देना जरूरी है।

भारत की 30 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लिए वित्तीय सुधार जरूरी- वर्ल्ड बैंक

मुंबई (एजेंसी। वर्ल्ड बैंक की ताज़ा फाइनेंस सेक्टर असेसमेंट (एफएसए) रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि भारत अगले 20 वर्षों में 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना चाहता है, तो उसे वित्तीय क्षेत्र में सुधारों की गति तेज करनी होगी। रिपोर्ट ने निजी पूंजी जुटाने और वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार भारत का वर्ल्ड क्लास डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और सरकारी कार्यक्रमों ने महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच में सुधार किया है। हालांकि महिलाओं के बैंक खातों के वास्तविक उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता बताई गई है। 2017 के बाद से भारत का वित्तीय तंत्र अधिक मजबूत, विविध और समावेशी बन गया है। कैपिटल मार्केट तेजी से बढ़ा, और जीडीपी के 144 फीसदी से बढ़कर लगभग 175 फीसदी तक पहुंच गया। वित्त मंत्रालय ने आईएमएफ-वर्ल्ड बैंक की संयुक्त टीम के मूल्यांकन का स्वागत किया और आगे के सुधारों पर काम जारी रखने की बात कही।

पेट्रोल-डीजल के भाव में मामूली बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी। पेट्रोलियम कंपनियों ने शनिवार को नए भाव जारी कर दिए हैं। पटना में पेट्रोल की कीमत बढ़कर 106.11 रुपए प्रति लीटर हो गई, जबकि शुक्रवार को यह 105.23 थी। डीजल भी 92.32 रुपए प्रति लीटर हो गया, जो शुक्रवार को 91.49 रुपए प्रति लीटर था। पिछले 10 दिनों में कीमतों में हल्का उतार-चढ़ाव देखा गया। देश के विभिन्न राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अलग-अलग हैं। आंध्र प्रदेश में पेट्रोल 109.37 और डीजल 97.22 रुपए प्रति लीटर सबसे महंगा है, जबकि अंडमान और निकोबार में पेट्रोल 82.46 और डीजल 78.05 रुपए सबसे सस्ता है। दक्षिण भारत में ईंधन की कीमतें अधिक और उत्तर भारत व कुछ केंद्र शासित प्रदेशों में कम हैं। इस बीच, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में दैनिक उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

आरबीआई ने चांदी पर भी लोन की अनुमति दी

नई दिल्ली (एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चांदी पर लोन लेने की अनुमति दे दी है। अब लोग अपने पास रखी चांदी के गहने और सिक्के गिरवी रखकर कर्ज ले सकते हैं। इससे आर्थिक आपातकालीन जरूरतों को पूरा करना आसान होगा। यह सुविधा 1 अप्रैल 2026 से सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों में लागू होगी। कमर्शियल बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक, रीजनल रूरल बैंक (आरआरबी), शहरी और ग्रामीण सहकारी बैंक, नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियां (एनबीएफसी) और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां यह सुविधा उपलब्ध कराएंगी। गिरवी रखने की सीमा और लोन राशि इस प्रकार रहेगी- चांदी के गहने- अधिकतम 10 किलोग्राम और चांदी के सिक्के अधिकतम 500 ग्राम। लोन राशि लोन टू वैल्य रेशो के आधार पर तय होगी, यानी चांदी के मूल्य के अनुपात में कितनी रकम मिल सकती है।

इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सईवी 9एस का नया टीजर जारी

नईदिल्ली (एजेंसी। चार पहिया वाहन निर्माता स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने अपनी अपकमिंग इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सईवी 9एस का नया टीजर जारी किया है। यह टीजर एक हाई-टेक डिजिटल केबिन को दर्शाता है जिसमें तीन स्क्रीन दी गई हैं एक ड्राइवर डिस्प्ले, दूसरी सेंट्रल इंफोटेनमेंट टचस्क्रीन और तीसरी फ्रंट पैसेंजर के लिए। महिंद्रा इसे 27 नवंबर को अपने 'स्क्रीम इलेक्ट्रिक' इवेंट में वर्ल्ड प्रीमियर के तहत पेश करेगी। एक्सईवी 9एस महिंद्रा के इंग्लो स्केटबोर्ड प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जिस पर पहले से बीई 6 और एक्सईवी 9ई जैसे मॉडल भी तैयार किए गए हैं। पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहन के तौर पर डिज़ाइन किया गया यह प्लेटफॉर्म बेहतर वेट डिस्ट्रीब्यूशन, कम सेंटर ऑफ ग्रेविटी और अधिक स्पेस-ऑप्टिमाइज्ड इंटीरियर प्रदान करता है। लेटेस्ट टीजर में एसयूवी के केबिन की कई लक्ज़री झलकियां दिखी हैं। इसमें फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील, मिनिमलिस्ट गियर सेलेक्टर, एडजस्टेबल हेडरेस्ट और मेमोरी फंक्शन वाली हीटेड व वेंटिलेटेड सीटें दिखाई देती हैं। साथ ही, मल्टी-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल, सेंट्रल आमरेस्ट और लगभग पूरी लंबाई में फैला पैनोरमिक सनरूफ इसे और प्रीमियम बनाते हैं। यह एसयूवी 6-सीटर और 7-सीटर दोनों वेरिएंट्स में आने की संभावना है।

विदेशी बिकवाली और वैश्विक अनिश्चितता से सेंसेक्स-निफ्टी में गिरावट रही

मुंबई (एजेंसी। भारत का शेयर बाजार 7 नवंबर को समाप्त हुए सप्ताह में लगातार उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन दिखाने के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ। पिछले सप्ताह गुरुनानक जंयती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से बाजार में एक दिन कम कारोबार हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार, मिश्रित कॉर्पोरेट परिणाम, विदेशी निवेशकों की निरंतर बिकवाली और अमेरिका के साथ टैरिफ वार्ता में अनिश्चितता ने निवेशकों की सतर्कता बढ़ाई और बाजार को कमजोर किया। सप्ताह की शुरुआत मुनाफावसूली और विदेशी फंडों की निकासी के कारण नकारात्मक रही। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 261.39 अंक गिरकर 83,677.32 पर खुला, लेकिन दिन के अंत में 83,978.49 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 62.9 अंक गिरकर 25,659.20 पर खुला और 25,763.35 पर बंद हुआ। निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति, दूसरी तिमाही के कमजोर नतीजे और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर सतर्क रहे। सेंसेक्स 55 अंक गिरकर 83,923.48 पर खुला और 519.24 अंक गिरकर 83,459.15 पर बंद हुआ। निफ्टी 40.95 अंक गिरकर 25,722.40 पर खुला और 25,597.65 पर बंद हुआ। वहीं बुधवार को गुरुनानक जयंती के कारण बाजार बंद रहा। गुरुवार को वैश्विक बाजारों में तेजी और ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी के बावजूद सेंसेक्स 376.89 अंक बढ़कर 83,836.04 पर खुला, लेकिन दिन के अंत में 83,311.01 पर बंद हुआ। निफ्टी 81.5 अंक बढ़कर 25,679.15 पर खुला और 25,509.70 पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और वैश्विक कमजोर रुख के कारण शुक्रवार को समाप्त सप्ताह में सेंसेक्स 631.93 अंक गिरकर 82,679.08 पर खुला और 83,216.28 पर बंद हुआ। निफ्टी 184.55 अंक गिरकर 25,325.15 पर खुला और 25,492.30 पर बंद हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी निवेशकों की बिकवाली और वैश्विक अनिश्चितता के बीच निवेशक सतर्क बने हुए हैं। आने वाले हफ्तों में अमेरिकी ब्याज दर नीति और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता बाजार की दिशा तय करेंगे।

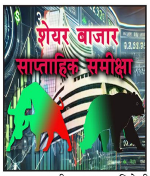

त्योहारी सीजन में ऑटो सेक्टर की रिकॉर्ड बिक्री

नई दिल्ली (एजेंसी। भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने इस साल के त्योहारी सीजन में अब तक की सबसे बड़ी खुदरा बिक्री दर्ज की है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार, 42 दिनों के त्योहारी सीजन में कुल बिक्री 21 फीसदी बढ़कर 52,38,401 यूनिट्स रही, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 43,25,632 यूनिट्स था। पैसेंजर व्हीकल्स की बिक्री 23 फीसदी बढ़कर 7,66,918 यूनिट्स पर पहुंची, वहीं टू-व्हीलर्स सेगमेंट में 22 फीसदी की वृद्धि के साथ 40,52,503 यूनिट्स बिकीं। फाडा के एक अधिकारी ने कहा कि यह त्योहारी सीजन भारत के ऑटो रिटेल इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ है। उनके अनुसार, जीएसटी 2.0 से वाहन खरीदना किफायती हुआ, जिससे खासकर मिडिल क्लास उपभोक्ताओं में कॉम्पैक्ट कारों की मांग बढ़ी। अक्टूबर माह में भी सेक्टर ने शानदार प्रदर्शन किया, खुदरा बिक्री 41 फीसदी बढ़कर 40,23,923 यूनिट्स रही। इस दौरान मारुति सुजुकी ने 18 फीसदी वृद्धि के साथ 2.39 लाख यूनिट्स बेचकर शीर्ष स्थान बरकरार रखा, जबकि हीरो मोटोकॉर्प ने 72 फीसदी की वृद्धि के साथ टू-व्हीलर सेगमेंट में नेतृत्व कायम रखा।

एसबीआई और बड़े निजी बैंक 2030 तक वैश्विक शीर्ष-10 में शामिल होने के लक्ष्य पर

नई दिल्ली (एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि आने वाले वर्षों में एसबीआई और दो बड़े निजी क्षेत्र के बैंक 2030 तक बाजार पूंजीकरण के आधार पर दुनिया के शीर्ष-10 बैंक बन सकते हैं। उन्होंने बताया कि एसबीआई का बाजार पूंजीकरण वर्तमान में 100 अरब डॉलर से ऊपर पहुंच चुका है। हालांकि अधिकारी ने निजी क्षेत्र के दो बैंकों के नाम नहीं बताए, लेकिन वर्तमान में एचडीएफसी बैंक बैंक 15.11 लाख करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक 9.59 लाख करोड़ रुपये के बाजार मूल्यांकन के साथ देश के सबसे मूल्यवान निजी बैंक हैं। एसबीआई का बाजार मूल्यांकन फिलहाल 8.82 लाख करोड़ रुपये है। संपत्तियों के आधार पर एसबीआई अभी भी भारत का सबसे बड़ा बैंक है और वैश्विक स्तर पर यह 43वें स्थान पर है। एसबीआई का यह बयान ऐसे समय आया है जब केंद्र सरकार बड़े और विश्वस्तरीय बैंक बनाने के लिए विलय की प्रक्रिया पर जोर दे रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि भारत को मजबूत वैश्विक बैंक की आवश्यकता है। एसबीआई 25,000 करोड़ रुपये की पूंजी जुटा रहा है। अधिकारी ने बताया कि यह पूंजी जुटाना विस्तार के लिए नहीं बल्कि बैंक की पूंजी स्थिति मजबूत करने के लिए है। वर्ष के अंत तक बैंक का कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो 15 फीसदी से ऊपर और टियर-1 कैपिटल 12 फीसदी से अधिक रखने का लक्ष्य है। एसबीआई में इंजीनियरिंग स्नातकों में नौकरी के प्रति बढ़ती रुचि ने बैंक को नई तकनीक अपनाने और डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने में मदद की है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। कोई जमीन-जायदाद से जुड़ा मामला आपकी टेंशनों को बढ़ाएगा। आपको किसी बेवजह के काम को लेकर भागदौड़ करने से बचना होगा। आप किसी से बिना मांगे सलाह न लें। संतान को पढ़ाई-लिखाई को लेकर कोई समस्या आ रही थी, तो आप उनके गुरुजनों से बातचीत कर सकते हैं, जिससे वह आसानी से दूर हो जाएंगे। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है, लेकिन आपको यदि कुछ दिक्कतें आ रही थी, तो वह भी दूर होंगी और आप अपने बिजनेस को लेकर किसी अनुभव व्यक्ति से सलाह मशवरा भी करेंगे। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपको किसी पुराने गलती से सबक लेना होगा, जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको किसी कोर्ट-कचहरी से संबंधित मामले में राहत मिलेगी। संतान को यदि आप कोई जिम्मेदारी देंगे, तो वह भी उस पर खरी उतरेगी। आप अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति में काफी मेहनत करेंगे। आपके और जीवनसाथी के बीच यदि कोई गलतफहमी उत्पन्न हो, तो उसे बातचीत के जरिए दूर करने की कोशिश करें।

कर्क- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। आप काम को लेकर काफी व्यस्त रहेंगे और आपके बॉस भी आपको कोई जिम्मेदारी भरा काम देंगे, लेकिन आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण थोड़ा परेशान रहेंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। भाग्य भी आपका पूरा साथ देगा। किसी दूर रह रहे परिजन से खुशखबरी सुनने को मिलेगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आप किसी वाद-विवाद से दूरी बनाकर रखें, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है। माता जी के स्वास्थ्य के प्रति आपको पूरा ध्यान देना होगा। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा, इसलिए उसमें बिल्कुल ढील न दें और प्रॉपर्टी को लेकर आपका कोई वाद-विवाद खड़ा हो सकता है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी होगी। आप अपनी माताजी से किसी बात लेकर बातचीत कर सकते हैं।

कन्या- आज का दिन जमीन-जायदाद से संबंधित मामलो में अच्छा रहने वाला है । आप अपनी आंखों और कान को खोलकर काम करें। आपको कोई गलत साबित करने की कोशिश कर सकता है। वरिष्ठ सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपने घर की साज-सज्जा पर पूरा ध्यान देंगे। आप किसी वाद-विवाद से दूरी बनाकर ही रहे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। प्रेम जीवनी जी रहे लोगों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती हैं। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। आपके मन में काम को लेकर नए-नए आइडिया आएंगे। आपके बॉस भी आपको कोई पुरस्कार या प्रमोशन आदि सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। आप यदि किसी के साथ पार्टनरशिप करेंगे, तो वह भी अच्छी चलेगी। आपके कामों से आपको एक नई पहचान मिलेगी और आप अपनी जिम्मेदारियों से बिल्कुल पीछे नहीं हटेंगे।

धनु- आज का दिन राजनीति में कार्यरत लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। नए संपर्को से आपको लाभ मिलेगा। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति का उचित मार्गदर्शन मिलेगा। आपको अपनी सेहत को लेकर थोड़ा एतियात बरतनी होगी। पिताजी से आपकी किसी बात को लेकर खटपट हो सकती हैं। यदि आप कहीं घूमने जाने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो उसमें आपको वाहनों का प्रयोग थोड़ा संभलकर करना होगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप अपने घर के जरूरी कामों को समय से निपटाने की कोशिश करेंगे। आपके कुछ पारिवारिक मामले आपको समस्या दे सकते हैं। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आप अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सफल रहेंगे। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह भी आपको मिल सकता है।

कुंभ- आज आप अच्छे कामों से लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहेंगे और आप अपने घर की मरम्मत आदि का काम भी शुरू कर सकते हैं, लेकिन आपको अपना खर्चों को थोड़ा कंट्रोल करके चलने की आवश्यकता है, अविवाहित जातकों के जीवन में उनके साथी की दस्तक हो सकती हैं। आप अपनी नौकरी को लेकर थोड़ा एतियात बरतें, इसलिए किसी भी काम को लेकर लापरवाही ना करें।

मीन- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। आपको अकस्मात लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपके घर किसी नए मेहमान का आगमन होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। यदि आपकी कोई पारिवारिक समस्या आपको लंबे समय से घेरे हुए थे, तो वह भी दूर हो सकती है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है।

शब्दजाल - 8074

शब्द जाल में 10 योद्धाओं के नाम हैं, जिन्होंने महाभारत युद्ध लड़ा था. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

ची	दु	मे	रि	द्रो	णा	चा	र्य	न	प	क
न	र्यो	शा	प	इं	डो	भी	म	या	ड़	क
अ	ध	जा	स	र	ग	स	द	ह	प	न
जी	न	ल	पा	न	दू	स	न	ह	र्जु	ल
त	या	अ	सौ	न	जा	ला	न्यु	अ	प	दे
आ	यु	इ	मो	व	प	म	क	ह	यु	बां
ग	धि	ल	ह	च	भि	रि	पा	व	प	ग
र	ष्ठ	भा	त्क	अ	प	स	रा	ब्रा	वि	ला
क	र	टो	तें	व	न	क	र्ण	शा	जू	दे
र	घ	ल	प	व	सिं	ल	र	अ	प	श
बां	स	ल	भी	ष्म	पि	ता	मा	ह	क	र

युधिष्ठर, घटोत्कच, अभिमन्यु, अर्जुन,भीम, दुर्योधन, भीष्म पितामाह, द्रोणाचार्य, कर्ण, दुशासन.

शब्दजाल - 8073 का हल

म	क	मु	ग	ल	दो	चो	र	म	ल	ध
ले	वि	ल	नी	ला	आ	का	श	ह	श	ड़
ल	अ	ल	म	दी	छ	स	आ	दे	ख	क
का	स	न	न	दि	वा	स	रा	ल	श	क
र	आ	दो	प	ल	ज	मे	तू	ग	झ	न
या	क	द	र	ढ़	व	उ	शी	ण	ल्ला	क
ती	या	ल	मी	गां	प	मो	व	सु	जू	बै
क	म	ऊ	रा	द	खा	क	या	ए	श	क
क	त	मे	प	ई	गी	जि	री	औ	प	य
क	गॉ	ल	प	लि	र	त	ऐ	ओ	प	की
क	ड	रा	जा	जा	नी	स	व्य	ब	प	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7018

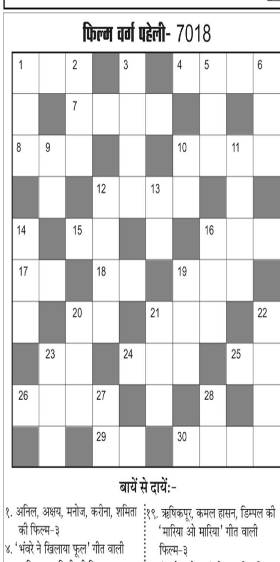

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'ऑखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 7017

बा	रू	द		र		का	ला	पा	नी
बु		रा	व	ण	रा	ज		प	
ल	की	र		भू		ल	क्ष्य		ह
	म		दा	मि	नी			खे	ल
जी	त		मा		य	ती	म		च
वा		कु	द	र	त		हा	सि	ल
	मि	ली		ज		जी	न	त	
जीं	स		सु	नी	ल			म	न
	मे	ला		गं			जा		सी
नू	री		अं	धा	का	नू	न		ब

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

9 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

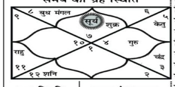

ग्रह स्थिति	
सूर्य	तुला में
चंद्र	मिथुन में
मंगल	वृश्चिक में
बुध	वृश्चिक में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक	06.47 ब.से
धनु	09.03 बजे से
मकर	11.08 बजे से
कुंभ	12.55 बजे से
मीन	14.28 बजे से
मेष	15.58 बजे से
वृष	17.38 बजे से
मिथुन	19.36 बजे से
कर्क	21.50 बजे से
सिंह	00.06 बजे से
कन्या	02.18 बजे से
तुला	04.28 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 313 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण
तिथि पंचमी 01.56 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 20.05 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 15.02 बजे को समाप्त।
करण कौलव 15.06 बजे तदनन्तर तैतिल 01.56 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 18.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 16° 52'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872523
जूलियन दिन 2460988.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल **तारीख** 17

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः नियम सबके लिए है

बात सन 1885 की है। पूना के न्यू इंग्लिश हाईस्कूल में समारोह हो रहा था। प्रमुख द्वार पर एक स्वयंसेवक नियुक्त था, जिसे यह कर्तव्य-भार दिया गया था कि आनेवाले अतिथियों के निमंत्रण पत्र देखकर उन्हें सभा-स्थल पर यथास्थान बिठा दे। इस समारोह के मुख्य अतिथि थे मुख्य न्यायाधीश महादेव गोविंद रानडे। जैसे ही वह विद्यालय के द्वार पर पहुँचे, वैसे ही स्वयं सेवक ने उन्हें अंदर जाने से शालीनतापूर्वक रोक दिया और निमंत्रण-पत्र की माँग की। 'बेटे! मेरे पास तो निमंत्रण-पत्र नहीं हैं,' रानडे ने कहा। 'क्षमा करें, तब आप अंदर प्रवेश न कर सकेंगे,' स्वयंसेवक का नम्रतापूर्ण उत्तर था। द्वार पर रानडे को देखकर स्वागत समिति के कई सदस्य आ गए और उन्हें अंदर मंच की ओर ले जाने का प्रयास करने लगे। पर स्वयंसेवक ने आगे बढ़कर कहा, 'श्रीमान! मेरे कार्य में यदि स्वागत-समिति के सदस्य ही रोड़ा अटकाएँगे तो फिर मैं अपना कर्तव्य कैसे निभा सकूँगा? कोई भी अतिथि हो उसके पास निमंत्रण-पत्र होना ही चाहिए। भेद-भाव की नीति मुझसे नहीं बरती जाएगी।' यह स्वयंसेवक आगे चलकर गोपाल कृष्ण गोखले के नाम से प्रसिद्ध हुआ और देश की बड़ी सेवा की।

सूडोकु नवताल- 7327

★★★☆☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1		7	6			4	
	9		4				3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7326 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 8542

बाएँ से दाएँ

1. ध्वज,पताका-2
4. वहम,संदेह-2
6. दलहन-2
7. खाली,रिक्त-2
9. रसूल,अल्लाह-3
12. अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14. सिवाय,बगैर-3
16. इराक की राजधानी-4
17. समधी की पत्नी-4
18. पीसना,महीन करना-3
20. उष्ण,गर्म-3
22. उत्तम,विष्णु अवतार-3
24. परत,तह-2
26. खेती-2
27. अधर,होठ-2
28. ताऊ की पत्नी,बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे

1. जल प्रपात-3
2. आईल-2
3. हूर,अप्सरा-2
5. सूक्ति,वाणी,शबद-3
6. पिता के पिता-2
8. स्टार,सितारा-2
10. रोचक,सुंदर,मनोहारी-5
11. शीतलता,मुठभेड़-2
13. सतरंगा,शंकर धनुष-5
14. सिर्फ एक,एकमात्र-3
15. हवस,कामेच्छा-3
19. लाख-2
20. जहर,विष-3
21. आनंदित,मनमौजी-2
22. मुनि,साधू-2
23. अच्छाई,सदशयता-3
25. सुरक्षा-2
26. कीड़ा,कीट-2

शब्द पहेली -8541 का हल

	जी	स	स		ग	ब	रु	
न	भ		ज		र		त	ह
जा			ग	र	ज	ना		ल
रा	ह	त		स्म		म	ह	क
		र	ज		गां	ची		
ज	न	क		खा		न	स	ल
मी		श	ब	न	म			ह
न	म		हा		ज		जो	र
	त	ल	ना		मा	लि	श	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी-रिसेवाड़ा मार्ग पर दो मोटरसाईकिलों की टक्कर, तीन घायल; एक रेफर

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी-रिसेवाड़ा मार्ग पर ग्राम सवारी के चौक के पास शनिवार को दो बाइकों की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल एंबुलेंस 108 को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची एम्बुलेंस ने घायलों को सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद एक घायल को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।

घटना के प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों के अनुसार, रिसेवाड़ा की ओर से लांजी आ रहे बाइक सवार कमलेश देवगढ़े (निवासी ग्राम कटंगी) ने विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार नेहरू लाल लिल्हारे (निवासी ग्राम सावरी खुर्द) और गोपाल दास मंडले (निवासी ग्राम डोंगरगांव) की बाइक को तेज रफ्तार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और सवार सड़क पर जा गिरे।

हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए और घायलों को तत्काल सहायता प्रदान की। एंबुलेंस 108 के पायलट पप्पू पांडे ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर घायल कमलेश देवगढ़े और गोपाल दास मंडले को सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया। तीसरे घायल नेहरू लाल लिल्हारे को भी स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल लाया गया।

सिविल अस्पताल लांजी में चिकित्सा टीम ने तत्काल सभी घायलों का उपचार शुरू किया। प्राथमिक जांच में गोपाल दास मंडले की हालत गंभीर पाई गई, जिसके चलते उन्हें उच्च चिकित्सा सुविधा के लिए रेफर कर दिया गया। कमलेश देवगढ़े और नेहरू लाल लिल्हारे का उपचार अस्पताल में ही जारी है। चिकित्सकों के अनुसार, दोनों की स्थिति स्थिर है, लेकिन निगरानी में रखा गया है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मुआयना किया और दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी के अनुसार, दोनों बाइक सवारों के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का प्रकरण दर्ज किया जाएगा। दुर्घटना के सटीक कारणों की जांच जारी है।

ग्रामीणों ने बताया कि उक्त मार्ग पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने प्रशासन से सड़क पर स्पीड ब्रेकर और यातायात नियमों के सख्त पालन की मांग की है।

तेज रफ्तार मोटरसाइकिल चालक को टक्कर मारकर हुआ फरार

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के ग्राम मनेरी बड़गांव के बीच घटित हुये सड़क हादसे में दो लोगो के घायल होने की जानकारी प्राप्त हुई जिसमें से एक को गोंदिया रिफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 नवंबर को शाम करीब 6=30 बजे मनेरी बड़गांव के मध्य साडरा की ओर से आ रहे चुन्नीलाल पिता नंदलाल कारसर्पे उम्र 45 वर्ष अपनी पत्नि व बच्चे के साथ साडरा से मनेरी अपनी बहन के घर जा रहे थे इसी दौरान मनेरी से बड़गांव की ओर एक मोटर सायकल सवार तेज गति से लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुये आया और चुन्नीलाल कारसर्पे को टक्कर मारकर फरार हो गया। स्थानीय लोगो के द्वारा चुन्नीलाल और उसके परिवार को निजी वाहन से सिविल अस्पताल लांजी लाकर उपचार हेतु भर्ती किया गया। जहां चुन्नीलाल को सर पर गंभीर चोटे आई है तथा पत्नि और बच्ची को मामूली चोटे आई है डाक्टर अक्षय उपराड़े के द्वारा चुन्नीलाल का प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल गोंदिया रिफर किया गया।

बतादे कि बालाघाट पुलिस के द्वारा हेलमेट अभियान चलाया जा रहा है जिसका लोग परिपालन नही करते तथा ऐसी दुर्घटनाऐं देखने में आती है। यदि चुन्नीलाल ने वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग किया होता तो उन्हे सर पर गंभीर चोट नही आती। यही कारण है कि पुलिस लगातार समझाईश दे रही है कि हेलमेट का प्रयोग कर अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा करे। दुसरी ओर यह भी ज्ञात हुआ है कि जो व्यक्ति मार कर फरार हुआ है उसके द्वारा शराब का सेवन किया गया था इस संदर्भ में भी लगातार समझाईश दी जा रही है कि शराब का सेवन कर वाहन ना चलाये क्योंकि आपके शराब के सेवन करने से वाहन चलाने से दो परिवारो पर मुसिबत आती है एक तो स्वयं दुर्घटना का शिकार होते है तथा सामने से आ रहे वाहन को भी अपनी चपेट मे लेकर उस परिवार को भी मुसिबत में डाल देते है। वहीं पुलिस प्रशासन भी इस ओर ध्यान दे कि लगातार शराब पीकर वाहन चलाने वालो पर कार्यवाही की जाये।

रामभाऊ कुशले पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वार्ड क्रमांक 9 लोधी मोहल्ला निवासी सेवा निवृत्त पटवारी रामभाऊ कुशले का 93 वर्ष की आयु में 7 नवंबर को रात्रि 8 बजे निधन हो गया है। जिनका अंतिम संस्कार 8 नवंबर दिन शनिवार दोपहर 1 बजे कोटेश्वर मोक्षधाम में किया गया। आप अपने दो पुत्र विजय कुशले, राजकुमार कुशले एवं 6 पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। इनके निधन पर परिजनों, नाते रिश्तेदारों इष्ट मित्रों ने दुःख प्रकट कर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की है।

सावरीकला में पंचायत भवन व सभामंचों का हुआ लोकार्पण

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी जनपद पंचायत क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत सावरीकला में 8 नवंबर को पंचायत स्तर पर निर्मित विविध निर्माण कार्यो का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक हिना लिखीराम कावरे, जनपद अध्यक्ष अर्चना खोंगल, देवेन्द्र खोंगल पूर्व अध्यक्ष, अजय अवसरे उपाध्यक्ष जनपद लांजी, ज्योति उमरे जिला पंचायत सदस्य, ललित कबीरे सरपंच संघ अध्यक्ष, रेवाजी करहाटकरे, दिनेश लाड़े, राम ठाकरे, गणेश बागड़े, प्रभुदयाल किरमे, मुकेश जोशी, मनीष जुझार, श्रीमती रीता रावते, तिलक पटले, अशोक पटले, रतनलाल पटले, देवराज पटले, महेन्द्र बोरकर, सोमाजी कारसर्पे, सरपंच ओंकार रहांगडाले की उपस्थिती कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अतिथियो के द्वारा पूजन अर्चन कर किया लोकार्पण

लोकार्पण समारोह के द्वारा पंचायत स्तर निर्मित पंचायत भवन लागत 24 लाख 82 हजार, हनुमान चौक सावरीकला सभा मंच लागत 2 लाख रूपये, माध्यमिक शाला सावरीकला में सभामंच लागत 3 लाख 50 हजार रूपये के निर्माण कार्यो का लोकार्पण विधि विधान से उक्त अतिथियो के हस्ते किया गया, पुजारी के द्वारा पूजा अर्चना की जाकर मुख्य अतिथि हिना लिखीराम कावरे के द्वारा नवीन पंचायत भवन फीता काटकर लोकार्पण किया गया। मंचासीन आयोजन के तहत उक्त अतिथियों के द्वारा सभा को संबोधित किया गया जिसमें पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेन्द्र खोंगल, अजय अवसरे, ज्योति उमरे, दिनेश लाड़े, रेवाजी करहाटकरे, राम ठाकरे, ललित कबीरे, के द्वारा सभा को संबोधित करते हुये विपक्ष के कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह उठाये गये तथा किसानों की हित में विशेष चर्चा की गई।

भाजपा की वोटो की फसल बर्बाद होने पर ही किसानों को मिलेगा फसल बीमा- हिना कावरे

सभा को संबोधित करते हुये पूर्व विधायक हिना कावरे के द्वारा क्षेत्र किसानों की बात की गई तथ कहा कि कांग्रेस हर समय किसान भाईयों के साथ है उनकी हर परेशानी के साथ हम खडे रहेंगे। आपने बताया कि किसानों को फसल बीमा का लाभ तब मिलेगा जब चुनाव में भाजपा के वोटो की फसले चुनाव मे बर्बाद होते नजर आयेगी तो ये भाजपा वाले किसानों को फसल बीमा का लाभ देंगे। इसके पहले आपको यह लाभ नही मिलने वाला है। आज किसान परेशान है बे मौसम बारिश से, कीट व्याधि जिसका अब तक सही ढंग से ना तो सर्वे किया गया है और ना ही मुआवजा मिला है और ना ही मिलने की संभावना दिख रही है। कार्यक्रम के अंत में सरपंच ओंकार रहांगडाले के द्वारा समस्त आंगतुको का आभार व्यक्त कर धन्यवाद प्रेषित किया गया।

लांजी क्षेत्र में मण्डई मेले की धूम

बेलगांव में राऊत नाचा और लठ्ठबाजी ने बिखेरा संस्कृति का रंग

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में दीपावली पर्व से मण्डई मेले का दौर प्रारंभ हो जाता है। लांजी क्षेत्र मण्डई मेला एक अलग स्वरूप में संचालित होता है पूर्व से चली आ रही परंपराओं की बात की जाये तो यह मण्डई मेला पर्व एक मिलन का पर्व है जहां नाते, रिश्तेदार, ईष्ट मित्रों का मिलन होता है एक दुसरे को अपने अपने ग्रामो की मण्डई मेले में आमंत्रित करते है। खान पान के साथ साथ दो परिवारों मांगलिक कार्यो का भी मिलन यह मण्डई मेला है जो कि अब बडे स्वरूपो में भी दिखाई देने लगा है। लांजी के अनेको क्षेत्रो के साथ साथ वनांचल क्षेत्रो में भी अब मण्डई मेले का आयोजन होने लगा है बतादे कि पूर्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रो के ग्रामों में मण्डई मेले का आयोजन नही किया जाता था लेकिन अब जब सुरक्षा बलो के द्वारा नक्सल समस्या से निजाद दिला दी गई है तो अब वनांचल क्षेत्रों में मण्डई मेले का आयोजन भव्यता के साथ किया जाने लगा है। इसी कड़ी में लांजी क्षेत्र नक्सल प्रभावित ग्रामो में से एक ग्राम बेलगांव में 7 नवंबर को माँ शीतला नव युवक मण्डई मेला समिति के द्वारा ग्राम में मण्डई मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक राजकुमार करहि, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, जिला उपाध्यक्ष अजय मेश्राम, भाजपा मण्डल अध्यक्ष लांजी आलोक चौरसिया, बिसोनी अध्यक्ष देवेश ऐडे, भाजपा महामंत्री गौरव बैस, वरिष्ठ भाजपा नेता सुरजदीन गुप्ता, रामकिशन मातरे, सीताराम बाहे, रामप्रसाद बाहे, झुमकलाल टीकेश्वर , जयपाल मातरे, सेवकराम यादव, साहुकार चंद अग्रवाल, सरपंच श्रीमती सुमित्रा लक्ष्मीचंद आचरे, महेश चौधरी जनपद सदस्य, लक्ष्मीचंद आचरे, बरसाती परते के आतिथ्य में कार्यक्रम का आयोजन शाम 5बजे

से आयोजित किया गया।

राऊत नाचा एवं लठ्ठबाजी रही आकर्षण का केन्द्र

ग्रामो में मण्डई मेले का अपना ही एक अलग आनंद और अनुभव है साथ ही वनांचल क्षेत्रो के ग्रामो की बात की जाये तो यहां वर्षो पुरानी परंपरा सांस्कृति लोक नृत्य आदि आपको देखने को मिलेगा जो कि आज शहरो की चकाचौंध मे खो चुकी है। ऐसा ही एक सांस्कृतिक लोक नृत्य का अनुभव ग्राम बेलगांव मे देखने को मिला यादव और गोवारे समाज के सदस्यो के द्वारा राऊत नाचा का बखुबी प्रदर्शन किया गया इसी के साथ लठ्ठबाजी कला का भी प्रदर्शन ग्रामीण जनों के द्वारा किया गया जिसे उपस्थित अतिथि विधायक राजकुमार करहि एवं पूर्व विधायक रमेश भटेरे ने खुब सराहा तथा दोनो ही दल को अपनी ओर पारितोषित राशि प्रदान कर प्रदर्शन की सराहना की। साथ ही विधायक राजकुमार करहि एवं पूर्व विधायक रमेश भटेरे के द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुये वनांचल क्षेत्र के विकास की बात की है। वहीं आपके द्वारा युवाओ से कहा गया कि नशे से दुर रहे यह नशा आप लोगो को विनाश की ओर लेकर जायेगा। कार्यक्रम के अंत में समिति के सदस्यो के द्वारा अतिथियो, ग्रामीण जनों का आभा व्यक्त किया गया इस दौरान माँ शीतला नवयुवक मेला मण्डई समिति अध्यक्ष अशोक मरकाम, सचिव गौतम गोस्वामी, प्रेम मातरे, अजय मातरे, देवान बाहे, सरेलाल पांचे, हरिराम मातरे, सलीम बेग, परवेज शेख, संजय मातरे, संजय टीकेश्वर, छबीलाल टीकेश्वर, राजा तांडेकर, दिग्विजय अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, महेश टीकेश्वर, विनोद पांचे, भागचंद बागड़े, अनिल बाहे, शंकर सिरसाम, सतीश चौधरी, श्रीचंद केशव, सुखचंद टीकेश्वर, सुरेश आचरे, टीकेश्वर गोस्वामली, विकेश गोस्वामी, विशाल अग्रवाल, उमेश टीकेश्वर, महेश नेवारे, राजकुमार नेवारे अन्य समिति सदस्य के द्वारा आयोजन किया गया। रात्रि बेला में लोककला सांस्कृति मंच सुरता का का आयोजन किया गया जिसे नरेन्द्र जलछत्री ने अपने ×8 कलाकारो के साथ प्रस्तुती दी। जिसमें बडी संख्या में वनांचल क्षेत्र के ग्रामो के ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने भानेगांव में आयोजित किया दीपावली मिलन समारोह

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के सेक्टर भानेगांव में 7 नवंबर दिन शुक्रवार को दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। उक्त दीपावली मिलन समारोह शीतला माता मंदिर भानेगांव में सरपंच राम देवीचरण ठाकरे के आतिथ्य में एवं एस आर ठाकरे की अध्यक्षता में किया गया। बैठक का शुभारंभ मां शीतला माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर किया गया। इस दौरान भानेगांव सेक्टर व अन्य सेक्टर से पधारे पेंशनर्स साथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। बैठक में सभी पेंशनर्स साथियों से अनुरोध किया कि अपने क्षेत्र में अभियान चलाकर सभी नये पेंशनरों को संघ से जोड़ें। इस दौरान नये पेंशनर एस एल जोशी एवं पूरनलाल उइके का श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया एवं संघ की सदस्यता प्रदान की गई.पेंशनर्स संघ के सचिव आई एस चौहान ने संघ की विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही आगामी 10 नवंबर दिन सोमवार को मां गायत्री शक्तिपीठ लांजी के सभागार में दिपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया है, जिसमें सभी पेंशनर्स साथियों को उपस्थित होने की अपील की। इस दौरान एस आर ठाकरे, आई एस चौहान, एन एल बसेना, जी डी बेदरे, बी के पारधी अध्यक्ष भानेगांव, डी आर बनोठे, लखाराम लिल्हारे, उमंग प्रसाद कबीरे, बी आर ढोक, जी आर भण्डारकर, लखनलाल मुछावड़, टेकचंद बिहोने, धनीराम सोनवाने, आई सी ब्रम्हपुरे, हेमूप्रसाद दुबे, हृदयराम राहंगडाले, सोनी प्रसाद टेंभरे, मुरलीधर बेदरे, मेहतलाल खोबरागड़े, श्यामदेव येरपुड़े, पूरनलाल अवसरे सहित अनेक पेंशनर्स साथी उपस्थित थे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कांग्रेस ने केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर लगाए गंभीर आरोप,

एसआईआर से वोटर लिस्ट में हेराफेरी

भोपाल। राहुल गांधी के मध्य प्रदेश दौरे से पहले शनिवार को कांग्रेस ने संयुक्त प्रेसवार्ता कर केंद्र सरकार और भारत निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। पार्टी नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया के नाम पर मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हेराफेरी कर रही है। कांग्रेस ने इस प्रक्रिया को लोकतंत्र पर सीधा हमला बताया और इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान में विशाल रैली आयोजित की जाएगी और 5 करोड़ से अधिक हस्ताक्षरों के साथ राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा जाएगा। प्रेसवार्ता में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और एसआईआर कमेटी के चेयरमैन सज्जन वर्मा मौजूद रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि एसआईआर के नए नियमों में नागरिकों से नागरिकता का प्रमाण मांगा जा रहा है, जो गरीब, बेघर और वंचित वर्गों के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची तैयार

करना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है, न कि नागरिकों से नागरिकता साबित करने की मांग करना। दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि बिहार में 62 लाख वोटरों के नाम काटे गए हैं, जिनमें अधिकांश अल्पसंख्यक समुदाय के हैं। भाजपा इसे 'घुसपैठ रोकने' के नाम पर राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के समय 88 हजार घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें बाहर किया गया था, जबकि एनडीए सरकार ने 2014 से अब तक केवल 2400 लोगों की पहचान की है, जो कुल का मात्र 3 प्रतिशत है।

चुनाव घोषणा के दिन वोटर लिस्ट फ्रीज हो

दिग्विजय सिंह ने कहा कि देश के हर पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल होना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है, लेकिन आयोग यह जिम्मेदारी निभाने में असफल रहा है। उन्होंने मांग किया कि वोटर लिस्ट मशीन-रीडेबल फॉर्मेट में उपलब्ध कराई जाए। मतदाता सूची में नाम जोडऩे के लिए आधार कार्ड को मान्य दस्तावेज माना जाए। जिस दिन चुनाव की घोषणा हो, उसी दिन मतदाता सूची फ्रीज कर दी जाए। इसके बाद किसी का नाम न जोड़ा जाए और न हटाया जाए।

मध्यप्रदेश में 50 लाख नाम काट दिए जाएंगे

उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार बीजेपी के एजेंट के रूप में काम कर रहे है। जिनका काम कट रहा है उनकी जानकारी राजनीतिक दल और वेबसाइट पर डाला चाहिए। एसआईआर में मध्यप्रदेश में 50 लाख नाम काट दिए जाएंगे। मेरी विधानसभा में कल तक सिर्फ 20 हजार फॉर्म बंटे हैं। आरएसएस मानसिकता के शिक्षक को एसआईआर की जिम्मेदारी दी गई है। आरएसएस मानसिकता के शिक्षक कांग्रेस से जुड़े वोट काटेंगे। आरएसएस से जुड़े शिक्षक को क्यों नहीं रोका गया।

फॉर्म में नागरिकता से जुड़े दस्तावेज मांगे जा रहे

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा- स्ढ्ढक्र के नए नियम बनाये वो पुराने वाले से अधिक। नागरिक होने का प्रमाणपत्र मांगे जा रहे है। पहले घर घर जाकर बीएलओ फॉर्म भरवाते थे, अब बीएलओ घर जाकर फॉर्म दे रहे हैं और बाद में भरा हुआ लेंगे। जिसका नाम वोटर लिस्ट में नहीं क्या वो देश का नागरिक नहीं। बिहार में 62 लाख नाम कटे और पहले फेस में कई लोगों ने कहां हमारे नाम वोटर लिस्ट में नहीं तो क्या वो नागरिक नहीं हैं। फॉर्म में नागरिकता से जुड़े दस्तावेज मांगे जा रहे हैं।

बीजेपी सिर्फ 2400 घुसपैठिये ढूढ़ पाई

बीजेपी शासन में सिर्फ 2400 घुसपैठिये ढूढ़ पाई है। यूपीए सरकार में हमने 84 हजार लोगों को बाहर किया था जो घुसपैठियों थे। यूपीए सरकार में जितने हमने घुसपैठिये पता लगाए थे उसका ये 3 फीसदी भी नहीं है। चुनाव की घोषणा होते ही वोटर लिस्ट को फ्रीज कर देना चाहिए। ना उसमें नाम कटना चाहिए ना उसमें बढऩा चाहिए। पोलिंग बूथ पर अलग वोटर लिस्ट और उम्मीदवार को अलग वोटर लिस्ट मिल रही है। दिग्विजय ने सवाल उठाया कि- अलग-अलग वोटर लिस्ट क्यों?

ब्राजील की मॉडल भी अब हमारी वोटर

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के नाम पर मध्य प्रदेश में 50 लाख से अधिक वोटरों के नाम काटने की तैयारी है, जिनमें अप्रवासी, आदिवासी और अन्य वर्गों के लोग शामिल हैं। उन्होंने तंज कसा कि वोट चोरी अब अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गई है, ब्राजील के मॉडल भी अब हमारे देश के वोटर बन चुके हैं। इससे बड़ा फर्जीवाड़ा और क्या हो सकता है। उमंग सिंघार ने कहा कि कांग्रेस को इंतजार है कि चुनाव आयोग राहुल गांधी के साथ बैठक कर वोटर लिस्ट की समीक्षा कब करेगा।

1 जनवरी से हो जाएंगी भोपाल सहित सभी जिलों की सीमाएं फ्रीज

-मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के साथ जनगणना 2027 की भी तैयारी शुरू, पहले मकानों का सूचीकरण होगा, फिर गणना भी होगी

भोपाल। एक तरफ जहां अभी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण सर्वे का काम आयोग ने शुरू करवाया है, वहीं केन्द्र सरकार ने पिछले दिनों सभी राज्यों को पत्र भेजा, जिसमें निर्देश दिए गए कि 1 अप्रैल से मकानों के सूचीकरण की प्रक्रिया जनगणना के तहत होना है, उसके पूर्व 1 जनवरी से सभी जिलों की सीमाएं फ्रिज कर दी जाएंगी। यानी उसके पहले 31 दिसम्बर तक निगमों, राजस्व गांवों, तहसीलों, उपमंडलों या जिलों की सीमाओं में अगर कोई बदलाव करना है तो उसका प्रस्ताव भिजवाएं। जनगणना का जब कार्य चलेगा, तब सीमाओं में कोई बदलाव मंजूर नहीं किया जाएगा। प्रदेश सरकार तीन और नए जिले और एक संभाग बनाने की तैयारी में भी जुटी है।

फिलहाल भोपाल सहित प्रदेश में 55 जिले हैं और आने वाले समय में तीन और जिले एक संभाग की व्यवस्था और हो सकती है। राजधानी भोपाल में पांच नई तहसीलें जोडऩे और इंदौर संभाग से खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर को अलग कर एक नया संभाग बनाया जा सकता है। कुछ समय पूर्व ही शासन ने राज्य प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग को इसका जिम्मा सौंपा है और जनगणना से पहले सीमाओं को तय करने का काम भी चल रहा है और दो दर्जन से अधिक जिलों में यह काम हो चुका है और शेष जिलों में सर्वे जारी है। ड्रोन और सेटेलाइट सर्वे से यह सीमांकन किया जा रहा है। वहीं जनगणना का प्री-टेस्ट भी तीन जिलों में शुरू कराया जा रहा है, जिसके लिए ग्वालियर, रतलाम और सिवनी का चयन किया गया है। 10 से 30 नवम्बर के बीच यह प्री-टेस्ट होगा, जिससे मैदानी चुनौतियां किस तरह की आएंगी उसकी जानकारी एकत्रित की जाएगी। इसके बाद फिर सभी जिलों में जनगणना की प्रक्रिया शुरू होगी। पिछले दिनों ही भारत के महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त ने निर्देश जारी कर मध्यप्रदेश में प्रशासनिक सीमाओं में जो भी बदलाव करना है उसकी समय सीमा 31 दिसम्बर तक तय कर दी और उसके बाद फिर 1 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2027 तक जिलों, तहसील, गांवों की सीमाओं में कोई बदलाव नहीं किया जा सकेगा। इसके चलते शासन ने भी नगरीय विकास और आवास, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास के अलावा राजस्व विभाग को 31 दिसम्बर तक सीमाओं में बदलाव की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में ही राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय समिति का गठन किया गया है। यह समिति प्रदेश में जनगणना के सुचारू एवं सफल संचालन करेगी। समिति में 12 विभागों के एसीएस, पीएस को शामिल किया गया है। निदेशक, जनगणना कार्य भोपाल को संयोजक और सदस्य सचिव बनाया है।

दो चरणों में होगा जनगणना का काम

जनगणना 2027 का काम दो चरणों में होगा। पहले में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का काम अप्रेल से सितंबर 2026 के बीच, राज्य शासन द्वारा निर्धारित 30 दिन की अवधि में पूरा किया जाएगा। दूसरे चरण में जनसंख्या की गणना 9 से 28 फरवरी 2027 की अवधि में किया जाएगा। जनगणना 2027 के लिए संदर्भ तिथि एक मार्च 2027 की रात 12 बजे होगी। अभी 3 जिलों में जनगणना का प्री-टेस्ट यानी अभ्यास भी 10 नवम्बर से शुरू हो रहा है, ताकि इसके जरिए यह पता लगाया जाएगा कि मैदानी अमले को किस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिसकी रिपोर्ट केन्द्रीय मंत्रालय को भेजी जाएगी और उसके बाद वहां से मिले निर्देशों के तहत सभी जिलों में यह कार्य शुरू होगा, जिसमें भाग लेने वाले कर्मचारियों को विधिवत प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह भी उल्लेखनीय है कि पहली बार देश में डिजीटल जनगणना होगी, जिसमें अप्रैल से सितम्बर 2026 के बीच मकानों की गणना होगी और उसके बाद व्यक्तियोंकी गणना का अभियान शुरू होगा। जनगणना के लिए सभी गांवों-कस्बों को एकसमान ब्लॉक में विभाजित किया जाएगा और हर ब्लॉक के लिए एक गणनाकर्ता नियुक्त होगा। 1 अप्रैल से मकान सूचीकरण कार्य पर्यावेक्षकों और गणनाकारों की नियुक्ति पूरी की जाएगी और उसके बाद फिर 1 फरवरी 2027 से जनगणना का एक बड़ा अभियान शुरू होगा। मौजूदा सीमाओं में अगर किसी भी तरह का बदलाव किया जाता है तो उसकी सूचना राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के जनगणना निदेशालयों और भारत के पंजीयकों को अभी 31 दिसम्बर 2025 तक भेजना होगी। उल्लेखनीय है कि दो चरणों में जनगणना आयोजित की जाएगी।

पचमढ़ी पहुंचे राहुल गांधी का कांग्रेस नेताओं ने किया भव्य स्वागत

भोपाल। कांग्रेस के संगठन सृजन प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशन पचमढ़ी पहुंचे। उनके आगमन पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जोशीला स्वागत किया।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का हेलीकॉप्टर दोपहर बाद पचमढ़ी हेलीपैड पर उतरा, जहां राज्यसभा सदस्य अशोक सिंह, वरिष्ठ नेता संजय शर्मा, सुखदेव पांसे और अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। इससे पहले वे भोपाल एयरपोर्ट पहुंचे थे, जहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने उनका स्वागत किया। इस दौरान राहुल गांधी खाकी ट्राउजर और सफेद टी-शर्ट में नजर आए। वे पचमढ़ी में प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और जिलाध्यक्षों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी का फोकस संगठन की मजबूती, आगामी नगरीय निकाय चुनावों की रणनीति, और वोटर लिस्ट के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) पर रहेगा।

कांग्रेस सूत्रों ने बताया, कि राहुल गांधी जिलाध्यक्षों से वन-टू-वन बातचीत करेंगे, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों की राजनीतिक स्थिति, संगठन की ताकत और स्थानीय चुनौतियों पर खुलकर बात कर सकें। इसके बाद सभी जिलाध्यक्षों के साथ वे डिनर मीटिंग भी करेंगे। इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, अरुण यादव, और अजय सिंह पचमढ़ी पहुंच चुके हैं। राहुल गांधी के सत्र से पहले राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा का एक प्रेजेंटेशन भी होगा। इस मौके पर उमंग सिंघार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, कि राहुल गांधी जनता की सशक्त आवाज हैं।

नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन के नाम से फर्जी आई डी बनाकर मांगे 50 हजार

वाट्सएप पर फोटो लगाकर की रकम की डिमांड

- कमिश्नर ने लोगो से अपील कर किया जागरुक

भोपाल। राजधानी भोपाल की नई नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन के नाम का इस्तेमाल कर सायबर ठगो द्वारा लोगो से ऑनलाइन ठगी किये जाने के प्रयास का मामला सामने आया है। अज्ञात ठग ने वाट्सएप पर निगम कमिश्नर की फोटो लगाकर कर्मचारियों से 50 हजार रुपये की मांग की। हालांकि बीते दिनो प्रदेश के कई आला अफसरो के नाम पर किये जा रहे इस तरह के मामलो को लेकर आमजन मे जागरुकता आई है। इसी कारण ठग रकम ऐठंने में कामयाब नहीं हो सके। वहीं इसकी जानकारी मिलने पर कमिश्नर ने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। अज्ञात आरोपी ने सोशल मीडिया के माध्यम जानकारी निकालकर नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर वाट्सएप पर उनके नाम से रिश्तेदार और परिचितो को मैसैज भेजे। आरोपी ने पहले उनसे हालचाल जाना और फिर खुद को बैठक में व्यस्त बताते हुए निगम के स्टाफ के दो लोगों से अपने निजी काम के लिए 50 हजार रुपये की मांग की। अज्ञात जालसाज ने मैसैज में कहा ऑनलाइन बैंक ट्रांसफर में कुछ समस्या आने की बात कहते हुए 50 हजार रुपए की रकम एचडीएफसी बैंक में रिया इकरोया नाम के व्यक्ति के अकाउंट में ट्रांसफर करने को कहा। संदेह होने पर एक नजदीकी ने फोन पर निगम कमिश्नर को इस सबंध में जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सूचना दी और लोगों को जागरूक करने इंटरनेट मीडिया के जरिये मैसेज वायरल कर जागरुक किया। निगम कमिश्नर जैन ने कहा की यदि कोई मेरे नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर और मेरी फोटोयुक्त डीपी लगाकर पैसे की मांग करता है तो उसे इग्नोर करें और मुझे अवगत भी कराएं।

वोट चोरी के विरोध में कांग्रेस ने प्रदेश में कराए 37 लाख हस्ताक्षर

भोपाल । वोट चोरी के विरोध में मध्यप्रदेश में कांग्रेस के द्वारा 37 लाख नागरिकों के हस्ताक्षर कराए गए हैं। अब कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर दिल्ली के रामलीला मैदान पर रैली करने जा रही है। इसके बाद में देशभर के सांसद और विधायक राष्ट्रपति से इस मुद्दे पर मिलेंगे। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के द्वारा उठाए गए वोट चोरी के मामले को लेकर पूरे प्रदेश में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश में 37 लाख नागरिकों के हस्ताक्षर कराए गए हैं। हस्ताक्षर के सारे दस्तावेज भोपाल से दिल्ली रवाना किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि दिल्ली में कांग्रेस के द्वारा 25 से 30 नवंबर के बीच में रामलीला मैदान पर एक बड़ी रैली का आयोजन किया जा रहा है। इस रैली के माध्यम से वोट चोरी को रोकने के लिए आवाज उठाई जाएगी। इसके साथ ही देशभर के सभी सांसद और विधायक जाकर राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे और वोट चोरी को रोकने के लिए कदम उठाने की मांग करेंगे।

ई अटेंडेंस के नाम पर कर्मचारियों का शोषण कर रहे हैं अधिकारी

-मप्र कर्मचारी मंच की मांग ई अटेंडेंस के नाम पर अस्थाई कर्मचारियों का वेतन न काटा जाए

भोपाल। प्रदेश के शासकीय विभागों के अधिकारी ई अटेंडेंस के नाम पर अस्थाई कर्मचारियों का शोषण कर रहे हैं। इस कारण अस्थाई कर्मचारियों के मानव अधिकारों का हनन हो रहा है। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि ई अटेंडेंस के नाम पर अस्थाई कर्मचारियों का वेतन न काटा जाए। ई अटेंडेंस प्रणाली केवल प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों एवं तृतीय श्रेणी कर्मचारियों के लिए ही लागू की जाए। शिक्षक, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, स्थाई कर्मी, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी, अस्थाई कर्मचारी एवं श्रमिकों को अटेंडेंस प्रणाली से छूट दी जाए।

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि ई अटेंडेंस प्राणाली लागू करके राज्य सरकार ने अधिकारियों को कर्मचारियों का शोषण करने एवं उनके

उनके मानव अधिकारों का हनन करने का ब्रह्मास्त्र दे दिया है। शासकीय विभागों के गठन के बाद एवं पांच दशक से लागू रजिस्टर पर उपस्थित प्रणाली सार्थक एवं प्रमाणित है। ई अटेंडेंस प्रणाली का डाटा भविष्य में डिलीट हो सकता है एवं किया जा सकता है। आर्थिक रूप से कमजोर छोटे संवर्ग का कर्मचारी डिजिटल फोन रखने में असमर्थ हैं। ई अटेंडेंस प्रणाली कर्मचारियों के मानव अधिकारों का हनन कर रही है। इसलिए सरकार को तत्काल ई अटेंडेंस प्रणाली पर पुनर्विचार करके छोटे संवर्ग के कर्मचारियों को ई अटेंडेंस प्रणाली से उपस्थिति देने में छूट देने का निर्णय लेना चाहिए जो कर्मचारी हित में होगा। यदि सरकार ने शीघ्र ही अटेंडेंस प्रणाली पर विचार करके कर्मचारी हित में निर्णय नहीं लिया तो मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ई अटेंडेंस प्रणाली के विरोध में पोस्टकार्ड आंदोलन शुरू करेगा।

इस बार पड़ेगी रिकार्डतोड़ ठंड, अब छाएगा कोहरा

भोपाल में ठंड ने 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

भोपाल । मध्य प्रदेश के इस बार कड़ाके की ठंड पड़ेगी। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी से नवंबर के पहले सप्ताह में ही मध्यप्रदेश ठिठुरने लग गया है। शुक्रवार-शनिवार की रात में कई शहरों में रिकॉर्ड ठंड रही। इंदौर में पिछले 25 साल में नवंबर में इतनी सर्दी कभी नहीं पड़ी। यहां नवंबर की ठंड का ओवरऑल रिकॉर्ड 1938 का है। जब पारा 5.6 डिग्री पर पहुंचा था। भोपाल में पारा 8.4 डिग्री रहा। यह 10 साल में दूसरा सबसे कम तापमान है। पिछले साल पारा 8.2 डिग्री पर रह चुका है। ग्वालियर में 10.5 डिग्री, उज्जैन में 10.4 डिग्री और जबलपुर में पारा 12.2 डिग्री सेल्सियस रहा। राजगढ़ में

लगातार दूसरी रात प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 7.4 डिग्री और रीवा में 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विशेषज्ञों की माने तो प्रदेश में आमतौर पर ठंड की दस्तक नवंबर के दूसरे पखवाड़े से होती है। यानी 15 नवंबर से ठंड का असर तेज होता है, जो जनवरी तक रहता है, लेकिन इस बार तेज सर्दी का असर एक सप्ताह पहले से ही हो रहा है। एक्सपर्ट बताते हैं कि मानसून के बाद जैसे-जैसे नमी घटती है, रातें जल्दी ठंडी होने लगती हैं। पहाड़ों पर बर्फबारी होती है, बर्फ पिघलती है और ठंडी हवा मैदानों तक आती है। हवा का रुख दक्षिण-पश्चिमी से उत्तर-पूर्वी दिशा में होता है, जिसे 'विंड पैटर्न सेट होना' कहा जाता है। इन सभी वजहों से प्रदेश में ठंड का असर बढ़ा है।

ठंड के साथ कोहरे का असर भी बढ़ेगा

मौसम विभाग के मुताबिक अब ठंड के साथ कोहरा भी बढ़ेगा। फिलहाल, देर रात और अलसुबह ठंड का असर ज्यादा है। वहीं सुबह हलका कोहरा भी है, जो आने वाले दिनों में बढ़ जाएगा। अभी मंडला में सबसे कम 1-2 किलोमीटर विजिबिलिटी मंडला में देखने को मिली है। जबलपुर, रीवा और सतना में यह 2 से 4 किलोमीटर रही।

राजधानी में तब्लीगी इज्तिमा की तैयारियां शुरू

भोपाल। आलमी तब्लीगी इज्तिमा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। आगामी तब्लीगी इज्तिमा को देखते हुए भोपाल जमीयत उलमा मध्यप्रदेश के मीडिया प्रभारी हाजी मोहम्मद इमरान हारून ने नगर निगम और रेलवे प्रशासन से कई अहम मांगें की हैं। उन्होंने कहा कि इज्तिमा शुरू होने से पहले पुराने शहर की जर्जर सडक़ों को दुरुस्त किया जाए और ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाया जाए, ताकि देशभर से आने वाले लाखों जायरीन को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। हाजी इमरान ने बताया कि पुराने भोपाल की अधिकांश सडक़ें और गलियां बदहाल स्थिति में हैं, जगह-जगह गड्ढे हैं और कई इलाकों में स्ट्रीट लाइटें भी खराब हैं। उन्होंने नगर निगम से मांग की कि इज्तिमा स्थल तक जाने वाले मुख्य मार्गों के साथ-साथ अंदरूनी सडक़ों का भी डामरीकरण और पेज वर्क किया जाए, ताकि यातायात सुगम रहे।

टिकट काउंटर लगाने की मांग

हाजी मोहम्मद इमरान ने भोपाल रेल मंडल डीआरएम से भी आग्रह किया कि इज्तिमा के दौरान बढऩे वाली यात्रियों की संख्या को देखते हुए सभी प्रमुख रूटों की ट्रेनों में स्पेशल कोच लगाए जाएं। साथ ही स्टेशनों पर अतिरिक्त आरक्षित और अनारक्षित टिकट काउंटर की व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि संभव हो तो स्टेशन के बाहर अस्थायी टिकट काउंटर बनाए जाएं, ताकि यात्रियों को भीड़ और लंबी लाइनों से राहत मिल सके।

हाजी मोहम्मद इमरान ने विशेष रूप से बुधवारा, भारत टॉकीज, जहांगीराबाद, रॉयल मार्केट, पीरगेट, मोती मस्जिद, शाहजहांनाबाद, इब्राहिमपुरा और स्टेट बैंक चौराहा जैसे इलाकों की अंदरूनी गलियों को भी तत्काल सुधारने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ये इलाके इज्तिमा में आने वाले मेहमानों की आवाजाही के मुख्य मार्ग हैं, इसलिए इनकी सडक़ों को बेहतर स्थिति में लाना बेहद जरूरी है।

झाबुआ में बनेंगे 13 नए छात्रावास

भोपाल। जनजाति कार्य विभाग ने महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया के प्रयासों से झाबुआ जिले में 13 नए छात्रावासों के निर्माण को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इन छात्रावासों के लिए कुल 53 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। प्रत्येक छात्रावास का निर्माण लगभग 409.80 लाख रुपस् की लागत से किया जाएगा। इस प्रकार, कुल 53.27 करोड़ रुपये की लागत से ये भवन बनाए जाएंगे। स्वीकृति प्राप्त छात्रावासों में सीनियर बालक छात्रावास पेटलावद (नवीन), सीनियर बालक छात्रावास क्रमांक-3 कॉलेज मार्ग झाबुआ, सीनियर बालक छात्रावास ढेकलवाड़ी, सीनियर कन्या छात्रावास पारा, सीनियर बालक छात्रावास पारा, सीनियर बालक छात्रावास साढ़, सीनियर बालक छात्रावास मोरडुंडीया, सीनियर बालक छात्रावास कुंदनपुर, सीनियर बालक छात्रावास मदरानी, सीनियर बालक छात्रावास थान्दला (नवीन), सीनियर बालक छात्रावास काकनवानी, सीनियर बालक छात्रावास बोलासा और शासकीय सीनियर कन्या उत्कृष्ट छात्रावास गणपती चौक पेटलावद शामिल हैं।

बारिश ने रोका रोमांच, भारत ने 2-1 से जीती टी20 सीरीज

ब्रिस्बेन। ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेले गए पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले में बारिश ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही रोमांचक भिड़ंत को अधूरा छोड़ दिया। मुकाबला रद्द होने के साथ ही भारत ने पांच मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली और दौरे का समापन विजयी अंदाज में किया। ओपनर अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने भारतीय पारी की शानदार शुरुआत की थी, लेकिन मौसम ने खेल में खलल डाल दिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने तेजी से रन जुटाने शुरू किए। अभिषेक शर्मा ने 13 गेंदों पर नाबाद 23 और शुभमन गिल ने 16 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाए। दोनों ने मात्र 4.5 ओवरों में 52 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था। गिल के क्लासिक शॉट्स और अभिषेक के आक्रामक अंदाज ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर दबाव बना दिया।

ऑस्ट्रेलिया की फील्डिंग निराशाजनक रही। ग्लेन मैक्सवेल और बेन ड्वारशुइस ने अभिषेक शर्मा के दो आसान कैच छोड़ दिए, जिनका भारतीय बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया। गिल ने खास तौर पर ड्वारशुइस की गेंदबाजी पर हमला करते हुए लगातार तीन चौके जड़े और पावरप्ले में टीम को तेज शुरुआत दिलाई। लेकिन जैसे ही भारत का स्कोर 4.5 ओवर में बिना किसी नुकसान के 52 रन पहुंचा, मैदान पर बिजली गिरने की चेतावनी मिली और कुछ ही देर में तेज बारिश शुरू हो गई। इसके बाद हालात खेल के लायक नहीं रहे और अंपायरों ने मैच रद्द करने का फैसला लिया।

इस परिणाम के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा मैच चार विकेट से जीता था, जबकि भारत ने तीसरे और चौथे मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की थी। सीरीज के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने न केवल संतुलित टीम संयोजन दिखाया बल्कि नई पीढ़ी की बल्लेबाजी ताकत का भी परिचय कराया। बारिश ने भले आखिरी मैच का मजा किरकिरा कर दिया, लेकिन सीरीज जीत के साथ टीम इंडिया ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखा।

भारत - अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह
ऑस्ट्रेलिया - मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), टिम डेविड, जोश फिलिप, मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, बेन ड्वार्शियस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, एडम जम्पा

टी20 सीरीज जीत पर सूर्यकुमार यादव बोले - सभी खिलाड़ियों ने निभाई अहम भूमिका

ब्रिस्बेन। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया पांचवां और आखिरी टी20 मुकाबला बारिश की वजह से रद्द हो गया, जिसके साथ ही भारत ने पांच मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। मैच रद्द होने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम की जीत का श्रेय अपने सभी खिलाड़ियों को दिया। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पिछड़ने के बाद टीम ने जिस तरह वापसी की, वह काबिले तारीफ है। सूर्यकुमार यादव ने कहा, 卐यह जीत हर खिलाड़ी के सामूहिक प्रयास का नतीजा है। हम सीरीज में 0-1 से पीछे थे, लेकिन उसके बाद टीम ने जिस आत्मविश्वास और जज्बे के साथ वापसी की, वह शानदार रही। चाहे बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो या फील्डिंग सभी विभागों में हमने शानदार खेल दिखाया।卐

कप्तान ने अपनी तेज़ गेंदबाज़ी जोड़ी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 卐बुमराह और अर्शदीप एक घातक जोड़ी बन चुके हैं। वहीं, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने भी अपनी जिम्मेदारी को शानदार ढंग से निभाया। वॉशिंगटन सुंदर ने पिछले मैच में शानदार योगदान दिया। अब ये खिलाड़ी काफी टी20 क्रिकेट खेल चुके हैं और खुद पर भरोसा करना सीख गए हैं।卐

सूर्यकुमार ने आगे कहा कि भारतीय टीम के लिए आने वाले महीने बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उसे तीन मजबूत टीमों ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना है। उन्होंने कहा, 卐इन सीरीज के ज़रिए हमें वर्ल्ड कप की बेहतरीन तैयारी मिलेगी। हाल ही में भारत की महिला टीम ने घरेलू मैदान पर विश्व कप जीता है और दर्शकों का जोश देखने लायक था। हमारे लिए भी यह एक बड़ी प्रेरणा है। वर्ल्ड कप अभी थोड़ा दूर है, लेकिन दो और सीरीज बाकी हैं, जिनमें हम अपनी रणनीति को और मजबूत करेंगे।卐 इस जीत के साथ भारत ने फिर साबित किया कि टीम में गहराई और आत्मविश्वास दोनों ही मौजूद हैं। सूर्यकुमार की कप्तानी में टीम ने न केवल दबाव झेला, बल्कि उसे अपनी ताकत में बदलते हुए सीरीज जीतकर शानदार लय हासिल की है।

मिताली-झूलन को ट्रॉफी थमाने के पीछे की भावुक वजह बताई हरमनप्रीत ने

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 2 नवंबर की रात इतिहास रच दिया जब उसने साउथ अफ्रीका को फाइनल में हराकर पहली बार आईसीसी वुमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले भारत 2005 और 2017 में फाइनल तक पहुंचा था, लेकिन दोनों बार खिताब से चूक गया था। इस बार हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वह मुकाम हासिल किया, जिसका इंतजार देश की करोड़ों आंखें बरसों से कर रही थीं। खिताब जीतने के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एक भावनात्मक कदम उठाते हुए उन दिग्गज खिलाड़ियों को याद किया, जिन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट की नींव रखी थी। मैदान पर उन्होंने पूर्व कप्तानों मिताली राज, झूलन गोस्वामी और अंजुम चोपड़ा को बुलाकर ट्रॉफी उठाने का मौका दिया। यह वही खिलाड़ी थीं, जो अपने करियर में वर्ल्ड कप जीतने का सपना पूरा नहीं कर सकीं, लेकिन भारतीय टीम ने उनके संघर्ष और योगदान को इस जीत के जरिये अमर कर दिया।

ऋषभ पंत रिटायर हर्ट, साउथ अफ्रीका टेस्ट सीरीज से पहले बढ़ी टीम इंडिया की चिंता

नई दिल्ली । टीम इंडिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ चल रहे दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के दौरान टीम मैनेजमेंट और फैंस की चिंता बढ़ा दी है। इंग्लैंड दौरे पर चोटिल होने के बाद पहली बार मैदान पर लौटे पंत इस मैच में रिटायर हर्ट हो गए। इससे कुछ ही दिनों बाद शुरू होने वाली साउथ अफ्रीका टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया की योजनाओं पर असर पड़ सकता है।

मैच के दौरान ऋषभ पंत को लगातार गेंदें लगती रहीं। पहले उन्होंने एक रिवर्स स्कूप शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधी उनके हेलमेट पर जा लगी। इसके बाद एक गेंद उनकी कलाई पर और दूसरी पसली पर लगी। दर्द से परेशान पंत को मैदान पर फिजियो बुलाना पड़ा और कुछ देर बाद वह रिटायर हर्ट होकर पवेलियन लौट गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी

से वायरल हो रहा है। ऋषभ पंत का चयन 14 नवंबर से शुरू हो रही भारत बनाम साउथ अफ्रीका टेस्ट सीरीज के लिए हुआ है, जहां वह उप-कप्तान की भूमिका निभाने वाले हैं। ऐसे में उनका चोटिल होना टीम के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। अभी तक बीसीसीआई की ओर से उनकी चोट पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

गौरतलब है कि पहले अनौपचारिक टेस्ट में पंत ने शानदार 90 रनों की पारी खेलकर अपनी फॉर्म का परिचय दिया था। उनकी बल्लेबाजी देखकर यह उम्मीद जताई जा रही थी कि वह राष्ट्रीय टीम में मजबूती से वापसी करेंगे, लेकिन दूसरे टेस्ट में चोट ने फैंस की उम्मीदों को झटका दिया है।

मैच की बात करें तो, भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 255 रन बनाए। ध्रुव जुरेल ने शानदार 132 रन की पारी खेली, जबकि बाकी बल्लेबाज फ्लॉप रहे। जवाब में साउथ अफ्रीका ए की टीम 221 रन पर आउट हो गई। भारत को पहली पारी के आधार पर 34 रनों की बढ़त मिली। खबर लिखे जाने तक भारत ने दूसरी पारी में 5 विकेट पर 200 रन बना लिए थे। गेंदबाजी में प्रसिद्ध कृष्णा ने 3, जबकि आकाशदीप और मोहम्मद सिराज ने 2-2 विकेट झटके। ऋषभ पंत की चोट ने हालांकि टीम इंडिया के लिए एक बार फिर फिटनेस पर सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका जैसी चुनौतीपूर्ण सीरीज से पहले उनका पूरी तरह फिट रहना बेहद जरूरी है।

सबालेंका ने अनिसिमोवा को हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल में बनाई जगह

खिताबी जंग में भिड़ेंगी रयबाकिना से

नई दिल्ली। विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने दमदार प्रदर्शन करते हुए डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 3-6, 6-3 से पराजित कर खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया। तीन सेट तक चले इस रोमांचक मैच में शुरुआती दौर में अनिसिमोवा ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन निर्णायक पलों में सबालेंका का अनुभव भारी पड़ा।

पहले सेट में सबालेंका ने अपने पावरफुल सर्व और आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक्स की बदौलत 6-3 से जीत दर्ज की। हालांकि, दूसरे सेट में उनकी लय बिगड़ गई और अनिसिमोवा ने शानदार वापसी करते हुए लगातार चार गेम जीतकर 4-0 की बढ़त बना ली। सबालेंका ने कोशिश की, लेकिन यह सेट 6-3 से अनिसिमोवा के नाम रहा। निर्णायक तीसरे सेट में सबालेंका ने एक बार फिर नियंत्रण हासिल किया। उन्होंने ऐस की झड़ी लगाकर स्कोर 3-3 से बराबर किया और फिर एक बेहतरीन बैकहैंड विनर से ब्रेक हासिल करते हुए मैच का पासा पलट दिया। आखिरकार उन्होंने तीसरा सेट भी 6-3 से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। दूसरी ओर, कजाखस्तान की एलेना रयबाकिना ने एक सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अमेरिका की जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ रयबाकिना का अपराजेय क्रम जारी रहा और वह भी फाइनल में पहुंच गईं। दोनों के बीच अब तक खेले गए 13 मैचों में सबालेंका 8-5 से आगे हैं, जिसमें 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में उनकी यादगार जीत भी शामिल है। मुकाबले से पहले सबालेंका ने कहा, 'यह एक और शानदार जंग होगी। एलेना शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन मैं भी इस खूबसूरत ट्रॉफी के लिए आखिरी मैच में पूरी ताकत झोंकने को तैयार हूं।'

सीएम फडणवीस ने महिला विश्व कप जीतने वाली मंधाना, रोड्रिग्स व यादव को किया सम्मानित

मुंबई,। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता भारतीय टीम की खिलाड़ी स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और राधा यादव से मुलाकात की। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री अजित पवार, मंत्री आशीष शेलार और माणिकराव कोकाटे भी मौजूद थे। सीएम फडणवीस ने स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और राधा यादव को सम्मानित किया। उन्होंने महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मुजूमदार को भी सम्मानित किया। इसके बाद एक ग्रुप फोटो भी खिंचवाई। सीएम फडणवीस ने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि हमारी टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप जीता है। उन्होंने कहा कि भारत को उन पर गर्व है। हम पूरी टीम को आमंत्रित करना चाहते थे, जो हम भविष्य में निश्चित रूप से करेंगे।

सीएसके ने संजू सैमसन ट्रेड की अफवाहों पर लगाई विराम

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ कासी विश्वनाथन ने आईपीएल 2025 रिटेंशन डेडलाइन से पहले फैल रही अफवाहों पर आखिरकार विराम लगा दिया है। सोशल मीडिया और रिपोर्टों में दावा किया जा रहा था कि फ्रेंचाइज़ी राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को ट्रेड करने की कोशिश कर रही है, लेकिन विश्वनाथन ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, 卐नहीं, बिल्कुल नहीं,卐 यानी सीएसके किसी भी तरह की ट्रेड डील में संजू सैमसन को शामिल नहीं कर रही है। आईपीएल 2025 की 15 नवंबर रिटेंशन डेडलाइन नज़दीक आने के साथ ही सभी टीमों में खिलाड़ियों के चयन और ट्रेड को लेकर हलचल तेज हो गई है। संजू सैमसन का नाम दिल्ली कैपिटल्स और सीएसके दोनों से जोड़ा गया था, लेकिन अब स्थिति साफ हो चुकी है कि वह राजस्थान रॉयल्स के साथ ही बने रहेंगे। पिछला आईपीएल सीजन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए निराशाजनक रहा था। टीम ने 14 में से केवल चार मुकाबले जीते और पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे रही। हालांकि, धोनी की वापसी को लेकर अब फ्रेंचाइज़ी नए सिरे से तैयारी कर रही है।

वहीं सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने आईपीएल 2025 के लिए महेंद्र सिंह धोनी की उपलब्धता के लिए कहा कि वे 2008 से सीएसके के अभिन्न हिस्सा रहे हैं। वे इस सीजन में सीएसके के लिए खेलेगें। उन्होंने फ्रेंचाइज़ी के लिए अब तक 248 मैच खेले हैं, जिनमें 4,865 रन, 158 कैच और 47 स्टंपिंग दर्ज हैं। कप्तान के तौर पर उन्होंने सीएसके को पांच बार आईपीएल खिताब जिताया है 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में। धोनी का आईपीएल 2026 में उतरना न केवल सीएसके बल्कि पूरे क्रिकेट जगत के लिए एक बड़ा आकर्षण बनने जा रहा है। यह सीएसके के साथ उनका 17वां सीजन और आईपीएल में कुल 19वां सीजन होगा, जो उन्हें भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे लंबे और सफल करियर वाले खिलाड़ियों में एक बार फिर शुमार करेगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए मैट हेनरी की न्यूज़ीलैंड टीम में वापसी

नई दिल्ली। मैट हेनरी वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए न्यूज़ीलैंड टीम में वापसी कर रहे हैं। हेनरी पिछले सप्ताह पिंडली में खिंचाव आने से इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो वनडे मैचों में नहीं खेले थे और वनडे और उसके बाद होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम से गुजर रहे हैं। न्यूजीलैंड टीम के कोच ने इसकी पुष्टि की है कि विलियमसन की अनुपस्थिति वर्कलोड मैनेजमेंट और दिसंबर में शुरू होने वाली वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी के कारण है।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे वनडे में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतने वाले 32 साल के ब्लेयर टिकनर टीम में अपनी जगह बनाने में सफल रहे हैं। टिकनर ने दो मैचों में 12.25 की औसत से आठ विकेट लिए थे। उस सीरीज से पहले, टिकनर ने 2023 के बाद से न्यूज़ीलैंड के लिए कोई वनडे मैच नहीं खेला। हालांकि, न्यूज़ीलैंड में खिलाड़ियों के चोटों की सूची लंबी होती जा रही है। मोहम्मद अब्बास (पसलियां), फिन एलन (पैर), लॉकी फर्ग्यूसन (हैमस्ट्रिंग), एडम मिल्ने (टखना), विल ओरूर्के (पीठ), ग्लेन फिलिप्स (ग्रोइन) और बेन सियर्स (हैमस्ट्रिंग) चोट के कारण टीम में मौजूद नहीं हैं। केन विलियमसन को चयन के लिए नहीं चुना गया क्योंकि वह 2 दिसंबर से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज की तैयारी कर रहे हैं।

न्यूज़ीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने मैट हेनरी की वापसी का स्वागत किया और टिकनर के बारे में भी अच्छी बात कही। वाल्टर ने कहा कि मैट इस टीम का एक अहम सदस्य और हमारे तेज गेंदबाजी आक्रमण का सबसे अनुभवी अगुआ है, इसलिए वनडे और टेस्ट मैचों के लिए उनका टीम में वापस आना बहुत अच्छा होगा।

अभिषेक शर्मा ने रचा इतिहास, सबसे कम गेंदों में पूरे किए टी20 इंटरनेशनल के 1000 रन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। उन्होंने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में 1000 रन पूरे कर लिए, और यह उपलब्धि उन्होंने सबसे कम गेंदों में हासिल की। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने भारत के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अभिषेक ने 528 गेंदों में यह मुकाम हासिल किया, जबकि सूर्यकुमार यादव ने 573 गेंदों में 1000 रन पूरे किए थे। इस तरह वह टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। दुनिया के फुल मेंबर देशों में यह उपलब्धि हासिल करने वाले बल्लेबाजों में अभिषेक अब शीर्ष पर हैं। उनके बाद फिल सॉल्ट (599 गेंद), ग्लेन मैक्सवेल (604 गेंद) और आंद्रे रसेल व फिन एलन (609 गेंद) का नाम आता है।

अभिषेक शर्मा ने अब तक 28 पारियों में 189.51 के स्ट्राइक रेट से एक हजार से अधिक रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 6 अर्धशतक और 2 शतक लगाए हैं। वह दुनिया में सबसे कम पारियों में एक हजार रन पूरे करने वाले पांचवें बल्लेबाज बने हैं। इंग्लैंड के डेविड मलान ने केवल 24 पारियों में यह आंकड़ा पार किया था। भारतीय बल्लेबाजों में यह रिकॉर्ड पहले विराट कोहली के नाम था, जिन्होंने 27 पारियों में 1000 रन पूरे किए थे। अभिषेक ने यह उपलब्धि सिर्फ एक पारी पीछे रहकर हासिल की और कोहली के बाद भारत के लिए यह मुकाम छूने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए।

गाबा में खेले जा रहे इस मैच में अभिषेक को शुरुआती ओवरों में ही दो जीवनदान मिले, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया और एक बार फिर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए टीम के लिए शानदार शुरुआत दिलाई। जारी टी20 सीरीज में वह अब तक के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं, जिससे टीम इंडिया को निर्णायक मुकाबले में मजबूत स्थिति मिली है।

सबसे कम गेंदों में 1000 अंतरराष्ट्रीय टी20 रन बनाने वाले खिलाड़ी

528 अभिषेक शर्मा
573 सूर्यकुमार यादव
599 फिल साल्ट
604 ग्लेन मैक्सवेल
609 आंद्रे रसेल/ फिन एलन

पाकिस्तान दौरे के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित

नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने पाकिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज और टी20 ट्राई सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। इस ट्राई सीरीज में पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ तीसरी टीम जिम्बाब्वे होगी। पहले इस टूर्नामेंट में अफगानिस्तान के खेलने की संभावना थी, लेकिन अब उसकी जगह जिम्बाब्वे को शामिल किया गया है। श्रीलंका की टीम की कमान चरिथ असलांका को सौंपी गई है, जो वनडे और टी20 दोनों फॉर्मेट में कप्तानी करेंगे। पिछली बार दोनों टीमों का आमना-सामना एशिया कप 2025 के सुपर फोर मुकाबले में हुआ था, जहां पाकिस्तान ने श्रीलंका को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। वनडे स्क्वॉड में कुछ अहम बदलाव देखने को मिले हैं। तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका को घुटने की चोट के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह युवा गेंदबाज ईशान मलिंगा को मौका मिला है। वहीं, प्रतिभाशाली पेसर मथीशा पथिराना को ऊपरी श्वसन संक्रमण से पूरी तरह ठीक न होने के चलते इस दौरे से बाहर रखा गया है। उनकी जगह असिथा फर्नांडो को स्क्वॉड में शामिल किया गया है। श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 11 से 15 नवंबर के बीच खेली जाएगी। इसके बाद टी20 ट्राई सीरीज 17 नवंबर से शुरू होगी, जिसमें जिम्बाब्वे भी मुकाबला करेगी। यह दौरा श्रीलंका के लिए वर्ल्ड कप के बाद टीम संयोजन को परखने और युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मौका देने का अहम अवसर माना जा रहा है।

श्रीलंका की वनडे टीम- चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, जेफरी वेंडरसे, दुशमंथा चमीरा, असिथा फर्नांडो, प्रमोद मदुशन, ईशान मलिंगा।

हॉन्ग-कॉन्ग सिक्सेस में नेपाल के हाथों भारत की करारी हार

नई दिल्ली। हॉन्ग-कॉन्ग सिक्सेस टूर्नामेंट में नेपाल ने भारत को ऐसी हार दी जिसने क्रिकेट प्रेमियों को हैरान कर दिया। दिनेश कार्तिक की अगुवाई वाली भारतीय टीम को नेपाल ने 92 रनों से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। 6 ओवर के इस मुकाबले में नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बिना कोई विकेट गंवाए 137 रन ठोके, जबकि जवाब में भारत मात्र तीन ओवर में 45 रन बनाकर ऑलआउट हो गया। नेपाल की ओर से राशिद खान ने हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए मैच का रुख पूरी तरह पलट दिया। उन्होंने 17 गेंदों में 55 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 6 लंबे छक्के शामिल रहे। बल्लेबाजी में धमाका करने के बाद उन्होंने गेंद से भी कमाल दिखाया और सिर्फ एक ओवर में 7 रन देकर तीन विकेट चटकाए, जिनमें भारतीय कप्तान दिनेश कार्तिक का अहम विकेट भी शामिल था।

नेपाल की बल्लेबाजी इतनी विस्फोटक रही कि भारतीय गेंदबाज पूरी तरह बेअसर नजर आए। राशिद के अलावा सलामी बल्लेबाज संदीप जोरा ने सिर्फ 12 गेंदों में 47 रन बनाए, जबकि लोकेश बाम ने महज 7 गेंदों में 31 रनों की नाबाद पारी खेली। लोकेश ने 442.86 की अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से रन बनाए और अपनी पारी में 1 चौका और 4 छक्के जड़े। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। रॉबिन उथप्पा और भरत चिपली की जोड़ी पहले ही ओवर में टूट गई। उथप्पा का बल्ला पूरे टूर्नामेंट में खामोश रहा और इस मैच में भी वह सस्ते में आउट हो गए।

विश्व कप फाइनल से पहले सचिन तेंदुलकर की सलाह बनी हरमनप्रीत कौर की जीत की कुंजी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक वर्ल्ड कप जीत के पीछे कप्तान हरमनप्रीत कौर की दमदार कप्तानी और धैर्य भरा प्रदर्शन अहम रहा। हालांकि, खुद हरमनप्रीत का कहना है कि इस जीत में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की दी गई सलाह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए फाइनल से पहले सचिन तेंदुलकर ने हरमनप्रीत को फोन कर विशेष मार्गदर्शन दिया था।

हरमनप्रीत ने एक बातचीत में खुलासा किया कि फाइनल से पहले तेंदुलकर ने उन्हें खेल के दौरान संयम बनाए रखने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा, 卐मैच से ठीक पहले सचिन सर का फोन आया। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब खेल की रफ्तार तेज हो, तो खुद को स्थिर रखने की कोशिश करो। अगर तुम भी उसी रफ्तार में बह जाओगी, तो खेल संभालना मुश्किल हो जाएगा।卐

भारत ने इस फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप अपने नाम किया। हरमनप्रीत ने बताया कि वह अब भी इस जीत को लेकर अचरज में हैं कि कैसे सोलह साल के लंबे करियर के बाद अचानक सब कुछ बदल गया। उन्होंने कहा, 卐जब भी हम एक-दूसरे से मिलते हैं तो मज़ाक में कहते हैं 'वर्ल्ड चैंपियन'। यह अहसास बेहद खास है। हम लंबे समय से इस पल का इंतज़ार कर रहे थे।卐 कप्तान ने यह भी बताया कि उनके माता-पिता इस यादगार मैच के दौरान स्टेडियम में मौजूद थे। उन्होंने कहा, मेरे माता-पिता के सामने वर्ल्ड कप जीतना मेरे लिए भावनात्मक पल था। बचपन से मैं कहती आई हूं कि मुझे भारत की जर्सी पहननी है, देश के लिए खेलना है, कप्तानी करनी है और विश्व कप जीतना है और आखिरकार वह सपना सच हो गया।

आईसीसी के मुताबिक, इस फाइनल मुकाबले में दर्शकों की संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया। स्टेडियम में दर्शकों की उपस्थिति आईपीएल के औसत दैनिक दर्शक आंकड़े से भी अधिक थी। यह संख्या पिछले साल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए पुरुष टी20 विश्व कप फाइनल में दर्ज दर्शक उपस्थिति के बराबर रही। हरमनप्रीत की इस ऐतिहासिक जीत ने न सिर्फ भारतीय महिला क्रिकेट के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ा, बल्कि देशभर की युवा खिलाड़ियों को यह विश्वास भी दिलाया कि धैर्य, मेहनत और सही मार्गदर्शन के साथ हर सपना पूरा किया जा सकता है।

एशिया कप ट्रॉफी विवाद : बीसीसीआई ने आईसीसी बैठक में उठाया मुद्दा, ट्रॉफी सौंपने की मांग

नई दिल्ली। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के बीच एशिया कप ट्रॉफी को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। शुक्रवार को एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी दुबई स्थित आईसीसी मुख्यालय पहुंचे, जहां बीसीसीआई ने औपचारिक रूप से यह मुद्दा उठाया कि विजेता टीम भारत को अभी तक ट्रॉफी नहीं सौंपी गई है।

सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक के दौरान माहौल सौहार्दपूर्ण रहा, लेकिन बीसीसीआई के प्रतिनिधि और सचिव देवजीत सैकिया ने स्पष्ट कहा कि 卐भारत को उसकी विजेता ट्रॉफी तुरंत सौंप दी जानी चाहिए।卐 यह चर्चा हालांकि अनौपचारिक थी, पर बीसीसीआई का रुख साफ था कि ट्रॉफी भारत की है और इसे रोके रखना अनुचित है। बीसीसीआई का कहना है कि एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने ट्रॉफी को अपने पास रख लिया है, जबकि उसे भारत को सौंपा जाना चाहिए था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिलहाल इस मामले पर किसी विशेष पैनल का गठन नहीं हुआ, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसकी जांच के लिए एक पैनल बनाया जा सकता है। ट्रॉफी फिलहाल दुबई स्थित एसीसी कार्यालय में है, और नकवी ने आदेश दिया है कि 卐उनकी अनुमति के बिना इसे कहीं नहीं ले जाया जाए।

गौरतलब है कि 28 सितंबर को दुबई में खेले गए एशिया कप 2025 फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर खिताब जीता था। हालांकि, मैच के बाद एक अभूतपूर्व स्थिति पैदा हो गई जब भारतीय खिलाड़ियों ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। नकवी न सिर्फ एसीसी अध्यक्ष हैं, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख और पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं।

चुनावों में हो रही धांधली पर प्रियंका गांधी का करारा प्रहार-

जनता भाजपा के खिलाफ हो रही, इसलिए वोट चोरी का सहारा लिया जा रहा

पूर्णिया/कटिहार,। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि जनता भाजपा की असलियत पहचान गई है और उसके खिलाफ हो रही है, इसीलिए सत्ताधारी पार्टी ने चुनाव आयोग की मदद से वोट चोरी करनी शुरू कर दी है।

बिहार विधानसभा के चुनाव प्रचार के दौरान कटिहार जिले के कदवा, बरारी और पूर्णिया में आयोजित विशाल जनसभाओं में कांग्रेस महासचिव ने चुनावों में हो रही धांधली पर करारा प्रहार करते हुए वोट चोरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, दोनों अन्य चुनाव आयुक्तों विवेक जोशी और एसएस संधू को भी शामिल बताया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के इन तीनों अधिकारियों में शर्म नहीं बची है, ये लोकतंत्र की रक्षा का अपना दायित्व निभाने की बजाय जनता के अधिकार छीन रहे हैं। इन्होंने बिहार में भी 65 लाख वोट काट दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि देश इन्हें माफ नहीं करेगा। सेवानिवृत्ति के बाद भी समय आने पर इन्हें जवाब देना पड़ेगा, क्योंकि ये लोकतंत्र के साथ विश्वासघात कर रहे हैं।

भीड़ से खचाखच भरे मैदानों में अपने तेज तर्रार भाषण में कांग्रेस महासचिव ने प्रधानमंत्री मोदी की भाषा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे कट्टा, दुनाली, हत्या, अपहरण, गोली, फिरौती, रंगदारी जैसी बातें करते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी अपने पद की गरिमा भी नहीं रख रहे हैं।

भीड़ के वोट चोरी को लेकर आक्रोशित नारों के बीच प्रियंका गांधी ने सीधा प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए कहा कि जनता उन्हें पहचान गई है। अब जनता उनके झूठ से गुमराह नहीं हो रही, ध्यान भटकाने और धर्म का नाम लेने से काम नहीं चल रहा। इसलिए वह वोट चोरी पर उतर आए हैं। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए नरेंद्र मोदी के उस साम्राज्य के खिलाफ लड़ रही है, जो जनता को दबाने और फूट डालने का काम करता है। उन्होंने इस संघर्ष को अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ लड़ी गई लड़ाई जैसा बताया। उन्होंने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा बिहार में निकाली गई वोटर अधिकार यात्रा की अभूतपूर्व सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह यात्रा वोट चोरों से जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए निकाली गई थी।

बिहार की बदहाली के लिए 20 साल से सत्तारूढ़ जदयू-भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कांग्रेस महासचिव ने सवाल किया कि बिहार के शिक्षित नौजवान भी बेरोजगार क्यों है और दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर क्यों हैं। उन्होंने राज्य में रोजगार की बुरी स्थिति को सामने रखते हुए कहा कि हर साल पेपर लीक होते हैं और नियुक्तियां नहीं होतीं। न तो खेती-किसानी से कमाई हो रही है और न ही सरकारी कंपनियों या छोटे उद्योगों से रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नोटबंदी और गलत ढंग से लागू की गई जीएसटी से छोटे कारोबार तबाह हो गए। मोदी सरकार ने लगभग सभी बड़े सरकारी उद्योग अडानी-अंबानी जैसे दो बड़े अरबपतियों को दे दिए हैं।

प्रियंका गांधी ने महिलाओं की समस्याओं का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि वे बेलगाम अपराध और बढ़ती महंगाई जैसी मुश्किलों का सामना कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार चुनाव से पहले महिलाओं को घूस के तौर पर दस हजार रुपये देकर उनका वोट हासिल करना चाहती है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे इस धनराशि को ले तो लें, लेकिन एनडीए को वोट न दें। प्रियंका गांधी ने महागठबंधन के प्रमुख वादे गिनाते हुए जनता से उसके उम्मीदवारों को भारी मतों से जिताने का आह्वान किया।

सायबर जालसाजों ने मुंबई की एक कंपनी को 30 लाख रुपये का चूना लगाया

मुंबई,। साइबर अपराधी धोखाधड़ी करने के लिए कितनी सूक्ष्म और चतुर चालें अपना सकते हैं यह अनुभव मुंबई की एक मॅरिटाईम कंपनी को हुआ है। दरअसल साइबर बदमाशों ने एक अमेरिकी कंपनी की ईमेल आईडी में सिर्फ एक अक्षर बदलकर मुंबई की एक कंपनी को 30 लाख रुपये का चूना लगा दिया। इस संबंध में पूर्व प्रादेशिक साइबर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार मॅरिटाईम कंपनी के दिल्ली, चेन्नई और कोचीन में भी कार्यालय हैं। यह कंपनी विदेशों से भारत भेजे जाने वाले माल के लिए ब्रोकर के रूप में काम करती है और पिछले 20 वर्षों से एयर सेवन सीज नामक एक अमेरिकी कंपनी के साथ व्यापार कर रही है।

तूफान मेलिसा के कारण क्यूबा, हैती और जमैका में अब तक लगभग 75 लोगों की मौत

नई दिल्ली । तूफान मेलिसा के कारण क्यूबा, हैती और जमैका में अब तक लगभग 75 लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 50 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। तूफान को आए एक सप्ताह हो गया है।

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि इस तूफान से 7 लाख 70 हजार से अधिक लोग अपने घर छोड़ने पर मजबूर हुए हैं और हजारों घरों, स्कूलों और अस्पतालों को नुकसान पहुंचा है। संयुक्त राष्ट्र और उसकी अलग-अलग संस्थाएं इन देशों की सरकारों की मदद कर रही हैं। जमैका में राहत कार्यों को मजबूत करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता टीम ने अतिरिक्त कर्मचारियों को तैनात किया है।

क्यूबा में खाद्य और कृषि संगठन किसानों को उपकरण, मवेशियों का चारा और मछली पकड़ने का सामान दे रहा है ताकि उनके काम फिर से शुरू हो सकें। वहीं विश्व खाद्य कार्यक्रम ने पूर्वी प्रांतों में मोबाइल गोदाम, लाइटिंग टावर और टेंट तैनात किए हैं।

हक के अनुसार, विभिन्न संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां पूरे क्षेत्र में महत्वपूर्ण मानवीय सहायता प्रदान करने में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा पर ध्यान दे रहा है। वह स्वास्थ्य किट बांटने और लैंगिक हिंसा से बचाव व सहायता के लिए स्थानीय संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम छत बनाने की सामग्री, औज़ार और बिजली के लिए जेनरेटर दे रहा है, ताकि लोग अपने घर और ढाँचे फिर से खड़े कर सकें। इसके साथ ही, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष 16 हजार लोगों को रोजाना साफ पानी उपलब्ध कराने के लिए पानी संग्रह और शोधन सामग्री पहुंचा रहा है, जिससे बीमारियों को रोका जा सके और प्रभावित परिवारों की जीवन स्थितियां सुधर सकें।

वैज्ञानिकों का मानना है कि मेलिसा जैसे तूफान की भयावहता और जलवायु संकट एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। अध्ययन के अनुसार, भयानक तीव्रता वाले तूफान अब जलवायु परिवर्तन के कारण पहले की तुलना में पांच गुना अधिक आ रहे हैं।

शहडोल में पेंट-ड्रायफ्रूट के बाद अब कंप्यूटर घोटाला!

5 कंप्यूटर सिस्टम के लिए खर्च की लाखों की रकम, प्रशासन की पारदर्शिता पर सवाल

शहडोल। कभी 24 लीटर पेंट में 443 मजदूर और 215 मिस्त्री लगाने का मामला, तो कभी एक घंटे में 14 किलो ड्रायफ्रूट उड़ाने वाले अफसर, इन चौंकाने वाले कारनामों के बाद अब शहडोल एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार मामला जनपद पंचायत ब्यौहारी से जुड़ा है, जहां कंप्यूटर खरीदी में घोटाले की बू उठने लगी है।

जानकारी के मुताबिक, जनपद पंचायत ब्यौहारी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) कल्पना यादव द्वारा रीवा की एक फर्म से कुल 5 कंप्यूटर खरीदे गए हैं, जिन पर लगभग 4 लाख 3 हजार रुपए का भुगतान किया गया है। दो अलग-अलग आदेशों में जारी किए गए भुगतान आदेशों से यह पूरा मामला उजागर हुआ है।

एक ही दिन में दो बिल, दो दाम

पहले आदेश (क्रमांक 1268, दिनांक 16/10/2025) के अनुसार, 2 कंप्यूटर सेट खरीदने पर 1,84,788 रुपए का भुगतान किया गया, वहीं दूसरे आदेश (क्रमांक 1269, दिनांक 16/10/2025) के अनुसार, 3 कंप्यूटर सेट की कीमत 2,19,488 रुपए बताई गई है। यानी कुल मिलाकर 4,04,276 रुपए की खरीदी दिखाई गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों ही आदेश एक ही तारीख के हैं, एक ही फर्म से खरीदी की गई है, और दोनों पर सीईओ कल्पना यादव के हस्ताक्षर मौजूद हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर इतनी महंगी दरों पर कंप्यूटर खरीदने की क्या जरूरत थी, जबकि बाजार में इसी स्पेसिफिकेशन के कंप्यूटर आधी कीमत में उपलब्ध हैं।

खरीदी ई-भुगतान प्रक्रिया के माध्यम से

सूत्रों की मानें तो यह खरीदी ई-भुगतान प्रक्रिया के माध्यम से की गई है, जो पंचायत दर्पण पोर्टल 5.2 पर दर्ज है। अब स्थानीय स्तर पर यह चर्चा जोरों पर है कि क्या यह एक योजनाबद्ध वित्तीय अनियमितता है या फिर सिस्टम की आड़ में की गई कोई स्मार्ट खरीदारी। इससे पहले भी शहडोल में सरकारी फाइलों में करोड़ों के काम केवल कागजों पर दिखाए गए हैं । कभी पेंट घोटाला, कभी खाद्यान्न वितरण तो कभी निर्माण कार्यों में हेराफेरी। लोगों का कहना है कि अगर ऐसे मामलों में समय पर जांच और कार्रवाई न की गई तो जनपदों में फैला भ्रष्टाचार एक सिंडिकेट सिस्टम का रूप ले सकता है। अब देखना यह है कि शहडोल जिला प्रशासन इस नए कंप्यूटर घोटाले पर क्या कदम उठाता है। क्या कार्रवाई होगी या फिर यह मामला भी बाकी घोटालों की तरह फाइलों में ही पेंट हो जाएगा।

सीईओ की सफाई

वहीं इस पूरे मामले में ब्यौहारी जनपद सीईओ कल्पना यादव का कहना है कि आप अमेजान में चेक करिए और ऑनलाइन भी चेक करिए आल इन वन कंप्यूटर है तो वो आएंगे ही इतने , आई साइज है उसके साथ प्रिंटर और यूपीएस भी है , सिस्टम नहीं थे इसलिए लिए गए है।

बिहार का थर्मामीटर बता रहा, फिर बन रही एनडीए की सरकार -डॉ. मोहन यादव

भोपाल/पटना। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को बिहार प्रदेश के बांका जिले की बेलहर, मोतिहारी जिले की पिपरा और बोधगया विधानसभा में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मैं बीते कई दिनों से बिहार आ रहा हूं। जिस तरह से थर्मामीटर बुखार का हाल बता देता है, उसी तरह यहां की जनता-जनार्दन का उत्साह बता रहा है कि बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनने जा रही है। हर मतदाता का दिल ये बोल रहा है, बिहार की बहार-एनडीए सरकार। दिल्ली में मोदी जी और बिहार में नीतीश कुमार। लेकिन हमें यह मानकर घर नहीं बैठ जाना है। आप सभी मेरे साथ यह संकल्प लें कि आने वाली 11 तारीख को जब तक अंतिम वोट न डल जाए, चैन से नहीं बैठेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तीनों जनसभाओं में मंच से अपार जनसमूह के बीच पहुंचकर हाथ जोड़कर अभिवादन किया।

एनडीए के नेता मैदान में, राहुल गांधी ने मानी हार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , गृह मंत्री अमित शाह, नीतीश कुमार, चिराग पासवान समेत एनडीए के सभी नेता दौरे कर रहे हैं। यहां तक कि नेताओं के दौरों के कारण हैलीकॉप्टर की कमी पड़ गई है। एनडीए के नेता जनता के बीच जा रहे हैं। अपनी पार्टी के सिद्धांतों के बारे में बता रहे हैं, सरकार की नीतियों की चर्चा कर रहे हैं। लेकिन इस सब के बीच राहुल गांधी इस परिदृश्य से नदारद हैं। लगता है उन्होंने चुनाव से पहले ही मैदान छोड़ दिया है। उन्हें इस चुनाव में अपनी और इंडी गठबंधन की हार सुनिश्चित लगने लगी है। इसीलिए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी बिहार का चुनाव छोड़कर पचमढ़ी में छुट्टियां मनाने चले गए हैं। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अन्य दलों के नेता चुनावी सभाओं के दौरान अपनी और अपनी पार्टी की बात रख रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी शायद चुनाव के बाद अपनी बात रखेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है और वह बिहार का चुनाव भी हारेगी।

मोदी जी के नेतृत्व में बदल रहा देश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो सरकार चला रहे हैं, वो किसके लिए चला रहे हैं? वो उन किसानों के लिए सरकार चला रहे हैं, जो पसीना बहाकर देश के लिए अन्न उगाता है। वो उन जवानों के लिए सरकार चला रहे हैं, जो देश की रक्षा के लिए अपनी जान की बाजी लगा देते हैं। वो माताओं बहनों, युवाओं और गरीबों के लिए सरकार चला रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल चुका है। अब ये नया भारत है, जिसमें आतंकवादियों की खैर नहीं। दुश्मन को जब तक घर में घुसकर न मार आएं, हमारी सेनाओं को चैन नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि कहते हैं पाकिस्तान कुत्ते की पूंछ है, जिसे 12 महीने भी पोंगली में रखो, तो सीधी नहीं होती। लेकिन अब इस पूंछ को सीधी करने वाले श्री नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 2004 से 2014 के बीच यूपीए की सरकार थी। उस समय पाकिस्तानी आतंकी हमारे निर्दोष नागरिकों का खून बहाते थे। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह कहते थे, क्या करें वो पाकिस्तान में भाग जाते हैं हम कुछ नहीं कर सकते। लेकिन आज हमारे सैनिक आतंकियों को देखते ही गोली चला देते हैं, उन्हें दिल्ली से पूछने की जरूरत भी नहीं पड़ती।

बिहार को बदल रहे नीतीश कुमार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा देश और बिहार की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके कामों के लिए जानती है। एक तरफ मोदी जी देश बदल रहे हैं, तो दूसरी तरफ नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में बड़े बदलाव आए हैं। कुछ दिन पहले विधानसभा चुनाव का पहला चरण संपन्न हुआ। मतदान वाले दिन कहीं कोई गोली नहीं चली, कहीं पर भी दोबारा मतदान की नौबत नहीं आई।

पूरी रात हुआ मरम्मता का काम : दिल्ली एयरपोर्ट पर तकनीकी खराबी हुई ठीक हवाई सेवा बहाल

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के वायु यातायात नियंत्रण केंद्र में 6 सितंबर को एक तकनीकी खराबी आई। इसके बाद स्वचालित संदेश स्विचिंग प्रणाली (एएमएसएस) पूरी तरह ठप हो गई। यह प्रणाली हवाईअड्डा संचालक, हवाई यातायात नियंत्रण, एयरलाइंस, मौसम विभाग और पायलटों सहित सभी संबंधित पक्षों के बीच संदेशों का समयबद्ध आदान-प्रदान सुनिश्चित करती है। प्रणाली के फेल होने पर मैनुअल संचालन शुरू किया गया, लेकिन मानव क्षमता मशीन की गति से कहां टिक पाती। रात्रि में प्रणाली को पूरी तरह बहाल कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि अब स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है।

हालांकि कुछ संदेश बैकलॉग के कारण स्वचालित प्रसंस्करण में मामूली देरी संभव है, लेकिन कुछ घंटों में पूर्ण सामान्यता की उम्मीद है। रात्रि संचालन में 155 उड़ानें विलंबित रहीं, जिनमें 54 (8 प्रतिशत) आगमन और 101 (14 प्रतिशत) प्रस्थान उड़ानें थीं, जब प्रणाली क्रमिक सुधार की प्रक्रिया में थी। सुबह सात बजे के नवीनतम अपडेट के अनुसार, प्रस्थान उड़ानों की औसत देरी मात्र 23 मिनट और आगमन की 5 मिनट है। यानी अब यात्रियों को अपने हवाई सफर के लिए बिना किसी बड़ी असुविधा के प्रस्थान करना चाहिए। प्रणाली की बहाली से हवाईअड्डा फिर से सामान्य लय में लौट रहा है, जो लाखों यात्रियों के लिए राहत की खबर है।

मशीन सेकंडों में जो कार्य निपटा लेती थी, अब उसे पूरा करने में मिनट लगने लगे। परिणामस्वरूप उड़ानें एक के बाद एक विलंबित होती चली गईं। शीघ्र ही हवाईअड्डे के रनवे क्षेत्र में टेकऑफ की प्रतीक्षा में और आकाश में लैंडिंग के लिए विमानों की लंबी कतारें लग गईं। कतार की लंबाई का अंदाजा इसी से लगाएं कि एक उड़ान को टेकऑफ के लिए अनुक्रम संख्या 210 आवंटित की गई, अर्थात उसके पहले 209 विमान प्रतीक्षारत थे। आकाश में भी यही हाल था, जहां कई उड़ानें लैंडिंग की प्रतीक्षा में 30-40 मिनट तक चक्कर काटती रहीं। स्थिति बिगड़ते देख दिल्ली आने वाली उड़ानों को उनके प्रस्थान हवाईअड्डों पर ही रोक दिया गया, किंतु राहत नहीं मिली।दिल्ली हवाईअड्डा देश के कुल वायु यातायात का लगभग 25 प्रतिशत संभालता है, इसलिए दोपहर तक इसका असर घरेलू ही नहीं, विदेशी हवाईअड्डों पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगा। 6 नवंबर को कुल 683 उड़ानें विलंबित हुईं, जिनमें 513 (लगभग 74 प्रतिशत) प्रस्थान और 170 (लगभग 24 प्रतिशत) आगमन उड़ानें शामिल थीं। अगले दिन शुक्रवार को यह संख्या बढ़कर 1007 हो गई, जिसमें 646 (95 प्रतिशत) प्रस्थान और 361 (52 प्रतिशत) आगमन उड़ानें प्रभावित हुईं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, 6 नवंबर को आईपी-आधारित एएमएसएस में गड़बड़ी से उड़ान योजना संदेशों की प्रसंस्करण में देरी हुई। यह प्रणाली देशभर के हवाईअड्डों के बीच उड़ान संचालन सूचना साझा करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। समस्या पता चलते ही मूल उपकरण निर्माता और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की टीमों को तैनात किया गया। साथ ही अतिरिक्त नियंत्रक कर्मचारियों को वायु यातायात नियंत्रण में लगाया गया ताकि उड़ान योजनाओं का मैनुअल प्रसंस्करण हो सके और संचालन निर्बाध रहे।

तुष्टिकरण के आरोप पर रेवंत रेड्डी बोले- फोटो भेजूंगा, पीएम मोदी ने भी पहनी थी टोपी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दावा करते हुए कहा कि जो लोग बार बार मुस्लिम तुष्कीकरण की बात करते हैं उन्हे पता होना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अतीत में टोपी पहनी है। यदि यकीन न हो तो मैं फोटो भी भेज दूंगा। जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव प्रचार के दौरान टोपी पहनने को लेकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी निशाने पर हैं। इस पर सफाई देते हुए उन्होंने कहा कि वे सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। टोपी वाले विवाद पर उन्होंने इशारा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अतीत में ऐसा किया है। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार की टिप्पणियों का जवाब देते हुए सीएम ने कहा, नरेंद्र मोदी जी ने टोपी पहनी थी। मैं फोटो भेजूंगा। नरेंद्र मोदी जी की नीति क्या है, पहले वह (संजय कुमार) स्पष्ट करें।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एमसीडी के सामने सबसे बड़ा सवाल- डॉग्स को रखें कहां?

नई दिल्ली,। सुप्रीम कोर्ट के स्ट्रीट डॉग्स पर हालिया आदेश के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) इन कुत्तों को कहां रखेगी? सुप्रीम कोर्ट ने भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक क्षेत्रों से आवारा कुत्तों को हटाने का निर्देश दिया है, लेकिन एमसीडी के पास फिलहाल उनके लिए ठोस व्यवस्था नहीं है। सूत्रों के अनुसार, एमसीडी ने इस दिशा में कदम उठाते हुए द्वारका में एकमात्र डॉग सेंटर के लिए जगह तय की थी, लेकिन निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हो पाया है। पशु विभाग ने करीब एक महीने पहले इंजीनियरिंग विभाग को टेंडर प्रक्रिया शुरू करने के लिए पत्र भेजा था, मगर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे सुप्रीम कोर्ट के आदेश के क्रियान्वयन पर सवाल खड़े हो रहे हैं। एमसीडी के पशु विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आदेश के अनुपालन के लिए जल्द ही एक जनरल सर्कुलर जारी किया जाएगा। इसके तहत सभी सरकारी और निजी संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके परिसर में कुत्तों को खिलाने (फीडिंग पॉइंट) की अनुमति नहीं होगी। अधिकारी ने कहा कि अगर किसी संस्थान में इस नियम की अनदेखी होती है और वहां डॉग बाइट की घटना होती है, तो उसकी जिम्मेदारी संबंधित संस्थान के इंचार्ज की होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा भारत में प्रॉपर्टी खरीदना-बेचना आम लोगों के लिए 'ट्रॉमा' बन चुका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने संपत्ति संबंधी कानूनों पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा, कि भारत में प्रॉपर्टी खरीदना और बेचना अब आम नागरिकों के लिए 'ट्रॉमेटिक अनुभव' बन गया है। अदालत ने कहा कि औपनिवेशिक युग के पुराने कानून आज भी लागू हैं, जिससे भ्रम की स्थिति बनी रहती है और यही व्यवस्था देश में मुकदमेबाजी का सबसे बड़ा कारण बन चुकी है।

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने शुक्रवार को कहा, कि भारत में लगभग 66 प्रतिशत दीवानी मुकदमे संपत्ति विवादों से जुड़े होते हैं, जो न्याय प्रणाली पर भारी बोझ डालते हैं। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों, विशेषज्ञों और हितधारकों से राय लेकर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करने के लिए लॉ कमीशन को निर्देश दिया है, ताकि संपत्ति कानूनों में जरूरी सुधार किए जा सकें।

अदालत ने कहा कि आज भी तीन पुराने औपनिवेशिक कानूनों, ट्रांसफर ऑफ प्रॉपर्टी ऐक्ट 1882, इंडियन स्टैम्प ऐक्ट 1899 और रजिस्ट्रेशन ऐक्ट 1908 के तहत संपत्ति का लेन-देन होता है। कोर्ट ने कहा कि ये कानून एक अलग दौर के लिए बनाए गए थे, लेकिन अब इनसे स्वामित्व (टाइटल) और रजिस्ट्रेशन के बीच विरोधाभास उत्पन्न हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि रजिस्ट्रेशन ऐक्ट केवल दस्तावेजों के रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य करता है, न कि स्वामित्व को सुनिश्चित करता है। यानी किसी संपत्ति की सेल डीड का रजिस्ट्रेशन करवा लेने मात्र से व्यक्ति उसका मालिक नहीं बन जाता। यह केवल एक सार्वजनिक रिकॉर्ड होता है, जिसका एविडेंसरी वैल्यू होता है, लेकिन वह मालिकाना हक का अंतिम प्रमाण नहीं है।

संपत्ति का लेन-देन बेहद जटिल

अदालत ने कहा कि भारत की मौजूदा संपत्ति व्यवस्था जाली दस्तावेजों, अतिक्रमण, बिचौलियों और राज्यों में असमान नियमों जैसी खामियों से जूझ रही है। इन समस्याओं के कारण आम नागरिकों के लिए संपत्ति का लेन-देन बेहद जटिल और तनावपूर्ण हो गया है। पीठ ने कहा, प्रॉपर्टी खरीदना आज एक त्रासदी भरा अनुभव है। लोग अपनी जमा-पूंजी लगाकर घर खरीदते हैं, लेकिन वर्षों बाद भी उनके स्वामित्व को चुनौती मिल सकती है। यह व्यवस्था नागरिकों के विश्वास को कमजोर कर रही है।

हिदायत/ईएमएस 08नवंबर25

पद्मेश न्यूज शहरनामा

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

मतदाताओं को गणना पत्रक ऑनलाइन भरने की सुविधा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले में भी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एस आईआर) का कार्य 04 नवंबर से शुरू कर दिया गया है। जिले के 1675 बीएलओ 13 लाख 70 हजार से अधिक मतदाताओं के घर घर जाकर गणना पत्रक का वितरण कर रहे हैं। यह काम 04 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा।

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एस आई आर) के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं को गणना पत्रक ऑनलाइन भरने की सुविधा दी गई है। इसके लिए मतदाता द्वारा https://voters.eci.gov.in/ पर लॉगइन करना होगा । इस वेबसाईट पर लागइन करने के लिए मतदाता को अपना मोबाइल नंबर या मतदाता पहचान पत्र क्रमांक भरना होगा। लागइन करने के बाद Fill Enumeration Form Online पर क्लिक करना होगा।

मतदाता अपना इपिक नंबर या मोबाइल नंबर डालकर ओटीपी के माध्यम से गणना पत्रक खोलेंगे और चाही गई जानकारी भरेंगे। मतदाता को सादे कागज पर अपने हस्ताक्षर या बांये हाथ का अंगूठा लगा कर उस कागज की साफ फोटो अपलोड करना होगा और स्क्रीन पर प्रदर्शित घोषणा पत्र के चेक बॉक्स पर क्लिक करना होगा। इसके बाद प्रीव्यू स्क्रीन में मतदाता सभी जानकारी की जाँच करेंगे और सही होने पर Submit Enumeration Form बटन पर क्लिक करेंगे। फार्म सबमिट होने के बाद मतदाता को एसएमएस प्राप्त होगा, जिसमें दी गई लिंक पर क्लिक कर वे अपनी फोटो अपलोड करेंगे। फोटो अपलोड हो जाने पर फार्म सफलतापूर्वक सबमिट हो जायेगा। मतदाता अपने आवेदन की स्थिति एवं विवरण आनलाइन चेक कर सकेंगे।

बैहर में सांसद खेल महोत्सव के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सांसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत बैहर में खेल परिसर बैहर में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन एवं बेडमिंटन, शतरंज, कराटे, कुश्ती, रस्साकस्सी, एथलेटिक्स, फुटबॉल एवं वालीवाल खिलाड़ियों के चयन ट्रायल के लिए एसडीएम बैहर अर्पित गुप्ता ने अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर पृथक-पृथक दायित्व सौंपे हैं। यह आयोजन 11 से 14 नवंबर तक बैहर में होना है। इस आयोजन के दौरान सभी व्यवस्थाओं के लिए खेल युवा समन्वयक राजेश बम्बुरे को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

हेलमेट की अनिवार्यता पर बेहद मुखर हुए पूर्व विधायक किशोर समरिते

"संसद में बने क़ानून भी इस तरह डंडे की ज़ोर से लागू नहीं करवा सकते !!"

किसी भी क़ानून में आरोपियों की रैली निकालने का प्रावधान नहीं है

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज़। बालाघाट।

आज पूर्व विधायक किशोर समरिते ने बालाघाट पुलिस की हालिया कार्यप्रणाली पर ज़ोरदार हमला किया. उन्होंने कहा कि क़ानून के किसी किताब में यह नहीं लिखा है कि किसी आरोपी का सरेआम जुलूस पुलिस निकाले. उन्हें रैली निकालकर जलील करे. पुलिस अधीक्षक बतायें कि किसी आरोपी को प्राथी से माफ़ी मँगवाना कहां के नए क़ानून का हिस्सा है?

उन्होंने यह भी कहा कि संसद द्वारा बनाये गए क़ानून भी डंडे की ज़ोर से लागू नहीं करवाया जा सकता. वे आज यहाँ पदमेश न्यूज़ से खास बातचीत कर रहे थे. श्री समरिते का यह भी कहना था कि पुलिस अधीक्षक की कार्यप्रणाली चिंता जनक है. वे विधायकों पर दबाव डालकर हेलमेट अभियान के लिए समर्थन हासिल करते हैं. ऐसा लगता है कि बालाघाट जिले के जनप्रतिनिधि उनके सामने भारी दबाव में हैं. नत मस्तक हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि क्राइम कंट्रोल में बालाघाट एसपी फिसड्डी हैं. नक्सलियों के सरेंडर के नाम पर लीपा पोती का खेल चल रहा है. जो नक्सली लड़की का आत्म समर्पण दिखाया गया वह भी कई सवाल पैदा करता है।

लांजी क्षेत्र के पूर्व विधायक किशोर समरीते ने एक बार फिर पुलिस प्रशासनिक की व्यवस्था को कठघरे में खड़ा किया है। शुक्रवार को उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि बालाघाट पुलिस अपनी मनमानी पर उतर आई है और आम जनता की परेशानियों की अनदेखी कर रही है। समरीते ने कहा कि नक्सल प्रभावित बालाघाट जैसे पिछड़े जिले में हेलमेट अभियान का स्वरूप आम जनता के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्र के लोगों की आर्थिक स्थिति कमजोर है, ऐसे में सभी से हेलमेट खरीदने की अपेक्षा करना अव्यावहारिक है।

उन्होंने पुलिस से अपील की कि अभियान को दंडात्मक न बनाकर जनजागरूकता आधारित किया जाए।

महिला नक्सली के आत्मसमर्पण पर भी उठाए सवाल

पूर्व विधायक ने हाल ही में आत्मसमर्पण करने वाली महिला नक्सली के मामले को लेकर भी पुलिस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला नक्सली के परिजनों को प्रलोभन देकर आत्मसमर्पण करवाया गया है। समरीते ने कहा कि कोई भी नक्सलीय केवल पैसों के लालच में आत्मसमर्पण नहीं करता। जो व्यक्ति हथियार उठाता है, वह अपने परिवार और अस्तित्व की रक्षा के लिए ऐसा करता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की आत्मसमर्पण नीति कमजोर है और इसकी तुलना में छत्तीसगढ़ सरकार की नीति अधिक मानवीय और प्रभावी है।

हेलमेट अभियान पर भी सवाल

समरीते ने कहा कि शहर में ओवरब्रिज पर की गई बैरिकेडिंग एक सराहनीय पहल है, क्योंकि इससे दुर्घटनाएं कम होंगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि शहर की संकरी सड़कों पर लगाए गए बैरिकेड अनावश्यक हैं और इनसे ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ी है। उन्होंने कहा कि शहर के सिग्नल और सीसीटीवी कैमरे बंद पड़े हैं, जिन्हें तुरंत चालू करने की आवश्यकता है। साथ ही, ई-चालान प्रणाली को तकनीकी रूप से पारदर्शी बनाने की जरूरत बताई।

पुलिस अधीक्षक पर लगाए गंभीर आरोप

पूर्व विधायक ने पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती जा रही है, लेकिन पुलिस केवल दिखावटी कार्रवाइयों में उलझी हुई है। उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक की कार्यशैली जनता के प्रति संवेदनशील नहीं है। यहां तक कि एसपी अपने बंगले पर नामपट्ट तक नहीं लगाते, जिससे पारदर्शिता पर प्रश्न उठते हैं। समरीते ने कहा कि हजारों फरार और वारंटी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, लेकिन पुलिस की कार्रवाई सीमित है। उन्होंने मांग की कि एसपी जिले में बढ़ते अपराधों और नशा तस्करी पर सख्त कदम उठाएं।

जनप्रतिनिधियों पर भी बरसे समरीते

समरीते ने जिले के विधायकों और सांसदों को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि कुछ जनप्रतिनिधि केवल प्रचारात्मक वीडियो जारी कर रहे हैं, जबकि जनता के असली मुद्दे बेरोजगारी, महंगाई और सुरक्षा पर कोई आवाज नहीं उठा रहे। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को प्रशासनिक अधिकारियों की प्रशंसा करने के बजाय जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को उठाना चाहिए। प्रोटोकॉल के अनुसार पुलिस अधीक्षक का पद जनप्रतिनिधियों से नीचे होता है, लेकिन वर्तमान स्थिति में तस्वीर उलटी दिखाई दे रही है

आत्मसमर्पण करवाया गया है

श्री समरीते ने महिला नक्सली सुनीता के आत्मसमर्पण किए जाने के विषय पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि आज बंदूक उठाने वाले लोग कभी प्रलोभन, पैसों या अपने घर परिवार को देखते हुए आत्मसमर्पण नहीं करते। वे लालच में नहीं आते। यहां 14 लाख रुपये के प्रलोभन में आकर सुनीता के माता पिता से आत्मसमर्पण करवाया गया है, जो उन्हें सही नहीं लगती। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश से बेहतर छत्तीसगढ़ की आत्मसमर्पण नीति है।

रेत घाट कंपनी के कर्मचारी पर जानलेवा हमला

बुलेरो वाहन रोककर, कंपनी के कर्मचारी और वाहन चालक से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन के चलते बीती रात रेत घाट कंपनी के एक कर्मचारी और वाहन चालक को हाथबुक्के और चाकू से मार कर घायल कर दिया गया। यह वारदात वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रेंगोटाला के पास में उस समय हुई जब रेत घाट कंपनी के कर्मचारी अपने वाहन में रेत के अवैध रूप से परिवहन करने वालों को चेक करने के लिए जा रहे थे। मारपीट और चाकू के वार से घायल कर्मचारी नरेंद्र सिंह पिता स्व. रामसेवक सिंह राजपूत 40 वर्ष बिरसा निवासी को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।वही इस वारदात में वाहन चालक शिवप्रसाद यादव पिता महेश यादव 35 वर्ष साहूटोला ग्राम रेलवाही थाना बिरसा निवासी को मामूली चोटे आई। जिसका इलाज जिला अस्पताल में ही किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन दोनों जिले की रेत घाटों का ठेका भोपाल के किसी कंपनी द्वारा लिया गया है और उन्हें के ही द्वारा रेत का उत्खनन करवा कर रेत बिक्री की जा रही है। किंतु इनके अलावा भी अन्य लोंगो के द्वारा रेत घाटो से अवैध रूप से उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा हैं।जिन्हें रोकने और पकड़ने के लिए इस कंपनी के कर्मचारी समय-समय पर रात्रि में रेत घाटों का दौरा करते हैं। नरेंद्रसिंह राजपूत भी कंपनी का कर्मचारी है। 7 नवंबर की रात्रि नरेंद्रसिह राजपूत कंपनी की बुलेरो में अपने चालक शिव प्रसाद यादव के साथ रेत घाटों का गश्त करने निकले थे। तभी वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रेंगाटोला के पास चार-पांच लोगों ने हमला करते हुए बोलेरो को रोके और नरेंद्रसिह राजपूत और उसके चालक शिव प्रसाद यादव को बोलेरो से खींचकर बाहर निकले और हाथ बुक्के से मारपीट कर दिये।चाकू के वार से नरेंद्र राजपूत, और उनके वाहन चालक शिव प्रसाद यादव घायल हो गए। नरेंद्र राजपूत ने इन हमलावरों के विरुद्ध हाथ में पहनी सोने की अंगूठी और गले की सोने की चेन छीनकर का भी आरोप लगाया है। मारपीट करने और अंगूठी चेन छीनने के बाद सभी लोग फरार हो गए। इन हमलावर के भागने के बाद डायल 112 को फोन लगाया गया। किंतु डायल 112 मौके पर नहीं पहुंची। जिसके बाद नरेंद्रसिह राजपूत अपने वाहन चालक शिव प्रसाद के साथ अपने वाहन बुलेरो से जिला अस्पताल पहुंचे नरेंद्र राजपूत को चाकू से उनके सिर में पीछे चोट आई थी। नरेंद्रसिह राजपूत को जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जिसे गोंदिया के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है।वाहन चालक शिव प्रसाद यादव को इस वारदात में मामूली चोटे आई जिनका इलाज जिला अस्पताल में करने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। जिला अस्पताल पुलिस ने नरेंद्र सिंह राजपूत का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना वारासिवनी भिजवा दी है। इस मामले की आगे जांच वारासिवनी पुलिस द्वारा की जाएगी।

उड़नदस्ता दल ने पोंगारझोडी में की छापामार कार्यवाही

एक घर से वीजा प्रजाति के 32 नग लट्ठा एवं चिराग जप्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वन परिक्षेत्र पश्चिम बैहर सामान्य के अंतर्गत आने वाले ग्राम पोगारझोडी में उड़नदस्ता ने छापा मार कार्रवाई करते हुए एक घर से बेश कीमती इमारती की लकड़ी बीजा के 32 नग लट्ठा एवं चिरान जप्त की गई है। और इस इमारती लकड़ी की चिरान और लट्ठा अवैध रूप से रखने के आरोप में इस घर के मालिक मनोज पिता अमरसिंह पनका के विरुद्ध वन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

उड़न दस्ता दल वन व्रत बालाघाट के मुताबिक 7 नवंबर को मुखबिर द्वारा सूचना दी गई थी कि वन परिक्षेत्र पश्चिम बैहर के अंतर्गत आने वाले ग्राम पोगारझोडी में मनोज पनका के घर में अवैध रूप से इमारती लकड़ी बीजा के लट्ठा एवं चिरान रखी हुई है। मुख्य वन संरक्षक गौरव तिवारी के निर्देशन में उड़न दस्ता दल ने उप वन मंडल बैहर(समान्य) से सर्च वारंट प्राप्त करके, पश्चिम बैहर(सामान्य) परिक्षेत्र के स्थानीय अमले के साथ मुखबिर की सूचना ग्राम पोगारझोडी में मनोज पनका के घर छापा मार कार्रवाई की गई। मनोज पनका के घर की तलाशी के दौरान बीज प्रजाति के कुल 32 नाग लट्ठा एवं चिरान पाई गई मनोज पनका से इस इमारत की लकड़ी के लट्ठा और चिरान रखने के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे गए किंतु उसके द्वारा वैद्य दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। मनोज अपने घर में वीजा प्रजाति की लट्ठा एवं चिरान अवैध रूप से अपने घर में रखा हुआ था उड़न दस्ता के द्वारा मौके में पाई गई। 32 नग लट्ठा एवं चिरान की जप्त की गई। और मनोज पनका के विरुद्ध भारती वन अधिनियम 1927 की धारा के अंतर्गत वन

अपराध प्रकरण क्रमांक 2664/25 पंजीबद्ध कर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में उड़न दस्ता दल प्रभारी अजय चौरे के मार्गदर्शन में उड़न दस्ता दल के कर्मचारी राजेंद्र कुमार मड़ामे कार्यवाहक उप वन क्षेत्रपाल, राकेश कुमार सनोडिया कार्यवाहक वनपाल, नरेंद्र शेंडे, तिलक सिंह राहंगडाले, सौरभ यादव, देवेंद्र उके वनरक्षक, शंभू लाल यादव वाहन चालक के अलावा देवेंद्र मड़ावी परिक्षेत्र सहायक बघोली, श्रीमती नीलिमा बोरकर कार्यवाहक वनपाल,नमन गुप्ता, मृगेंद्र सिंह बघेल वनरक्षक एवं पश्चिम बैहर (सामान्य) परिक्षेत्र के स्थानीय अमले का विशेष सहयोग रहा।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन,
स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान,
शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि
सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

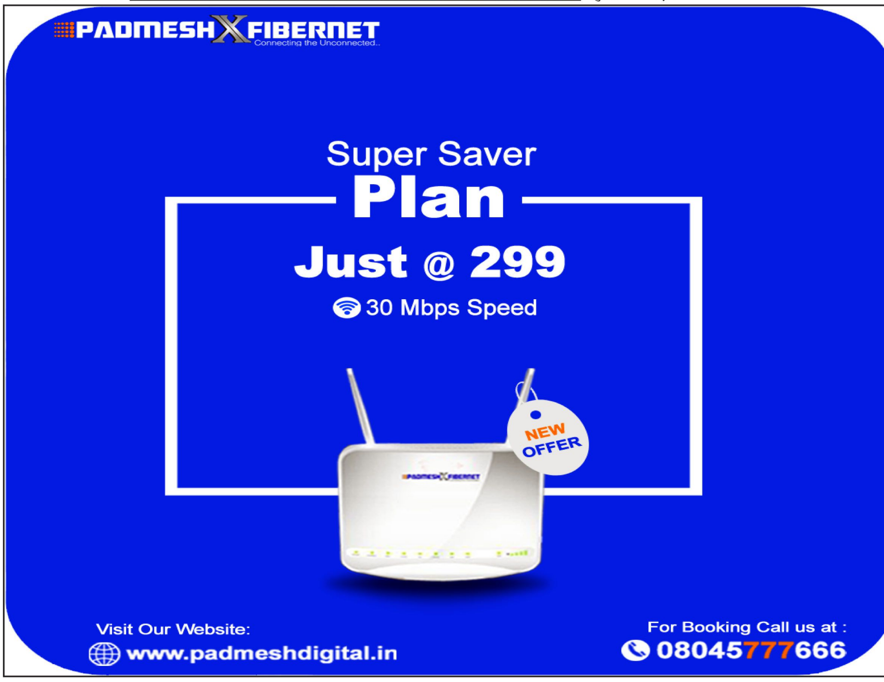

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट